नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार, 19 अगस्त 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 93 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1973: फ्रांस ने परमाणु परीक्षण किया।

1977: सोवियत संघ ने सागान में परमाणु परीक्षण किया।

1999: भारत की परमाणु नीति के मसौदे से नाराज जी-8 ने सभी तरह की मदद पर रोक लगाने की घोषणा की।

2004: दुनिया की सबसे बड़ी इंटरनेट कंपनी गूगल ने अपने शेयर बाजार में उतारे।

2007: अंतरिक्ष स्टेशन पर गए मिशन एंडेवर के यात्रियों ने स्पेसवॉक पूरा किया।

20 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे एनडीए से उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। एनडीए की तरफ से घोषित किए गए उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को इस पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने साझा की है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आज एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन दिल्ली पहुंचे और हमने एनडीए के नेताओं के साथ एक परिचयात्मक बैठक की। हमें बहुत गर्व है कि सीपी राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। एनडीए गठबंधन के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। हमें उम्मीद है कि सभी दल उन्हें समर्थन देंगे। बता दें कि इससे एक दिन

पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा उपराष्ट्रपति पद के लिए की थी। जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से ये पद खाली हुआ है। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होना है और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सांसद, राज्यसभा में मनोनीत 12 सांसद और लोकसभा के 543 सांसद वोट डाल सकते हैं। इस तरह के कुल 788 लोग वोट डाल सकते हैं।

सीएम हेमंत सोरेन देखेंगे शिक्षा विभाग का काम

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद उनके मंत्रालय का कार्यभार देखेंगे। झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है। सरकार की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने झारखंड के राज्यपाल के आदेश से यह अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया है कि झारखंड के मुख्यमंत्री की सलाह से झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हेमंत सोरेन को अपने कार्यों के अलावा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और निबंधन विभाग की अतिरिक्त जिम्मेवारी सौंपी गयी है। 15 अगस्त 2025 को झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया था। रामदास सोरेन 2 अगस्त 2025 को जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित अपने आवास में बाथरूम में गिर गये थे। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया जहां 15 अगस्त को उन्होंने दम तोड़ दिया।

पीएलएफआई के दो नक्सली समेच चार गिरफ्तार, हथियार व कारतूस बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। नक्सली संगठन पीएलएफआई के खिलाफ खूंटी पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। विगत दिनों 15 लाख के इनामी नक्सली मार्टिन केरकेट्टा को गुमला पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराने के बाद संगठन के बचे नक्सली जीविकापार्जन के लिए विकास कार्यों में लगे। ठेकेदारों से लेवी और आगजनी की घटनाओं को अंजाम दे कर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। दहशत फैलाकर पीएलएफआई पुलिस को खुली चुनौती दी थी। खूंटी पुलिस ने रनिया थाना क्षेत्र के जिबिलोंग टोंगरी के पास प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के दो हार्डकोर समेत चार नक्सलियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार नक्सलियों में हार्डकोर सदस्य ओझा पहान उर्फ बादल उर्फ भगत, जिबनुस आईंद उर्फ दढ़ियल, संतोष कोनगाड़ी और जेवियर कोनगाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल, एक देसी कट्टा, 5 गोली, एक मैगजीन, 2 मोबाइल, मोबाइल सिमकार्ड, आधार कार्ड, संगठन का पर्चा समेत अन्य सामग्री बरामद किया है। खूंटी एसपी मनीष टोप्पो ने प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तारी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रनिया थाना अंतर्गत जिबिलोंग टोंगरी के पास पीएलएफआई नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हैं। इस सूचना के सत्यापन के बाद तोरपा एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में तोरपा अंचल पुलिस और रनिया थाना पुलिस की टीम बनाई गई और छापामारी अभियान चलाया गया। इस छापामारी टीम में तोरपा एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, तोरपा अंचल निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, रानिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल, अमरजीत सिंकू, टीनू कुमार, अशोक कुमार महतो, आरक्षी तालकेश्वर यादव, रिमियुस केरकेट्टा, आसियान जोजो, अनूप लकड़ा और तोकेन पिकेट के सशस्त्र बल शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेल में बंद कैदी ने किया आत्महत्या का प्रयास

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित मंडल कारा से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे कैदी जितेंद्र रवानी ने आत्महत्या का प्रयास किया। जेल प्रशासन ने तुरंत उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन घटना ने जेल प्रबंधन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

अफीम और ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। चतरा पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब छह लाख रुपए की कीमत का अफीम और ब्राउन शुगर बरामद किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नावाडीह गांव निवासी दिवाकर कुमार उर्फ अविनाश कुमार और तेतरिया गांव निवासी ओमकार दांगी के रूप में हुई है।

सर्पदंश से दादा-पोते की मौत

लोहरदगा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कुडू थाना अंतर्गत धौरा गांव में जहरीले सांप के काटने से दादा और पोते की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, धौरा गांव निवासी स्व. छेदू मुंडा का 50 वर्षीय पुत्र नरेश मुंडा बीती रात अपने पुत्र, पुत्री और एक पोते के साथ घर के आंगन में बिछावन बिछाकर सोया हुआ था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने नरेश मुंडा और उसके सात वर्षीय पोते अमित मुंडा को डंस लिया। परिजनों को जब घटना का पता चला तो दोनों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

किसान की गला रेतकर हत्या

मधेपुरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलो गांव में सोमवार की सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां नहर किनारे से एक किसान का शव बरामद हुआ है जिसका गला रेता गया है। मृतक की पहचान खाड़ी वार्ड-14 निवासी जसवंत कुमार के रूप में की गई है। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में दहशत और अफरातफरी का माहौल बन गया।

फंदे से लटकी मिली बीपीएससी शिक्षिका

बेगूसराय(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के अलका सिनेमा हॉल के पीछे स्थित मोहल्ला में एक बीपीएससी शिक्षिका ने सोमवार को फांसी का फंदा लगाकर किराए के मकान में आत्महत्या कर ली। मृत शिक्षिका नेहा कुमारी मल्हीपुर दक्षिणी के प्राथमिक स्कूल सिमरिया में पदस्थापित थी। नेहा बेगूसराय में किराए के मकान में रह रही थी जबकि पति नीरज कुमार ओडिशा में रहकर प्राइवेट जॉब करता है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजरिया की पीठ ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा दायर अवमानना याचिका को खारिज कर दिया। अदालत के फैसले से डीजीपी अनुराग गुप्ता को बड़ी राहत मिली है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने झारखंड सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए कहा कि डीजीपी की नियुक्ति पूरी तरह से राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने तर्क दिया कि अनुराग गुप्ता को सभी नियमों का पालन

करते हुए डीजीपी बनाया गया है। अदालत ने सरकार की इस दलील को स्वीकार करते हुए अवमानना याचिका को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि बाबूलाल मरांडी ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर डीजीपी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को चुनौती दी थी। याचिका में मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया था।

जेजेएमपी के दो कुख्यात उग्रवादी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। झारखंड के उग्रवाद प्रभावित जिलों में शामिल लातेहार में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले में सक्रिय उग्रवादी संगठन जेजेएमपी (झारखंड जन मुक्ति परिषद) के दो कुख्यात उग्रवादियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले संगठन को करारा झटका लगा है। सोमवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अरविंद कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी साझा की। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नावागढ़ क्षेत्र के आसपास जेजेएमपी के उग्रवादी देखे गए हैं। सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया। इसी दौरान दोनों

उग्रवादियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान नावागढ़ निवासी कृष्णा साहू उर्फ कृष्णा प्रसाद नरेशगढ़ और अमीन अंसारी के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि दोनों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ लातेहार थाना समेत कई थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। इन दोनों की गिरफ्तारी से जेजेएमपी की गतिविधियों पर रोक लगेगी और स्थानीय लोगों में भी पुलिस के प्रति भरोसा और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उग्रवादियों की गिरफ्तारी संगठन की कमर तोड़ने वाली साबित होगी क्योंकि ये इलाके में वसूली और दहशत फैलाने का काम करते थे। ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई को सराहा है। छापेमारी अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ अरविंद कुमार ने स्वयं किया। इस दौरान प्रभारी थानेदार सुरेंद्र कुमार महतो, पुअनि राहुल सिन्हा, विक्रांत उपाध्याय, सअनि सोनू कुमार कोने पी सहित पुलिस बल के कई जवान शामिल थे। सभी ने साहसिक भूमिका निभाते हुए उग्रवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

प्रसूता की मौत पर हंगामा

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के चैताडीह स्थित मातृत्व शिशु इकाई केंद्र में एक प्रसूता की मौत से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान बक्सीडीह खरियोडीह निवासी काजल देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार काजल देवी को उनके पति राहुल कुमार 12 अगस्त को प्रसव के लिए अस्पताल लाए थे। उसी दिन उनका सामान्य प्रसव हुआ। जांच के बाद चिकित्सकों ने 13 अगस्त को उन्हें घर भेज दिया था। सोमवार की सुबह अचानक काजल की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें फौरन अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां मौजूद नर्स और डॉक्टर ने बताया कि उन्हें पेट में दर्द है। परिजनों का आरोप है कि इसके बाद कोई विशेष इलाज नहीं किया गया और कुछ देर बाद काजल की मौत हो गई। मौत की खबर फैलते ही अस्पताल परिसर में परिजन और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि चिकित्सकों की लापरवाही के कारण ही काजल की जान गई है।

गैंगस्टर डब्लू सिंह ने किया आत्मसमर्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू, गढ़वा और लातेहार क्षेत्र में आतंक का पर्याय बने कुख्यात अपराधी गिरोह के सरगना गौतम कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसने रविवार रात 10:30 बजे पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के समक्ष मेदिनीनगर टाउन थाना में सरेंडर किया। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि आत्मसमर्पण की प्रक्रिया में मेदिनीनगर के पूर्व थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार अभियान चला रही है और मुख्यधारा में शामिल होने वालों के लिए कई योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। नक्सली हों या संगठित अपराध से जुड़े लोग, पुलिस की अपील है कि वे अपराध का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। न्यायिक प्रक्रिया में पुलिस हरसंभव सहयोग करेगी। 2005 से

अपराध की दुनिया में सक्रिय डब्लू सिंह पर हत्या, रंगदारी और कई गंभीर मामलों में कुल 37 आपराधिक कांड दर्ज हैं। वर्ष 2014 में लातेहार से पहली बार जेल गया था लेकिन 2018 में रिहा होने के बाद लगातार सात साल तक फरार रहकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता रहा। वर्तमान में वह शहर थाना क्षेत्र के हत्या एवं रंगदारी के चार गंभीर मामलों में वांछित था। डब्लू सिंह के आत्मसमर्पण के बाद पलामू और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं पुलिस का बोझ भी कम हुआ है।

कस्तूरबा आवासीय स्कूल की 40 छात्राएं बीमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के तरहसी प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से सोमवार को बड़ा मामला सामने आया। नाश्ते में पूरी-सब्जी खाने के बाद लगभग 40 छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उल्टी और पेट दर्द की शिकायत पर विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी बीमार छात्राओं को तरहसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इनमें से पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया। स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल में छात्राओं का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही कई अभिभावक अस्पताल पहुंचे और विद्यालय प्रबंधन पर जमकर भड़के। परिजनों का आरोप है कि उन्हें घटना की सूचना समय पर नहीं दी गई जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई। विद्यालय की वार्डन ने कहा कि छात्राएं जन्माष्टमी के उपवास के कारण बीमार हुई हैं। हालांकि ग्रामीणों और स्वास्थ्यकर्मियों ने इस दावे को खारिज कर दिया। उनका कहना है कि घटना जन्माष्टमी के दो दिन बाद हुई है। ऐसे में बीमारी का कारण केवल भोजन में गड़बड़ी ही हो सकता है। ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि कई बीमार छात्राओं को बिना मेडिकल रजिस्टर में दर्ज किए ही घर भेज दिया गया। इससे न केवल वास्तविक आंकड़ा छिपाने की कोशिश हुई बल्कि बच्चों की जिंदगी भी खतरे में पड़ी।

14 किमी मेट्रो खंड के उद्घाटन से बना नया इतिहास

पूर्व रेलवे उपनगरीय नेटवर्क और कोलकाता मेट्रो रेलवे के बीच बेहतर इंटरचेंज की सुविधा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। कोलकाता एवं उसके आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए, शीघ्र ही मेट्रो रेलवे के तीन नए खंड आम जनता के लिए चालू किए जाएंगे। कुल लगभग 14 किमी मेट्रो खंड का उद्घाटन किया जा रहा है, जो अपने आप में अभूतपूर्व है। ये खंड हैं– सियालदह से एस्प्लेनेड (2.45 किमी), नोआपारा से जय हिंद विमानबंदर (6.77 किमी) तथा हेमंत मुखोपाध्याय से बेलघरिया (4.39 किमी)। इन नए खंडों की शुरुआत से कोलकाता मेट्रो नेटवर्क और पूर्व रेलवे उपनगरीय नेटवर्क के बीच, हावड़ा एवं सियालदह मंडलों में बेहतर इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। बेलघरिया मेट्रो

स्टेशन को हेमंत मुखोपाध्याय से जोड़ने के साथ ही, पूरा बेलघरिया-कवी सुब्रत मेट्रो लाइन सियालदह दक्षिण नेटवर्क से, पूर्व रेलवे के न्यू गड़िया स्टेशन के माध्यम से जुड़ गया है। इस प्रकार यात्री इस मेट्रो नेटवर्क का उपयोग करके आसानी से पूर्व रेलवे की उपनगरीय ट्रेनों तक पहुंच सकते हैं। सियालदह-एस्प्लेनेड खंड के शुरू होने से सियालदह और हावड़ा के बीच यात्रा समय, जो सड़क मार्ग से लगभग 1 घंटा लगता है, घटकर केवल 11 मिनट रह जाएगा। इससे सियालदह और हावड़ा मेट्रो स्टेशन के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा और पूर्व रेलवे के दोनों प्रमुख टर्मिनल (हावड़ा एवं सियालदह स्टेशन) अब मेट्रो रेलवे सेवाओं के माध्यम से सुलभ हो जाएंगे। हावड़ा और सियालदह स्टेशन प्रतिदिन एक मिलियन से अधिक उपनगरीय यात्रियों की सेवा करते हैं। ऐसे यात्री अब आरामदायक एवं तेज मेट्रो सफर के जरिये आसानी से कोलकाता के केंद्रीय व्यवसायिक क्षेत्रों तक पहुंच सकेंगे। नोआपारा से एयरपोर्ट मेट्रो लाइन का उद्घाटन भी, एस्प्लेनेड जैसे केंद्रीय व्यवसायिक क्षेत्रों से कोलकाता एयरपोर्ट तक पहुँचने का समय काफी घटा देगा। पूर्व रेलवे उपनगरीय नेटवर्क एवं मेट्रो रेलवे इंटरचेंज पॉइंट्स के माध्यम से एस्प्लेनेड से एयरपोर्ट तक की यात्रा पहले से कहीं अधिक तेज़ हो जाएगी। नए चालू किए गए मेट्रो खंडों का पूर्व रेलवे उपनगरीय खंड से सहज एकीकरण, पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए निस्संदेह एक पुजा गिफ्ट साबित होगा, क्योंकि अब पंडाल हॉपिंग के लिए थकाऊ और लंबी सड़क यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी। अब उन्हें आरामदायक रेलवे मार्ग उपलब्ध होगा। इन लगभग 14 किमी लंबे मेट्रो रेलवे खंडों के उद्घाटन से कोलकाता में एक नया इतिहास रचा जाएगा, जो कोलकाता और इसके आसपास के क्षेत्रों के परिवहन परिदृश्य में क्रांति ला देगा। इससे लाखों यात्री सहज रूप से सफर कर सकेंगे और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

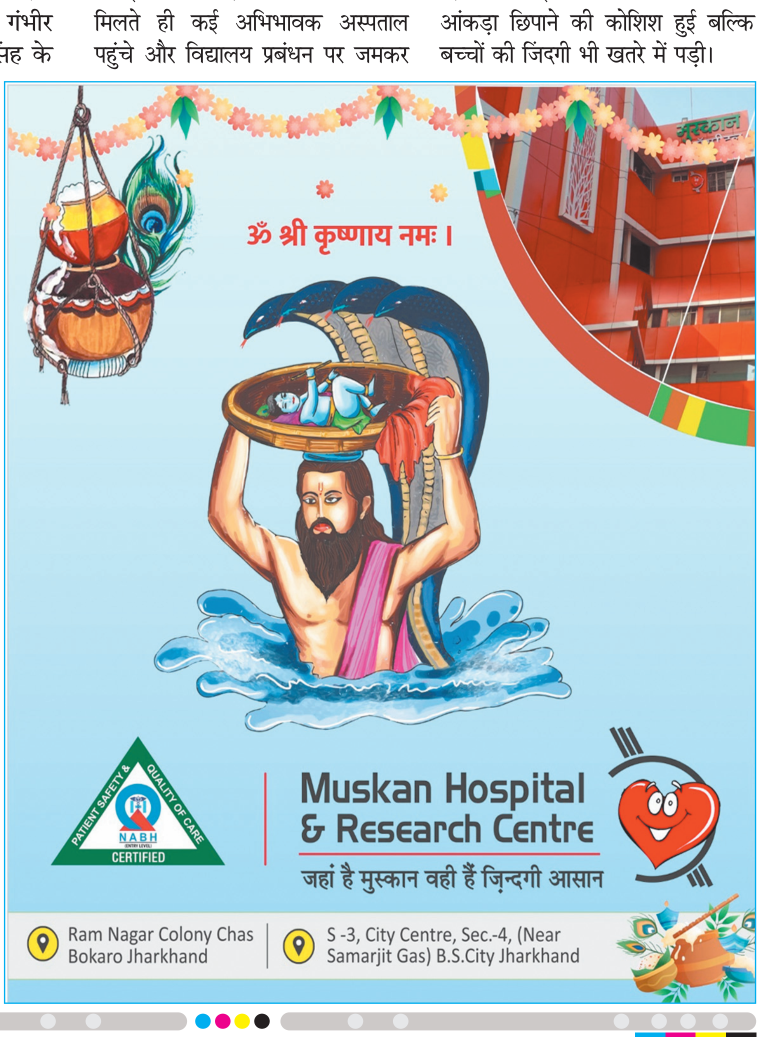

CMYK

16 एकड़ में 70 प्रकार की फसलें उगा रहे किसान

पूसा के स्टूडेंट्स सीखने आते नई तकनीक, पुआल से जैविक खाद की करते पूर्ति

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के राज नारायण सिंह खेती में कुछ नया कर रहे हैं। राज नारायण जिन 70 फसलों की खेती करते हैं, उनमें धान, गेहूं, मक्का के अलावा मिलेट्स की विभिन्न वेरायटी की फसलें, दलहन, तिलहन, मसाले, सब्जी शामिल हैं। ये हार्टिकल्चर में भी नए-नए प्रयोग करते हैं। 70 प्रकार की ये फसलें ये सभी सीजन को मिलाकर करते हैं। उदाहरण के लिए धान को लें, तो वे धान को भी अलग-अलग सीजन में उपजाते हैं।

इनकी विविधतापूर्ण खेती को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं। वे दूसरे किसानों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्हें ट्रेनिंग भी देते हैं। किसान को करीब 50 सालों का खेती का अनुभव है। बिहार के प्रगतिशील किसान में आज सदर प्रखंड के केशावे निवासी राज नारायण की बात कर रहे हैं। बेगूसराय के राज नारायण सिंह परंपरागत कृषि से हटकर कुछ नया कर रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि परंपरागत कृषि को उन्होंने छोड़ दिया हो। इसके साथ इनोवेटिव कृषि को अपनाकर उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। राज नारायण 16 एकड़ में करीब 70 प्रकार की फसलें उगा रहे हैं।

किसान राज नारायण सिंह के कृषि फॉर्म को देखने और उनसे सीखने के लिए समस्तीपुर पूसा के प्रशिक्षु विद्यार्थी, किसान, वैज्ञानिक, अधिकारी के अलावा बरौनी डेयरी, यूके आरसेटी से जुड़े अधिकारी व किसान भी पहुंचते रहते हैं। इस नए प्रयोग को लेकर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अलावा कई अन्य संस्थानों की ओर से उन्हें प्रमाण पत्र और सम्मान भी प्रदान किया गया है। किसान राजनारायण सिंह की खेती की एक विशेषता यह है कि ये कृषि के साथ डेयरी से भी जुड़े हैं और दोनों विधाओं को एक-दूसरे के पूरक के तौर पर बनाकर चलते हैं। यानि कृषि से मिलने वाले उत्पादों को डेयरी में चारे के रूप में प्रयोग करते हैं। वे पुआल आदि से खेतों में नेचुरल मल्चिंग करते हैं। खेतों में पुआल बिछाने से जैविक खाद की भी पूर्ति हो जाती है।

इनोवेटिव खेती के तौर पर मसाले उगा रहे : राज नारायण सिंह के मिश्रित खेती मॉडल में पशुपालन और कृषि दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। परंपरागत कृषि को व्यवसायिक तौर पर करते हैं। इसके अलावा इनोवेटिव खेती के तौर पर वे मसाले जैसे मेथी, धनिया, सौंफ, हल्दी, अदरक, अजवाइन की खेती कर उदाहरण पेश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए कि ज्यादातर मसालों के लिए यहां कि जलवायु उपयुक्त नहीं मानी जाती, फिर भी वे इनकी पैदावार कर लेते हैं। वे बताते हैं कि मसाले का खुद इस्तेमाल करने के अलावा अपने जानने वाले को ही बेचते हैं। जबकि, उसके पौधे और बचे हुए साबुत मसाले पशुओं को खाने में देते हैं। जिससे पशुओं की सेहत बेहतर रहती है।

आलू की खेती में किया नया प्रयोग : किसान आलू की खेती में हमेशा नए प्रयोग करते आए हैं। नतीजा है कि पिछले 10 सालों से वे नीलकंठ आलू के अलावे कुफरी आलू की विभिन्न वेरायटी की खेती कर रहे हैं। जिसमें कुफरी सूर्या, कुफरी चिप्सोना, कुफरी सिंधुरी, कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी हिमालयी सहित कुछ अन्य वेरायटी की खेती कर रहे हैं। कुफरी आलू की कई किस्में हैं। जो विभिन्न आवश्यकताओं और क्षेत्रों के लिए उपयुक्त हैं। इनमें कुछ शीघ्र पकने वाली किस्में हैं, जो गर्मी को सहन कर सकते हैं। जबकि, कुछ चिप्स बनाने के काम में आती हैं। कुछ की भंडारण क्षमता बेहतर है, तो कुछ झुलसा रोग के प्रति प्रतिरोधक क्षमता रखती हैं। नीलकंठ आलू एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरा किस्म है। उत्तर भारतीय मैदानों के लिए जारी की गई है। कुफरी सिंधुरी यह लाल रंग की किस्म है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में मदद करती है। इन सभी प्रकार की किस्मों को वे उपजाते हैं।

चना की 20 वेरायटी की खेती

उन्होंने एक एकड़ में डेमोस्ट्रेशन के लिए चना की 20 वेरायटी की खेती की है। इसका सैंपल भी उनके पास है। किसान राज नारायण सिंह ने बताया कि उनके यहां से चना खाने के लिए नहीं, बल्कि बीज के तौर पर विभिन्न शोधकर्ता, किसान व कृषि विश्वविद्यालय रिसर्च के लिए ले जाते हैं। बीज निदेशालय, ढोली मुजफ्फरपुर में भी उनके बीज की डिमांड है। वे सांवा, कौनी, मडुआ, चीना की खेती भी करते हैं। यह मिलेट बीज के रूप में किसान उनसे खरीदते हैं। राज नारायण सिंह बताते हैं- पिता की मौत के बाद से ही अपने छोटे भाई चंद्रमोहन सिंह के साथ मिलकर खेती शुरू की। पहले तो केवल परंपरागत खेती ही एक मात्र माध्यम था, लेकिन हमेशा से खेती में कुछ नया करने की सोच को लेकर वे विभिन्न जगहों का दौरा किया। इस दौरान खेती की नई-नई तकनीक और वेरायटी वाली खेती का गुण सीखा। राजनारायण सिंह जहां गए वहां से कुछ ना कुछ नए बीज लाकर यहां प्रयोग किया। जिसका नतीजा है कि वे इतने प्रकार की खेती कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज भी जहां खेती कुछ इनोवेटिव काम होता है, वे जरूर वहां जाना पसंद करते हैं।

अफेयर में युवक को घर में ही गोली मारी: निर्माणाधीन घर में सो रहा था, अपराधियों ने कनपटी में मारी गोली

पटना, एजेंसी। बाढ़ थाना क्षेत्र के नवादा पंचायत स्थित लालाबागी में एक 16 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राज कुमार के रूप में हुई है। राज कुमार अपने निर्माणाधीन घर में सो रहा था। उसकी मां और बहन बगल में बने करकट के छोटे घर में थीं।

बिस्तर पर मिला शव : सुबह जब परिजन राज को जगाने गए, तो उसका शव बिस्तर पर मिला। उसकी कनपटी में गोली लगी थी और बिस्तर पर खून बहा हुआ था। राज के पिता की 10 साल पहले सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी थी। सरकार से मिले मुआवजे से वह नया घर बना रहा था। पिछले साल चोरी की घटना के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ था।

थाने में शिकायत करने से पहले रोका था : मृतक की मां ने बताया कि दो महीना पहले लड़की के परिजनों ने प्रेमी जोड़े के भागने की जानकारी दी थी। लेकिन युवक घर में था। लड़की के परिजन पास के ही हैं। उस समय थाना में शिकायत करने से रोका था। उसका कहना था कि मामले की शिकायत करने से बेइज्जती होगी। लड़की बराबर उसके बेटे से मिलती थी। उसकी तस्वीर भी है। दोनों अगर शादी करते तो वह लड़की को स्वीकार कर लेती।

जल्द गिरफ्तारी होगी : एसडीपीओ-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि युवक को गोली मारकर हत्या की गई है, प्रेम प्रसंग में हत्या करने की जानकारी मिली है। जिस लड़की से युवक प्रेम करता था, उसके भाई को यह रिश्ता पसंद नही था। इसी को लेकर उसके द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है। गोली चलाने वाले की पहचान हो गई है, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। एफएसएल को साक्ष्य के लिए सूचित किया गया है। घटना कारित करने वाले और सहयोग करने वाले सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। पूछताछ के लिए लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। युवक के सिर के निचले हिस्से में गोली लगी है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सारा मामला स्पष्ट हो पाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में ट्रेन के आगे कूदी शादीशुदा प्रेमिका

■ एक बच्चे की मां पड़ोसी से प्यार करती थी, मिलने से मना करने पर लगाई छलांग

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में प्रेमी के मिलने से इनकार करने के बाद शादीशुदा प्रेमिका ट्रेन के आगे कूद गई। आनन-फानन में मौके पर मौजूद लोगों ने सदर अस्पताल पहुंचाया। प्रेमिका की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान संदेश के बिछियांव गांव निवासी उमेश यादव की पत्नी सुनीता देवी(30) के तौर पर हुई है। तीन साल का एक बेटा है। घटना नवादा थाना क्षेत्र के जवाहर टोला ओवर ब्रिज स्थित रेलवे लाइन की है।

मिलने बुलाया, लेकिन वो नहीं आया : घायल सुनीता देवी ने बताया कि 5 साल पहले उमेश यादव से शादी हुई थी। एक साल से पड़ोस में रहने वाले आकाश कुमार से प्रेम-प्रसंग चल रहा है। कुछ दिन पहले अफेयर की जानकारी मेरे पति को लगी। इसी बात को लेकर आकाश से पति का झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद आकाश ने बोला कि आज के बाद मैं तुमसे बात नहीं करूंगा। मुझे कॉल मत करना। रविवार को गांव से बाहर नहर के पास उसे मिलने के लिए बुलाया। उसने आने से इनकार कर दिया। मैंने फोन करके उससे कहा कि अगर तुम नहीं आओगे तो मैं मरने जा रही हूं। इसके बाद भी वो नहीं आया। गुस्से में आकर रेलवे लाइन के पास पहुंची। पटना की ओर से आ रही ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। झटका खाकर दूर फेंका गईं।

महिला की हालत गंभीर, एक पैर फ्रैक्चर

वहीं, अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि एक पैर फ्रैक्चर है। हाथ और शरीर के अलग-अलग हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया है?

एनएच-922 के पास झाड़ियों में मिली नवजात बच्ची, चाइल्ड केयर भेजा

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के ब्रह्मपुर में राष्ट्रीय उच्च पथ 922 के किनारे झाड़ियों से एक नवजात बच्ची को बचाया गया है। रविवार शाम करीब 6 बजे बच्ची के रोने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम 112 को सूचित किया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर बच्ची को झाड़ियों से सुरक्षित निकाला। नवजात की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ब्रह्मपुर ले जाया गया। चिकित्सकों के प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की हालत स्थिर है। ब्रह्मपुर थाना अध्यक्ष सुरेश प्रसाद सिंह ने बताया कि बच्ची को बेहतर देखभाल के लिए चाइल्ड केयर बॉक्सर भेजा गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। दोषियों की पहचान की कोशिश जारी है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि समय पर कार्रवाई न होती तो बच्ची की जान जा सकती थी। प्रशासन और समाजसेवी संगठनों ने अपील की है कि अगर किसी परिवार को नवजात की देखभाल में कठिनाई हो, तो वे बच्चे को शिशु गृह या चाइल्ड केयर सेंटर को सौंप दें। यह हृदय विदारक घटना जहां एक ओर मानवता को शर्मसार करती है, वहीं दूसरी ओर यह संदेश भी देती है कि सजगता और संवेदनशीलता से मासूमों की जान बचाई जा सकती है।

बाढ़ में बहकर बिहार आ गई अफ्रीकी कैटफिश गंगा नदी में देसी मछलियों को खत्म कर रहीं

चिंता में मछुआरे

भागलपुर, एजेंसी। नील तिलापिया और अफ्रीकी कैटफिश जैसी गैरदेसी नस्ल की मछली गंगा की मछलियां चट कर जा रही हैं। ये मछलियां पिछले साल बाढ़ में बहकर गंगा में आईं थीं और देसी नस्ल की मछलियों को निवाला बनाया था। इससे पहले गंगा किनारे पाई जाने वाली कॉमन कॉर्प मछली ने देसी किस्म की लुप्त मछलियों का खात्मा कर दिया था। इस बार भी गंगा में आई बाढ़ को देखकर मत्स्य विभाग और मछुआरा वर्ग सशंकित हैं। मत्स्य विभाग के अधिकारी अनुमान लगा रहे हैं कि भागलपुर से साहिबगंज तक डाउन स्ट्रीम में गंगा में इन प्रवासी मछलियों का ठहराव तय है। अधिकारियों का कहना है कि गंगा में आई बाढ़ से देसी मछलियों पर संकट मंडरा रहा है। बाढ़ का पानी अपने साथ विदेशी मछलियों को ला रहा है, जो देसी मछलियों के लिए खतरा बन रही हैं। इसके अलावा, बाढ़ से होने वाले प्रदूषण और जलमार्गों में बदलाव भी देसी मछलियों के लिए हानिकारक हैं। गंगा में बाढ़ के कारण विदेशी मछलियां जैसे नील तिलापिया, अफ्रीकी कैटफिश और कॉमन कार्प आसानी से प्रवेश कर रही हैं। ये मछलियां देसी मछलियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं और उनके आवास को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

देसी मछलियों का स्थान और ऑक्सीजन छीन रहीं

विदेशी मछलियां जैसी अफ्रीकी कैटफिश, कॉमन कार्प बहुत तेजी से बढ़ती हैं। ये देसी मछलियों के लिए भोजन, ऑक्सीजन और जगह छीन लेती हैं। विदेशी मछलियां, देसी मछलियों और उनके अंडों को खा जाती हैं जिससे उनका प्रजनन चक्र बिगड़ जाता है और उनकी संख्या कम हो जाती है। बाढ़ के साथ बहकर आने वाली विदेशी नस्ल की मछलियां देसी मछलियों को खाने के साथ उनके पर्यावास को भी समाप्त कर रहीं।

प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन भी कारण: अधिकारियों का कहना है कि प्रदूषण, जलमार्गों में बदलाव, जलवायु परिवर्तन भी विदेशी नस्ल की मछलियों के प्रवेश का कारण है। बाढ़ का पानी अपने साथ कचरा, औद्योगिक अपशिष्ट और अन्य प्रदूषकों को बहाकर लाता है। यह प्रदूषण पानी में रहने वाले जीवों के लिए हानिकारक है।

गोपालगंज में टोल प्लाजा के पास ट्रक से टकराया, एक की मौत, एक गंभीर

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज में सिधवलिया थाना क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मोतिहारी से गोपालगंज की तरफ जा रहा गाय लदा पिकअप वाहन पुलिस जांच से बचने के चक्कर में ट्रक से टकरा गया। हादसे में पिकअप पर सवार मीरगंज के सबेया निवासी कलाम नट(25) की मौके पर ही मौत हो गई। सीवान के महुअर निवासी 35 वर्षीय गुलजार नट गंभीर रूप से घायल हो गए। जख्मी गुलजार ने बताया कि सोमवार सुबह महमदपुर थाना की पुलिस डुमरिया घाट पर वाहनों की जांच कर रही थी। पुलिस ने उनके पिकअप को रोकने का इशारा दिया। लेकिन चालक बिना रुके तेज गति से भागने लगा। पुलिस के पीछा करने पर पिकअप ने चार वाहनों को टक्कर मारी। टोल प्लाजा के पास पहुंचकर बेकाबू होकर ट्रक से टकरा गया।

महावीरी झंडा जुलूस में नर्तकियों का प्रदर्शन: सीवान में पुलिस की मौजूदगी में बजा डीजे

सीवान, एजेंसी। सीवान के सराय थाना क्षेत्र में प्रशासन के आदेशों की खुली अवहेलना सामने आई है। बैसाखी गांव में रविवार को निकाले गए महावीरी झंडा जुलूस में प्रशासन के निर्देशों के विपरीत डीजे बजाया गया। सराय थाना प्रभारी विकास कुमार बिट्टू की मौजूदगी में ही जुलूस में नर्तकियों से अश्लील गानों पर नृत्य करवाया गया।

जिला प्रशासन ने शांति समिति की बैठक में डीजे और अश्लील गानों पर रोक लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब पुलिस की मौजूदगी में नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो आम जनता से कानून पालन की उम्मीद कैसे की जा सकती है। इस मामले में जब थाना प्रभारी से स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने व्यस्तता का हवाला देते हुए जवाब देने से बच निकले।

यह घटना जिला प्रशासन के आदेशों की पालना में विफलता को दर्शाती है। यह घटना साबित करती है कि प्रशासन की सख्ती सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित है। मौके पर अधिकारी नियमों का पालन कराने की बजाय मूकदर्शक बने रहे।

3 बच्चों की मां ने पशु चिकित्सक संग की आत्महत्या

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली में 3 बच्चों की मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर आत्महत्या कर ली। रविवार को दोनों का शव सहथा गांव से 1 चरू दूर आम के बगीचे में मिला। दोनों ने जहर खाकर खुदकुशी की है। मृतका की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के सहथा गांव निवासीसुनील कुमार राय की पत्नी सुनैना देवी(35) के रूप में हुई है। वहीं महिला के प्रेमी का नाम मणिभूषण कुमार(45) है, जो एक वेटनरी डॉक्टर है। बताया जा रहा है कि दोनों 5 साल से रिलेशन में थे। वे छिप-छिपकर मिलते और बात करते थे। परिवार को जानकारी मिलने पर कई बार पंचायत बुलाई गई। इसके बावजूद दोनों की मुलाकातें जारी रही।

गांव से 1किमी दूर जाकर दोनों ने खाया सल्फास

रविवार को दोनों गांव से 1किमी दूर आम के बगीचे में मिले। वहां दोनों ने सल्फास खा लिया। सुनैना की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मणिभूषण को बेहोश अवस्था में लालगंज के नर्सिंग होम ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उनकी भी मृत्यु हो गई।

बच्चों के लिए परिजन चिंतित

भगवानपुर थाने के प्रभारी सत्येंद्र सत्यार्थी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। घटना से गांव में सनसनी फैल गई है। दोनों के 3-3 बच्चे है। परिजन भविष्य को लेकर चिंतित हैं। मृतका के भसुर अनिल कुमार राय ने बताया कि मृतका मेरे भाई की पत्नी है, उसके 3 बच्चे है। 2 बेटा और एक बेटी। महिला आम के बगीचे में जहर खाई है। क्या विवाद हुआ था इसकी जानकारी मुझे नहीं है। मैं काम पर था, सूचना मिलने पर सीधे यहां पहुंचा हूं। वे प्रेम प्रसंग की बात को इनकार कर रहे हैं।

पुलिस ने यूडी केस किया दर्ज

इस संबंध में भगवानपुर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि प्रेमी प्रेमिका ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। दोनों के तीन-तीन बच्चे हैं। किसी पक्ष ने लिखित आवेदन नहीं दिया है। यूडी केस दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी 22 अगस्त को बेगूसराय आएंगे: बिहार के पहले सिक्स लेन पुल का करेंगे उद्घाटन

1740 करोड़ की लागत से बना है

बेगूसराय, एजेंसी। सिमरिया में गंगा नदी बिहार का पहला सिक्स लेन ब्रिज बनकर तैयार हो गया है करीब 1740 करोड़ की लागत से बने 1.865 किलोमीटर लंबे अति आधुनिक पुल का उद्घाटन 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। प्रधानमंत्री की संभावित यात्रा को देखते हुए प्रशासन की ओर तैयारियां शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेगूसराय में करीब 24 मिनट रहेंगे। इसको लेकर बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने रविवार को सिक्स लेन पुल का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई आदि की समीक्षा की। प्रधानमंत्री द्वारा सिमरिया रिवर फ्रंट का भी निरीक्षण किए जाने की संभावना है। हर्ल कारखाना से सटे मैदान एवं एनटीपीसी परिसर में संभावित हेलीपैड स्थलों का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और गिरिराज सिंह भी मौजूद रहेंगे।

बिहार का पहला सिक्स लेन ब्रिज : मुख्य सचिव के समीक्षा के दौरान स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, डीआईजी आशीष भारती, डीएम तुषार सिंगला, एसपी मनीष, उप विकास आयुक्त, सहायक समाहर्ता, नगर आयुक्त नगर निगम एवं जिला परिवहन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। गिरिराज सिंह ने बताया कि 22 अगस्त की दोपहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गयाजी से बेगूसराय आएंगे। यहां औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। यह ब्रिज बिहार का पहला सिक्स लेन ब्रिज होगा? अभी तक यहां कोई सिक्स लेन ब्रिज नहीं बना था। सौभाग्य की बात है कि प्रधानमंत्री बेगूसराय आ रहे हैं।

पीएम ने सड़कों का जाल बिछाया : गिरिराज सिंह ने आगे कहा, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेगूसराय में वह काम हुआ है जो न कभी हुआ था, न होगा। लालू यादव ने फर्टिलाइजर में आकर शिलापट्ट लगवाया था, जो शिलापट्ट अब किसी काम का नहीं है। क्योंकि पैसे नहीं दिए गए थे। नरेंद्र मोदी ने बेगूसराय में 9000 करोड़ की लागत से हर्ल बनाया। रिफाइनरी में 25000 करोड़ लगवाया। सड़कों का जाल बिछा दिया। आगे यहां एक नया सड़क रक्सौल हल्दी बनने जा रहा है, उसमें भी एक पुल बनेगा। डॉक्टर श्रीकृष्ण सिंह के बाद बेगूसराय को किसी ने सजाया है तो नरेंद्र मोदी ने सजाया है। उसका एक उदाहरण यह बिहार का पहला सिक्स लेन पुल है।

औंटा के पास दो आरयूबी बनाया गया : करीब 1740 करोड़ की लागत से बने 1.865 किलोमीटर लंबे ब्रिज और इसके दोनों ओर औंटा एवं सिमरिया साइड में एप्रोच पथ मिलाकर कुल 8.15 किलोमीटर लंबे ब्रिज का काम पूरा हो गया है। पुल पर पर्याप्त रोशनी के अलावा जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। जिससे मॉनिटरिंग किया जा सके। सिक्स लेन सड़क पुल के दोनों ओर औंटा से हाथीदह एवं सिमरिया बिंदटोली से राजेन्द्र पुल स्टेशन के समीप एनएच-31 तक 1 रेल ओवर ब्रिज (आरओबी), 2 रेल अंडर ब्रिज (आरयूबी) एवं 6 वेकल अंडर ब्रिज (वीयूवी) बनाया गया है। हाथीदह जंक्शन के पास एनएच-80 के ऊपर से एनएच-31 गुजरा है। वहीं, औंटा के समीप दो आरयूबी बनाया गया है।

राजेंद्र सेतु पर सड़क और रेल मार्ग : एशिया के सबसे अधिक चौड़ा यह पुल एक्स्ट्रा डोजेज स्टे केबल ब्रिज का पूरा लोड केबल पर ही रहेगा। नई तकनीकी से बने इस पुल की चौड़ाई 34 मीटर रहने से आवागमन में सुविधा होगी। पुल पर दोनों साइड 13-13 मीटर चौड़ी तीन-तीन लेन की सड़क है। जबकि दोनों साइड डेढ़ मीटर चौड़ा फुटपाथ बना है। जिस पर पैदल, साईकिल या बाइक चल सकेंगे। सिमरिया छोर पर गोलंबर भी भव्य बनाया गया है। यह पुल केवल उत्तर और दक्षिणी एवं पश्चिम बिहार की दूरी को ही कम नहीं करेगा। बल्कि, सामरिक दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण होगा। देश की आजादी के बाद जब गंगा नदी पर पुल बनने की बात आई थी तो सबसे पहला पुल सिमरिया में ही बना था। डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के प्रयास से राजेंद्र सेतु पर सड़क और रेल दोनों मार्ग बनाया गया था। उस पुल की जर्जरता और लगातार मरम्मत में जब समय लगने लगा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नजर इस पर गई। उन्होंने 2017 में सिक्स लेन पुल का शिलान्यास किया। पटना से खगड़िया तक फोरलेन सड़क बन गई है, लेकिन पुराना पुल दो लेन का था।

तीज महोत्सव में झूमीं महिलाएं, नन्हें-मुन्नों का फैशन शो बना आकर्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला इकाई हजारीबाग (अरुण प्रभात सिन्हा) के नेतृत्व में जिला महिला प्रकोष्ठ द्वारा तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम बुढ़वा महादेव के समीप प्रधान कैफ़ेटेरिया में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग ढाई सौ महिलाओं एवं पुरुषों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आयुष और ग्रुप के गणेश वंदना सामूहिक नृत्य से हुआ, जिसने ऐसा आभास कराया मानो स्वयं विघ्नहर्ता गणेश जी का साक्षात दर्शन हो। इसके बाद कलंकन ग्रुप की बच्चियों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, आयुष और ग्रुप द्वारा मां काली कलकत्तेवाली पर अद्भुत सामूहिक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और सभी ने खड़े होकर तालियों से स्वागत किया।

महिला प्रकोष्ठ की 9 उप-समितियों द्वारा अलग-अलग विषयों पर सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही कुछ महिलाओं ने भजन गायन कर कार्यक्रम को और भी भक्तिमय बना दिया।

मुख्य अतिथि प्रमंडल अध्यक्ष बृज मोहन प्रसाद ने कलाकारों की सराहना करते हुए आगामी 27 नवंबर को भी इसी तरह का शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

नन्हें-मुन्नों का फैशन शो रहा खास आकर्षण

कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण रहा बच्चों का फैशन शो, जिसमें सभी बच्चों ने अपनी माताओं के साथ रैंप वॉक कर दर्शकों का दिल जीत लिया।

वरिष्ठ महिलाओं को मिला सम्मान

समारोह के दौरान हजारीबाग जिले की 15 वरिष्ठ महिलाओं (जिनकी उम्र 80 वर्ष के करीब थी) को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। इससे समाज को यह संदेश दिया गया कि हम सब एकजुट हैं और अपने अभिभावकों का ध्यान रखते हैं।

स्वागत, सम्मान और भोजन का अद्भुत संगम

स्वागत भाषण जिला महिला अध्यक्ष अर्चना सिन्हा ने दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला महिला महामंत्री रश्मि दल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की भव्यता में प्रभात प्रधान एवं उनकी पत्नी सुधा प्रधान ने कैफेटेरिया और व्यवस्थाएं उपलब्ध कराकर अहम योगदान दिया।

सभी कलाकारों को मोमेंटो एवं बैच देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया गया तथा महिलाओं ने सामूहिक नृत्य कर समापन को और यादगार बना दिया। महिलाओं ने कहा कि सावन महोत्सव न होने की कमी अब तीज महोत्सव की भव्यता से पूरी हो गई और सभी ने इस उत्सव का भरपूर आनंद उठाया।

नहीं रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघ चालक ध्रुव नारायण सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भाजपा झारखंड प्रदेश के महामंत्री मनोज सिंह के पिता व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघ चालक हमीदगंज निवासी ध्रुव नारायण सिंह सोमवार को तड़के 8 बजे स्थानीय आशी केयर हॉस्पिटल में अंतिम श्वास ली। वे 80 वर्ष के थे। वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके देहांत की खबर सुनते ही उनके हमीदगंज स्थित आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं सामाजिक, कई राजनीतिक संगठन व संघ परिवार के लोग पहुंचे व श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वे अपने पीछे चार पुत्र, पुत्रवधू, तीन पुत्री, नाती, पोता- पोती सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर दुनिया से विदा हो गए।

अंतिम संस्कार 19 अगस्त को प्रातः 9 बजे स्थानीय राजा हरिश्चंद्र घाट पर होगा। शोक संवेदना व्यक्त करने वाले में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, प्रेम सिंह, पूर्व उपमहापौर मंगल सिंह, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह, आरएसएस के राजीव रंजन सिंह, विभाकर नारायण पांडे, विजयनंद पाठक, भोला सिंह, शिवदीप सिंह, शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा, प्रदीप सिन्हा, दिलीप तिवारी, जितेंद्र सिंह, अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू सिंह, राहुल कुमार, अरुण सिंह, लूडू खान, श्वेतांग गर्ग, सरवन गुप्ता, अविनाश वर्मा, दीपक सिंह, रोहित पाठक, विजय राज, गिरीश जोरिहर, सतीश कुमार, जय दुबे, बृजेश शुक्ला, पिंकू सिंह, प्रमोद रंजन, अभय सिंह, पप्पू, जितेंद्र तिवारी, मनोहर लाली, मुख्तार सिंह, मुन्ना सिंह, निलेश चंद्र, रणजीत मिश्रा, नदलाल गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, संजय कुमार, पंकज जयसवाल, विकास सिंह, अजय सिंह, किशन मखड़िया, मनदीप प्रजापति सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे व श्रद्धांजलि देने के बाद उनके पुत्र मनोज सिंह को ढांढ़स बंधाया।

सभी वर्गों का नीतीश सरकार में हुआ न्याय के साथ विकास : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के बेन प्रखंड में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को विभिन्न सड़कों के मरम्मत एवं निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें 29 लाख की राशि से स्वीकृत एल ओ 48 से रामा बिगहा सड़क निर्माण, 4 करोड़ 21 लाख की राशि से स्वीकृत नालंदा बेन पैमार नदी ब्रिज से उसरीपर भाया माहेपुर सड़क निर्माण, 2 करोड़ 84 लाख की राशि से स्वीकृत नालंदा बेन सौरे से मरसुआ भाया इनायतपुर सड़क निर्माण तथा 14 लाख की राशि से स्वीकृत एल ओ 28 परवलपुर नालंदा रोड से पदुम बिगहा सड़क निर्माण कार्य शामिल है। इस मौके

पर श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में अब सड़कों का जाल बिछ चुका है और हर गांव पक्की सड़क से जुड़ चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के विकास के प्रति हमेशा संकल्पित रहे हैं। आज बिहारी कहलाना सम्मान और गौरव की बात है। राज्य में नौकरियों और रोजगार की भरमार है, युवाओं के सपने अब साकार होंगे और आर्थिक तंगी रुकावट नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि अब बिहार का कोई भी युवा सिर्फ 100 रुपए में सरकारी नौकरी की प्रारंभिक परीक्षा दे सकेगा जबकि मुख्य परीक्षा निशुल्क होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवाओं को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि लाखों हाथों में रोजगार और नौकरी सौंपी है। उन्होंने बताया कि 'सात निश्चय' योजना (भाग-1) के तहत शौचालय निर्माण ने घर-घर स्वच्छता का संदेश दिया, महिलाओं की गरिमा और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की तथा समाज की सोच को बदला। राज्य की बेटियां अब सुरक्षित हैं और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर लगातार मिल रहे हैं। नीतीश कुमार ने बेटियों को सशक्त बनाया है। साथ ही सरकार ने यह व्यवस्था भी की है कि राज्य से बाहर रहने वाले बिहारी पर्व-त्योहार पर घर लौटने के लिए अब चिंता मुक्त रहें, क्योंकि राज्य सरकार की बसें उन्हें अन्य राज्यों से लाकर घर पहुंचाएंगी। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अरविन्द पटेल, टुनटुन सिंह, जीतेन्द्र सिंह, कुमुद कुमार, धर्मेंद्र प्रसाद, राजा मुखिया, उत्तम पटेल, अजीत सिंह, जीतू मुखिया, शम्भू पासवान, नागमणि प्रसाद, बहावुद्दीन, रामेश्वर केवट, भागेरण पाल, दीपक दास, धुरी मांझी, शैलेन्द्र पाल, कलीम साहब, सीताराम केवट, धनंजय कुमार केवट, नरेश केवट, जीतू कुशवाहा, संतोष मुखिया, नीरज पटेल, गौतम पटेल, सोहित पटेल, गौरी पटेल, गोल्डेन कुमार, सुकांत कुमार, शम्भू कुमार, श्रवण कुमार, शैलेन्द्र प्रसाद, शैलेन्द्र पाल, अशोक प्रसाद, उपेन्द्र प्रसाद, संतोष कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अशोक प्रसाद, ललन रविदास, लक्ष्मण प्रसाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने रैली निकाल किया उपायुक्त का घेराव

भ्रष्ट पदाधिकारियों को नहीं बख्शेगी सीपीआई : रूचिर तिवारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 18वां पलामू जिला सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ । सम्मेलन के पूर्व पार्टी की विशाल रैली पार्टी कार्यालय से निकली गई। रैली उपयुक्त कार्यालय तक पहुंची। रैली में शामिल लोग रोषपूर्ण नारेबाजी कर रहे थे। भाषण के बाद पलामू के उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। रैली में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता, भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक व पलामू जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी सहित हजारों लोग शामिल हुए। कचहरी परिसर में आयोजित रैली में पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि वर्तमान की केंद्र सरकार की नीतियों से आम जनता त्रस्त है। पूंजीपतियों व बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार आम जनता के अधिकारों की अनदेखी कर रही है। सरकारी सेक्टर की नौकरियां खत्म की जा रही हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र का निजीकरण बढ़ रहा है। वहीं पलामू जिले में उद्योग-धंधों की कमी व बेरोजगारी की समस्या विकराल होती जा रही है। पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि पलामू की जमीन बड़े-बड़े पूंजीपतियों व कंपनियों को औने-पौने दामों में बेची जा रही है। गरीब व भूमिहीन किसानों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। यही नहीं, सरकारी पदाधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। सरकारी तंत्र आम जनता की समस्याओं के समाधान की जगह उल्टे शोषण व उत्पीड़न में शामिल है। जिला सचिव रुचिर तिवारी ने पलामू को उप राजधानी बनाने की मांग की। कहा कि जिला खनन जनता को केवल टैक्स वसूली के लिए परेशान कर रहा है। यहां रोजगार व उद्योग स्थापित करने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया जा रहा। पलामू जिला लंबे समय से पिछड़ेपन व विकासहीनता का शिकार है। स्वास्थ्य विभाग का हाल बेहाल है। तिवारी ने कहा कि भूमि हड़पने व गैरकानूनी रूप से डंपिंग ग्राउंड व ग्रेनाइट खदानों के संचालन को जनता के अधिकारों का उल्लंघन बताया।चेतावनी दी कि यदि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। सभा को वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सूर्यपत सिंह ने कहा कि आज के समय में कम्युनिस्ट पार्टी की प्रासंगिकता बढ़ गई है। सम्मेलन व प्रदर्शन का नेतृत्व भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रूचिर कुमार तिवारी ने किया।

प्रदर्शन में जितेंद्र सिंह, शमशुद्दीन अंसारी, अभय कुमार, प्रभू साव जनेश्वर राम नसीम राइन, सोन अहमद, रंग बहादुर सिंह, उमेश सिंह चेरो, मनाजरूल हक सहित हजारों की संख्या में मजदूर, किसान, छात्र, महिला- पुरुष शामिल थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव आज नवादा में

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार में बड़े पैमाने पर मतदाताओं का नाम हटाए जाने के खिलाफ विपक्ष द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय जनता दल के नेता प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव मंगलवार को नवादा में एक साथ शामिल होंगे। गया में समारोह के उपरांत तुंगी में वे नवादा जिले की सीमा में प्रवेश करेंगे, जहां से कांग्रेस व राजद कार्यकर्ताओं का द्वारा बड़े पैमाने पर स्वागत किया जाएगा। तुंगी से चलकर हिसुआ, फिर नवादा सद्भावना चौक से होते हुए मेन रोड होकर भगत सिंह चौक के समीप कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वह एक खुली वाहन में चलकर आएंगे। इसके लिए प्रशासन के द्वारा सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। सड़कों पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। नेताओं द्वारा जगह-जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं। भगत सिंह चौक से चलकर यह करवा धीरे-धीरे आईटीआई मैदान पहुंचेगी। जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव स्थानीय नेताओं के साथ भोजन करेंगे और चुनावी चर्चा करेंगे। इसके उपरांत वहां से वे खर्राट मोड होते हुए बरबीघा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। नवादा में राहुल गांधी की पहली यात्रा होने पर कांग्रेसियों में काफी उत्साह देखी जा रही है। इससे पहले वे 2020 में हिसुआ में विधायक प्रत्याशी नीतू कुमारी के समर्थन में चुनाव प्रचार करने आए थे।

नवादा विधानसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज, डॉ. अनुज सिंह समर्थकों की 370 बूथ कमेटी की बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नवादा में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. अनुज सिंह ने चुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए रविवार को अपनी ताक़त का प्रदर्शन किया। इसके तहत कुंती नगर स्थित खेल मैदान में नवादा विधानसभा क्षेत्र के 370 बूथ कमेटियों की विशाल बैठक आयोजित की गई। बैठक में नारदीगंज और नवादा प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ ही नगर परिषद के सभी वार्ड कमेटी सदस्य मौजूद रहे। अनुमानित चार से पाँच हजार महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। बैठक की अध्यक्षता स्वयं डॉ. अनुज सिंह ने की।

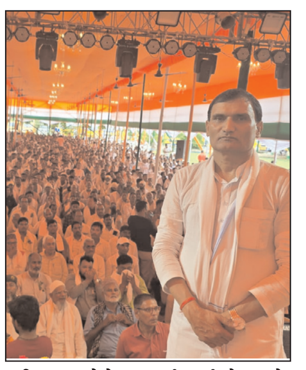

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सभा जनता की भावनाओं का प्रतीक है। क्षेत्र में पिछले 30-40 वर्षों से विकास कार्य ठप पड़े हैं, जिन्हें बदलने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी से बड़ी चीज जनता का समर्थन है। असली जीत जनता के हाथों में होती है। सभी जाति-धर्म के लोग एक साथ आए हैं, हमें इसे और मजबूत कर नवादा विधानसभा को एक नई दिशा देनी है। डॉ. सिंह ने शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने जिले में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा की व्यवस्था को सुदृढ़ करने की पहल की है, उसी तरह राजनीतिक स्तर पर भी नवादा को मजबूत करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 14 सितंबर को एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। बैठक में विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भी अपने विचार रखे। मॉडर्न शैक्षणिक समूह के सचिव डॉ. शैलेश कुमार ने कहा कि कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरना होगा। बस्ती बीघा के महेश कुशवाहा ने कहा कि इस बार जनता जाति और धर्म से ऊपर उठकर विकास के नाम पर मतदान करेगी। अधिवक्ता अनमोल कुमारी ने महिलाओं से अधिकाधिक संख्या में मतदान कर परिवर्तन लाने की अपील की। जमुआमा पंचायत के सरपंच देवराज पासवान ने कहा कि डॉ. अनुज सिंह सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। पूर्व मुखिया रंजीत चौहान ने उन्हें पहली बार ऐसा उम्मीदवार बताया जो जनता की समस्याओं को घर-घर जाकर सुन रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से डॉ. अनीश खान और मास्टर सफीर खान ने अनुज सिंह को गरीबों का मसीहा बताते हुए भारी मतों से जीत दिलाने का संकल्प जताया।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी तरफ से, वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), आद्रा, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या; निविदा संख्या; कार्य का विवरण; निविदा मूल्य: [1]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-61-25, दिनांक: 14.08.2025** (1) तुपकाडीह-राजबेरा ब्लॉक हट सेक्शन के बीच किमी 414.153 से 415:6 (डाउन), 415.753 से 416.5 (डाउन) और 414.749-415.602 (अप) (कुल-3.047 ट्रैक किमी), शीउबाबुडीह-तालगड़िया सेक्शन के बीच किमी 321.4 से 323.0 (एसएल), 317.8 से 318.8 (एसएल) ट्रैक किमी (कुल-2.6 ट्रैक किमी), कोटशिला जंक्शन-बोकारो स्टील सिटी सेक्शन में किमी 383.07 से 384.67(अप), 384.77 से 386.37(अप), 381.47 से 382.97 (अप), 379.77 से 381.37 (अप), 378.07 से 379.67 (अप) (कुल- 7.9 ट्रैक किमी) पर रेल नवीनीकरण (प्राथमिक); **(2)** आद्रा मंडल में बोकारो स्टील सिटी-तुपकाडीह, आद्रा-गोमो, मिदनापुर-बिष्णुपुर, आद्रा-आसनसोल, पुरुलिया-चांडिल, कोटशिला-बोकारो स्टील सिटी, आद्रा-गोमो (जेसी) और आद्रा-बांकुड़ा सेक्शन के बीच यार्ड में 784 डमी ग्लू जोड़ों को हटाना; ₹ 1,64,98,636.53; **[2]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-62-25, दिनांक 14.08.2025**; एस एस ई (पी. वे)/भागा और एसई (पी. वे)/मोहुदा के अधिकार क्षेत्र के तहत यार्ड के सुधार के कार्य के संबंध में नाली का निर्माण; ₹4,11,16,434.36; **[3]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-63-25, दिनांक 14.08.2025**; एस एस ई (पी. वे)/महुदा, एस एस ई (पी. वे)/भोजुडीह और एस एस ई (पी. वे)/भागा के अधिकार क्षेत्र के तहत यार्ड के सुधार के कार्य के संबंध में पी वे कार्य का निष्पादन; ₹ 3,72,68,165.66 **[4]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-64-25, दिनांक 14.08.2025**; बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा आद्रा मंडल में रायनगर-मठनाशीपुर के बीच किमी 330/7-8 पर मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग बीआर-99 के बदले आरयूबी का निर्माण; ₹ 7,21,05,733.89; **[5]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-65-25, दिनांक 14.08.2025;** बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा आद्रा मंडल में श्यामसुंदर-रायनगर के बीच किमी 324/2-3 पर मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग बीआर-93 के बदले आरयूबी का निर्माण; ₹ 7,48,97,724.61; **[6]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-66-25, दिनांक 14.08.2025;** बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा आद्रा मंडल में बीकना-नोबंदा के बीच किमी 236/2-3 पर मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग बीआर-6 के बदले आरयूबी का निर्माण; ₹ 7,11,73,520.62; **[7]; संख्या ई-डीआरएम-इंजी-आद्रा-67-25, दिनांक 14.08.2025**; आद्रा मंडल पर भागा स्टेशन पर 2 लिफ्टों का प्रावधान; ₹ 72,57,314.26। ई-निविदाओं को बंद होने की तिथि और समय 15.09.2025 को 15.00 बजे है। उपरोक्त ई-निविदाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।
(PR-529)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी तरफ से, मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **ई-निविदा सूचना संख्या: टीआरडी-एडीए-ई-निविदा-18-2025, दिनांक 14.08.2025; कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल के बोकारो स्टील सिटी में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को खड़ा करने के लिए डीएलबीके में बुनियादी ढांचे और परीक्षण सेटअप के निर्माण के लिए ओएचई संशोधन का शेष कार्य। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹1,27,95,221.00। **उपरोक्त ई-निविदा को बंद करने की तिथि और समय:** 05.09.2025 को 15.00 बजे है और **निविदा खोलने का समय:** 05.09.2025 को 15.00 बजे के बाद किया जाएगा। उपरोक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।
(PR-532)

समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षित होना जरूरी : वीरेंद्र सिंह दांगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। बिहार राज्य नागरिक परिषद के नव मनोनीत प्रदेश महासचिव वीरेंद्र सिंह दांगी का अभिनंदन एवं स्वागत समारोह अखिल भारतीय दांगी क्षत्रिय संघ नवादा की ओर से रजौली प्रखंड के शिवपुर में किया गया। अभिनंदन एवं स्वागत समारोह से पहले नव मनोनीत प्रदेश महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष, जिला महासचिव, कोषाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अभिनंदन एवं स्वागत समारोह की अध्यक्षता दांगी कमल किशोर बिंदु ने किया। अखिल भारतीय दांगी क्षत्रिय संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम लखन सिंह दांगी, महासचिव विनेश सिंह दांगी, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार दांगी, दिनेश सिंह समेत कई लोग अभिनंदन एवं स्वागत समारोह में पहुंचे।

नागरिक परिषद के प्रदेश महासचिव वीरेंद्र सिंह दांगी ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षित होना जरूरी है। समाज के लोग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने का प्रयास करें। उन्होंने शहीद जगदेव बाबू के बताए गए मार्ग पर चलने का समाज के लोगों को संकल्प दिलाया। सभी लोगों ने एक-एक कर बारी-बारी से लोगों को संबोधित किया। उन्होंने नीतीश सरकार के प्रति अपनी आस्था को रखा। अभिनंदन समारोह आयोजित करने के लिए उन्होंने लोगों को धन्यवाद दिया। मंच संचालन समाजसेवी संजय वर्मा ने किया। मौके पर जिला महामंत्री अनिल प्रसाद दांगी, डॉ बिंदेश्वर प्रसाद दांगी, पंचायत समिति सदस्य मनोज वर्मा, नवीन दांगी, दिवाकर दांगी, राकेश बिहारी, डॉ उमेश कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

चलंत प्रदर्शन वाहन को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व सहभागी बनाने की दिशा में जहानाबाद में सोमवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय ने समाहरणालय परिसर से पांच विशेष रूप से तैयार मोबाइल प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन जिले के सभी तीन विधानसभा क्षेत्रों -216 जहानाबाद, 217 घोसी और 218 मखदुमपुर में भ्रमण करेंगे।इस पहल का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वोटर वेरीफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पैट) की कार्यप्रणाली से

अवगत कराना है। इन वाहनों के जरिए मतदाता न केवल मशीनों को देख और समझ सकेंगे, बल्कि उन्हें इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी मिलेगा।

मतदाता जागरुकता : पारदर्शिता और विश्वास की दिशा में कदम

जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर मतदाता निडर होकर मतदान करे और मतदान प्रक्रिया की तकनीक पर भरोसा करे। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट पूरी तरह से सुरक्षित प्रणाली है। जब लोग स्वयं इसका प्रयोग करके देखेंगे तो उनकी शंका दूर होगी और मतदान के दिन वे आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। प्रत्येक वाहन के साथ प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति की गई है। दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है ताकि विधि-व्यवस्था बनी रहे। वाहनों को बैनर, पोस्टर से सजाया गया है। अभियान की पहुंच शहरी वार्डों से लेकर सुदूर ग्रामीण पंचायतों तक होगी। मोबाइल वाहनों के अलावा अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक स्थायी ईवीएम डेमोन्स्ट्रेशन सेंटर भी कार्यरत है। यहां कोई भी नागरिक कार्यालय समय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है और मतदान प्रक्रिया का अभ्यास कर सकता है। विधानसभा स्तर पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी गतिविधियों की निगरानी करेंगे। प्रखंड स्तर पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी निगरानी करेंगे।जिला स्तर पर समन्वय व रिपोर्टिंग की व्यवस्था निर्वाचन कार्यालय, समाहरणालय से की जाएगी।

हीरो एशिया कप 2025 की तैयारियों को लेकर राजगीर में समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक -सह - मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रण शंकरण, डीएम कुंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भारत सोनी की संयुक्त अध्यक्षता में हीरो एशिया कप 2025 के सफल आयोजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। विदित हो कि बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के तत्वाधान में राजकीय खेल अकादमी- सह- खेल परिसर, राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन दिनांक 29 अगस्त से 7 सितम्बर 2025 तक निर्धारित है , इस प्रतियोगिता

में कुल आठ देशों यथा भारत, चीन, जापान, चीन ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान एवं बांग्लादेश की टीमें भाग ले रहीं हैं। बैठक में निर्देश देते हुए कहा गया कि हीरो एशिया कप 2025 के अवसर पर नियंत्रण कक्ष, साफ सफाई, आवासन, खानपान व्यवस्था, परिवहन, यातायात व्यवस्था, विधि व्यवस्था, प्रचार प्रसार, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, लाइटिंग, दर्शकों की बैठने की व्यवस्था, यातायात रूट प्लानिंग आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह प्रतिष्ठित पुरुष हॉकी टूर्नामेंट का 12वां संस्करण बिहार में पहली बार 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक राजगीर खेल परिसर के अत्याधुनिक अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा। बिहार में हीरो एशिया कप- 2025 का आयोजन हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह न केवल राज्य की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी बिहार की वैश्विक छवि को और सुदृढ़ करेगा। बिहार में पहली बार आयोजित हीरो एशिया कप 2025 टूर्नामेंट में भारत, चीन, जापान, चीनी ताइपे, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी।

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होंगे सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। वोट चोरी के खिलाफ लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को नवादा पहुंच रहे हैं। वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए रजौली प्रखंड कांग्रेस कमेटी पूरे जोर-शोर से तैयारी में लगी है। प्रखंड अध्यक्ष राम रतन गिरी, भावी प्रत्याशी मोहन चौधरी, आरटीआई जिलाध्यक्ष कुंदन दीप, महासचिव रियाजुद्दीन यू, मनौव्वर अंसारी समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, मल्लिका अर्जुन खड़गे, बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आगमन की तैयारी को लेकर कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी तैयारी में लगे हैं। मंगलवार की सुबह रजौली से कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मंझवे गांव पहुंचेंगे और वोट चोरी के खिलाफ वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के यात्रा को सफल

डूबे किशोरों के शव पहुंचते ही गांव का माहौल हुआ गमगीन

सोमवार को पोखरा में डूबने से हुई थी किशोरों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। के कटरा प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को हुई हृदयविदारक घटना के बाद मंगलवार को पोस्टमार्टम के उपरांत पांचों किशोरों के शव गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। परिजनों की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा। गांव में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सरकारी मुआवजा देने का ऐलान किया है। अंचल अधिकारी को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत आगे की कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। वहीं सीएम नीतीश ने इस हादसे में गहरा दुख जताया है और परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने इस हादसे में मृत सभी लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अविलंब अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं।

यह घटना कटरा प्रखंड के खंगुरा बंधपुरा पंचायत के गोरधोवा पुल के पास स्थित लीची गाछी के पोखर की है। जानकारी के अनुसार सभी किशोर नहाने के लिए पानी में उतरे थे। इस दौरान एक किशोर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए अन्य साथी भी पानी में कूद गए, लेकिन सभी डूब गए। काफी देर तक जब वे घर नहीं लौटे तो ग्रामीण उन्हें खोजने पहुंचे। पोखर के किनारे उनके चप्पल मिलने पर शक हुआ। तुरंत गोताखोरों को बुलाकर सभी को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान खंगुराडीह गांव के मो. अनस (15 वर्ष) पिता मो. शहजाद, मो. हिदायतुल्ला (14 वर्ष) पिता मो. रेयाज, मो. हमजा अली (12 वर्ष) पिता मो. कल्लू उर्फ मुस्तफा, मो. रहमान (12 वर्ष) पिता मो. अफताब आलम और अब्बू तालीम (12 वर्ष) माता नर्गिस प्रवीण के रूप में हुई है। घटना के बाद से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

जिला अधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि यह बेहद दर्दनाक हादसा है। मृतकों के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग के नियम के तहत प्रति परिवार चार-चार लाख रुपये मुआवजा दिया जा रहा है। डीएम ने लोगों से अपील की कि बच्चों को बिना तैराक के नदी, तालाब या जलभराव वाले क्षेत्र में न जाने दें। सावधानी बरतकर ऐसी घटनाओं की संभावना को कम किया जा सकता है।

पत्नी की गला घोंटकर हत्या

जमुई। लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के गोटाजोर गांव में सोमवार को घरेलू विवाद के बाद एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पति संदीप कुमार तांती ने सास और ससुर के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। हत्या के बाद आरोपी पति एक साल के बेटे को लेकर फरार हो गया।

मृतका की पहचान गोटाजोर निवासी 22 वर्षीय बबीता देवी के रूप में हुई है, जिसकी शादी डेढ़ साल पहले संदीप कुमार तांती से हुई थी। पड़ोसियों ने घटना की सूचना मृतका के मायके वालों को दी। मायके वाले पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और कमरे का ताला तोड़कर अंदर गए। कमरे में पलंग पर कपड़े से ढका हुआ बबीता का शव पड़ा मिला। जब पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो उसके गले पर फंदे का गहरा निशान पाया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही बबीता को ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे और कई बार उसके साथ मारपीट भी की गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विधायकों को प्रलोभन देने का मामला

भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव की बढ़ीं मुश्किलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पिछले साल फरवरी में नीतीश सरकार के विश्वासमत के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों को प्रलोभन दिए जाने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव को सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया था मगर वह उपिस्थत नहीं हुए।

दिनभर ईओयू के अधिकारी विधायक का इंतजार करते रहे। इसके बाद ईओयू ने देर शाम विधायक मिश्रीलाल यादव को दोबारा नोटिस जारी की है। इस बार उन्हें 22 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ईओयू ने पटना में विधायक आवास पर नोटिस भेजने के साथ दरभंगा के एसपी को ई-मेल के जरिए इसकी जानकारी दी है और नोटिस तामिला कराने का निर्देश दिया है।

ईओयू अधिकारियों के अनुसार, अगर इस बार भी मिश्रीलाल यादव पूछताछ के लिए ईओयू कार्यालय नहीं आते हैं, तो फिर कोर्ट से उनके विरुद्ध वारंट की मांग की जाएगी। इस मामले में ईओयू ने जांच तेज कर दी है।

सूत्रों के अनुसार, विधायक प्रलोभन मामले में जल्द ही एक-दो और विधायकों को नोटिस दी जाएगी। इसके अलावा इस मामले में संदेह के घेरे में शामिल विधायकों के करीबियों जैसे निजी सचिव, ड्राइवर व अन्य सहयोगियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

22 अगस्त को ईओयू करेगी पूछताछ

विधायक प्रलोभन मामले में मंगलवार को कांड के मुख्य अभियुक्त इंजीनियर सुनील से दोबारा पूछताछ की जाएगी। ईओयू ने उन्हें नोटिस जारी कर 19 अगस्त को तलब किया है। इंजीनियर सुनील से इस मामले में इसी साल जून में पूछताछ की गई थी।

इसके अलावा पिछले माह पूर्व विधायक बीमा भारती से भी पूछताछ हो चुकी है। एडव सूत्रों के अनुसार, इस पूछताछ में कई नई जानकारियां सामने आई हैं। इसमें पैसे के लेन-देन एवं अन्य प्रलोभन की जानकारी भी मिली है। ऐसे में दोबारा इंजीनियर सुनील से पूछताछ की जा रही है।

पार्टी कर रहे दोस्त आपस में ही उलझे, एक जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के ड्योढ़ी के समीप पार्टी कर रहे चार युवकों में आपसी झगड़े के दौरान तीन दोस्तों ने मिलकर एक दोस्त को बुरी तरह घायल कर दिया।

परिजनों को घायल युवक के बारे में सूचना मिलते ही वे इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। अनुमंडलीय अस्पताल में ड्यूटी पर रहे चिकित्सक ने बताया कि घायल युवक की पहचान ड्योढ़ी निवासी विनोद पासवान के पुत्र राहुल कुमार के रूप में हुई है।

घायल युवक के सिर में कई जगहों पर नुकीले हथियार से हमला के कारण कई जगहों पर गहरे जख्म है। घायल युवक का इलाज कर बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया।

नवादा सदर अस्पताल से घायल युवक को बेहतर इलाज हेतु पटना रेफर कर दिया गया है।

घायल युवक की मां किरण देवी, जो जोगियामारण गांव स्थित विद्यालय में शिक्षिका की पद पर तैनात हैं, उन्होंने बताया कि उनका छोटा बेटा ड्योढ़ी स्थित मैरेज हॉल के समीप दुकान किए हुए है। उसका बड़ा भाई कौशल कुमार 9:48 मिनट में दुकान से घर आया।

वह घर पर रहकर राहुल कुमार के घर आने का इंतजार करने लगी। इसी बीच पड़ोस की एक वृद्ध महिला, जो शौच के लिए घर से बाहर निकली, तो एक युवक के कीचड़ में गिरा हुआ पाई एवं जब टॉर्च जलाकर देखी, तो एक नौजवान लहूलुहान स्थिति में गिरा पड़ा नजर आया।

उसने यह बात पड़ोसी महिला को बताई। जानकारी पाकर महिला शिक्षिका अपने बेटे को ही कीचड़ में लहूलुहान स्थिति में पाई। इसके बाद परिजनों के सहयोग से गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया।

उन्होंने बताया कि मेरे बेटे के कुछ दोस्त दुकान बंद करने के बाद शराब आदि के पार्टी के लिए बुलाए और जान से मारने की कोशिश की है।

घायल राहुल कुमार के बड़े भाई कौशल कुमार ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच किए जाने पर पता चला कि छोटे भाई के दोस्त रजनीश कुमार उर्फ छोटू,विकास कुमार और सचिन कुमार साथ में जाते दिखाई दिए।

उन्होंने बताया कि एकांत जगह में जाकर पहले शराब पार्टी की, फिर किसी बात पर अनबन होने पर शराब की बोतल फोड़कर सिर में कई जगहों पर घुसाने का प्रयास किया। पीड़ित परिजनों ने बताया कि घटना को लेकर थाना को जानकारी दी है।

महंत रामाकांत दास को मिली राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना हाईकोर्ट ने मालसलामी थाना क्षेत्र स्थित शाहदरा ठाकुरबाड़ी के महंत रामाकांत दास को बड़ी राहत देते हुए स्थानीय पुलिस को निर्देश दिया है कि महंत को ठाकुरबाड़ी में प्रतिदिन पूजा-पाठ और भोग-राग करने के लिए सुरक्षा दी जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति या समिति उन्हें धार्मिक कार्यों से न रोके।

न्यायाधीश डॉ. अंशुमान की एकलपीठ ने महंत की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए उक्त आदेश दिया। वरीय अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव ने कोर्ट को बताया कि ठाकुरबाड़ी निजी है और उनके मुवक्किल के पूर्वजों ने सौ वर्ष पूर्व भगवान राधाकृष्ण और बलवीर की मूर्तियां स्थापित की थीं। 1913 के खतियान में भी यह ठाकुरबाड़ी उनके पूर्वजों के कब्जे में दर्ज है।

पीढ़ी दर पीढ़ी पूजा-पाठ होता आ रहा है। दलील दी गई कि कुछ अराजक तत्वों ने जमीन पर कब्जे की नीयत से गलत रिपोर्ट दर्ज कराकर ठाकुरबाड़ी को 2020 में बिहार हिंदू धार्मिक न्यास परिषद में सार्वजनिक न्यास के रूप में दर्ज करा दिया। परिषद ने 2022 में एक वर्ष के लिए अस्थायी समिति बनाई, जिसकी अवधि जुलाई 2023 में समाप्त हो गई। इसके बावजूद समिति महंत को पूजा-पाठ से रोकने लगी। इतना ही नहीं, परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष ने समिति को स्थायी कर दिया और मंदिर का नाम बदलकर राम जानकी मंदिर कर दिया। हाईकोर्ट ने परिषद की इस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए आदेश पर रोक लगा दी और समिति के सभी सदस्यों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। परिषद से भी विस्तृत प्रत्युत्तर मांगा गया है। मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद होगी।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

समस्तीपुर। वारिसनगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर वार्ड संख्या 12 में सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव के पलटू राम की पत्नी सीमा कुमारी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वारिसनगर थानाध्यक्ष सर्वेश कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान महिला का शव घर से बरामद किया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं, महिला का पति पलटू राम मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पलटू राम शराब का आदी था और कई बार मारपीट भी करता था। सोमवार की सुबह सीमा कुमारी का शव घर में पड़ा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी।थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का। मृतका के एक 9 वर्षीय पुत्र और 12 वर्षीय पुत्री हैं। माता-पिता के निधन के बाद उसका एकमात्र भाई ही है, जो प्रदेश में रहकर काम करता है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष से आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उर्वरक के लिए दर-दर भटक रहे किसान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। धान की रोपनी का काम जिले में समाप्त हो गया है। ऐसे में खेतों में हरियाली को लेकर किसान उर्वरक की खरीदारी कर रहे है। इसके लिए आवश्यक डीएपी और यूरिया उर्वरक की कमी पैदा दुकानदारों द्वारा जिले में कर दिया गया है। किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक नहीं मिल रहा है। डीएपी 1350 रुपये के जगह बाजार में 18 सौ रुपये किसानों के मिल रहा है। प्रति बोरा पर किसानों से दुकानदार साढ़े चार सौ रुपये मुनाफा ले रहा है। वहीं यूरिया 266 रुपये के जगह किसानों को 330 से 350 रुपये प्रति बोरा मिल रहा है। कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उर्वरक की उपलब्धता बता किसी तरह की कमी नहीं होने की बात कह किसानों के जख्म पर नमक छिड़क रह रहे है। आए दिन किसान एक-दो बोरा उर्वरक के लिए परेशान हो रहे है।

किसानों की मानें तो उर्वरक विक्रेता डीएपी व यूरिया नहीं होने का पहले बहाना बनाते है। उसके बाद किसानों के अधिक मूल्य देते है। इससे प्रखंड कृषि पदाधिकारियों से लेकर थोक और बफर स्टाकिस्ट की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। स्टाक में डीएपी और यूरिया प्राप्त मात्रा में है। जिला कृषि विभाग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार स्टाक उर्वरक की कमी नहीं है। इसके बाद भी किसानों के अधिक दाम देकर उर्वरक के खरीदारी करना पड़ रहा है।

मानपुर प्रखंड बीजू बिगहा के किसान सरिता देवी ने कहा कि दुकान में यूरिया 266 रुपये जगह 350 रुपये खरीदे है। निर्धारित दर यूरिया दुकानदार नहीं देता है। पर्ची मांगने पर दुकानदार आनाकानी करता है। साथ ही उर्वरक नहीं देने का भी बात करता है। वहीं अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव के किसान रजनीश कुमार का कहना है कि दुकानदार द्वारा यूरिया 330 से लेकर 350 रुपये मूल्य पर दिया जाता है।

पशुओं में बढ़ रहे लम्पी रोग से पशुपालकों में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। प्रखंड क्षेत्र में पशुओं के लिए लम्पी चर्म रोग (एलएसडी) एक समस्या बनकर उभरा है। यह बीमारी गांव-गांव में तेजी से फैल रही है। जिससे पशु संक्रमित हो रहे हैं। संक्रमित पशुओं के शरीर पर सूजन, गांठ व घाव हो रहे हैं, जिससे उनकी स्थिति गंभीर होती जा रही है।

बीमारी के कारण दूध उत्पादन प्रभावित होने की संभावना बढ़ती जा रही है। पशुपालक इलाज के लिए कभी अंग्रेजी तो कभी होम्योपैथिक चिकित्सकों के पास भटकते नजर आ रहे हैं।

बिहिया नगर स्थित पॉपुलर होमियो हॉल के संचालक डॉ. अब्दुल्ला ने बताया कि प्रतिदिन दर्जनों पशुपालक विभिन्न गांवों से दवा लेने आ रहे हैं। कुछ पशु पहले से ही लम्पी की चपेट में आ चुके हैं, जबकि कुछ लोग इससे बचाव के लिए दवा ले रहे हैं।

पशुपालक बिंदा सिंह ने बताया कि बीमार पशु न तो चारा खा पा रहे हैं और न ही पानी पी पा रहे हैं। पूरे शरीर पर गांठ जैसी चीज निकल रही है। समय पर दवा नहीं मिलने पर गांठ फट भी जा रही है। पशु कमजोर होकर कई दिनों तक जमीन पर बैठे रह रहे हैं और फिर उठने में परेशानी हो रही है।

थोड़ी सी भी लापरवाही हुई तो पशु की मौत भी संभव है। बताया जाता है कि यह बीमारी मच्छर, मक्खी और कीड़ों से फैलती है और एक पशु से दूसरे पशु में संक्रमण तेजी से फैलता है।

बिहिया शहर स्थित सरकारी पशु अस्पताल के कर्मी राजू कुमार ने बताया कि इस बीमारी से बचाव के लिए प्रखंड क्षेत्र में टीकाकरण अभियान चल रहा है। लेकिन टीका उन्हीं पशुओं को लगाया जा रहा है जिनके कान में पहले से टैग लगा है। इसके अलावा गर्भवती मादा पशुओं को टीका नहीं लगाना है। जो पशु पहले से संक्रमित हो चुके हैं उन्हें भी टीका नहीं लगाना है।

15 दिनों में 41 लड़की और 64 लड़कों को पुलिस ने कराया मुक्त

50 मानव तस्करों को भी किया गया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार मानव तस्करी, अनैतिक देह व्यापार, ऑर्केस्ट्रा या थियेटर ग्रुप समेत ऐसे अन्य स्थानों में फंसे 112 नाबालिग लड़के या लड़कियों को मुक्त कराया गया है। बिहार में 31 जुलाई से 14 अगस्त तक विशेष अभियान ऑपरेशन नया सवेरा चलाया गया। इस दौरान मुक्त कराए गए 112 पीड़ितों में 41 नाबालिग लड़कियों, सात महिलाओं और 64 नाबालिग लड़कें शामिल हैं। इस दौरान 28 पुरुष और 22 महिला समेत 50 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी एडीजी (कमजोर वर्ग) अमित कुमार जैन ने दी।

पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित इस प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि इस दौरान 24 एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें 217 नाबालिग लड़कियों, 77 महिलाओं और 722 नाबालिग लड़कों समेत कुल 1016 पीड़ितों को शोषण से मुक्त कराया गया है।

इस दौरान 250 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 197 पुरुष और 53 महिलाएं शामिल हैं। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामले दर्ज कराकर जेल भेजा गया है।

एडीजी (कमजोर वर्ग) अमित कुमार जैन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानव व्यापार निरोध दिवस 30 जुलाई के अवसर पर यह विशेष अभियान शुरू करके मानव व्यापार, बाल श्रम, अनैतिक देह व्यापार और ऑर्केस्ट्रा या थियेटर से पीड़ितों को मुक्त कराया गया है।

इनके पुनर्वास के लिए यह अभियान चलाया गया है। इसके तहत पटना जिले से दो, किशनगंज से सात, पूर्णिया से तीन, रोहतास से तीन, मधुबनी से एक और अररिया से तीन समेत कुल 19 ऑर्केस्ट्रा या थियेटर ग्रुप तथा मानव व्यापार के मामले में सारण जिला से 29 और बेतिया से एक यानी कुल 30 को मुक्त कराया गया है।

इसके साथ ही बाल श्रम मामले में पटना से 23, सीतामढ़ी से 21, वैशाली से चार, कटिहार से तीन, बगहा से एक, मधुबनी से तीन, नरकटियागंज रेलवे स्टेशन से दो और सासाराम रेलवे स्टेशन से छह यानी कुल 63 को बाल श्रम के चंगुल से मुक्त कराया गया है। मुक्त कराए गए पीड़ितों में नेपाल के तीन, पश्चिम बंगाल के 13, उत्तरप्रदेश के 4, उड़ीसा एवं झारखंड के 1-1 पीड़ित शामिल हैं।

चुनाव से पहले इन 11 कअर अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी, सात को अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया

ऑपरेशन नया सवेरा के अंतर्गत बेहतरीन कार्य करने के लिए सारण जिला को पहला और पटना को दूसरा पुरस्कार मिला है। वर्ष 2021 में सीआईडी के कमजोर वर्ग में परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। तब से 17 अगस्त 2025 तक पारिवारिक विवाद से संबंधित 157 आवेदन इस प्रकोष्ठ को प्राप्त हुए हैं।

इसमें 142 मामलों का निपटारा कर दिया गया है। इनमें 56 मामलों में आपसी समझौते के जरिए पारिवारिक विवाद का निपटारा कराया गया है। कमजोर वर्ग के स्तर से उभयलिंगी महिलाओं (ट्रांस वुमेन) के साथ होने वाले भेदभाव के समाधान के लिए हेल्पडेस्क बनाया गया है।

इनके मामलों का निपटारा कर उनकी थाना स्तर तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए 855 थानों में पहले से स्थापित महिला हेल्पलाइन को ट्रांस वुमेन हेल्पडेस्क का कार्य करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इनके मामलों का निपटारा करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है।

26 प्रधानाध्यापकों पर बीईओ ने कसा शिकंजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। स्थानीय प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर छात्र-छात्राओं की 75 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही बरतने के आरोप में 26 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से प्रखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने स्पष्टीकरण मांगा है।

साथ ही, इन सभी प्रधानाध्यापकों का वेतन भी अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया है। बीईओ ने अपने पत्र में कहा है कि बार-बार सूचना देने के बावजूद इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा कार्य में शिथिलता बरती जा रही है।

26 में से 20 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने अभी तक इस कार्य को शुरू भी नहीं किया है। उपस्थिति दर्ज करने में सबसे अधिक लापरवाही मध्य विद्यालय बराढही में देखी गई, जहां 158 में से केवल 91 बच्चों का उपस्थिति विवरण दर्ज किया गया है।

बीईओ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कार्य में सुधार नहीं हुआ और स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले ने प्रखंड के शिक्षा तंत्र में लापरवाही का मुद्दा एक बार फिर उजागर कर दिया है। स्थानीय अभिभावकों और शिक्षा समितियों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही मांग की है कि स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता और नियमितता सुनिश्चित करने के लिए और सख्त कदम उठाए जाएं।

महिला की गोली मारकर हत्या, दहशत का माहौल

शराब के पैसे के लेनदेन को ले पूर्व में हुआ था विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के कल्याण विगहा थाना क्षेत्र के बड़ी आमर गांव में बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक महिला की हत्या कर दी। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतका की पहचान बड़ी आमर गांव निवासी मेघन मांझी की पत्नी संजू देवी (45) के रूप में हुई है।

मृतका के भतीजे मनोज मांझी ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके चाचा ने चंडी थाना क्षेत्र के मोकिमपुर गांव के बदमाशों के साथ शराब पी थी। करीब 200-300 रुपये का लेन-देन होने के कारण विवाद खड़ा हो गया। उसी बात को लेकर रविवार को तीन-चार की संख्या में बदमाश उनके घर पर आ धमके।

मनोज के अनुसार, बदमाश घर की एक लड़की को जबरन पकड़कर ले जाने की कोशिश करने लगे। जब परिवार वालों ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली संजू देवी के सीने में लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। अचानक हुई गोलीबारी से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही कल्याण विगहा और हरनौत थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। कल्याण विगहा थानाध्यक्ष सुषमा कुमारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में मोकिमपुर गांव के बदमाशों की संलिप्तता सामने आई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में छापेमारी तेज कर दी है। संजू देवी की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके पांच बेटे और तीन बेटियां हैं, जो अब अपनी मां के साए से वंचित हो गए। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

विधायक के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा

गांववालों ने लगाया वोट बहिष्कार का बैनर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोट अधिकार यात्रा' के दूसरे दिन सोमवार को रफीगंज के विधायक मोहम्मद नेहालुद्दीन को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने ₹रोड नहीं तो वोट नहीं₹ के नारे लगाए और विरोध जताया।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस्माइलपुर-गया पथ से गोरडीहा के पास निकली चकलदह-कुंवर बिगहा सड़क आज भी कच्ची है। विधायक द्वारा इसके पक्कीकरण का आश्वासन देने के बावजूद अब तक कोई काम शुरू नहीं हुआ। इसी को लेकर ग्रामीणों ने यात्रा के दौरान सड़क के शुरूआती बिंदु पर ₹रोड नहीं तो वोट नहीं₹ का बैनर लगाया, जो चर्चा का विषय बना रहा।

करीब दो किलोमीटर लंबी यह सड़क बरसात के दिनों में पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे लोगों का आवागमन रुक जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक और अधिकारियों को बार-बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायत दी गई, लेकिन केवल आश्वासन मिला, समाधान नहीं।

'वोट अधिकार यात्रा' जब सड़क के पास से गुजरी तो ग्रामीणों ने विधायक मोहम्मद नेहालुद्दीन के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर मौजूद लोगों के बीच वोट बहिष्कार का बैनर और ग्रामीणों का विरोध चर्चा का विषय बना रहा।

अंधाधुंध फायरिंग मामले में सात के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

हथियार और बाइक के साथ चार धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के गोसैसिया गांव के लाल बहादुर यादव पर झरही नदी किनारे धोबहा घाट पर हुई अंधाधुंध फायरिंग मामले में पुलिस ने घायल के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एफआईआर में सात लोगों को नामजद किया गया है। इनमें से चार आरोपियों को पुलिस ने हथियार और बाइक समेत गिरफ्तार कर लिया है।

घायल लाल बहादुर यादव ने बताया कि 16 अगस्त की रात करीब 8:30 बजे वह अपने घर के दरवाजे पर बैठा था। तभी गांव का नितेश मांझी और बगहवां गांव का कृष्णा राम उसके पास पहुंचे और कहा कि झरही नदी किनारे मंदिर के पास चलना है। वह उनके साथ गया, तो देखा कि झाड़ियों के पीछे पहले से ही घात लगाकर फुलवरिया थाना क्षेत्र के मदरवानी गांव के बलिंदर यादव, सुनील यादव, मीरगंज थाना क्षेत्र के नेरुई गांव के सोहेल मांझी और धीरज सिंह छिपे हुए थे।

लाल बहादुर के मुताबिक, उसे देखते ही आरोपियों ने हथियार निकालकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की बौछार के बाद सभी यह समझकर वहां से भाग गए कि वह मर चुका है। बाद में ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे अस्पताल पहुंचाया। उसने बयान में यह भी कहा है कि इस पूरी घटना का मास्टरमाइंड श्रीपुर थाना क्षेत्र के रामपुर कला निवासी वसंत सिंह है, जिसने रंजिशन इस वारदात की साजिश रची।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णा राम, नितेश मांझी, साहिल कुमार और धीरज सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 7.85 एमएम की पिस्टल, एक खोखा, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। चारों को जेल भेज दिया गया है।

हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि गोलीकांड में सात लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से चार को छह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि शेष तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इधर, घायल लाल बहादुर यादव का इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अभी भी उसके सीने में पांच गोलियां फंसी हुई हैं और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हर जिले में स्थापित होंगे प्रदर्शन सह बिक्री केंद्र, स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा : नीतीश मिश्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के प्रत्येक जिले में प्रदर्शन सह बिक्री केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। इन केंद्रों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना और उद्यमियों को विपणन तथा बिक्री के अवसर प्रदान करना है। उद्योग विभाग, बिहार सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि विभिन्न लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योग, नये उद्यम, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के अंतर्गत बने उत्पादों तथा एक जिला एक उत्पाद और एक प्रखंड एक उत्पाद के अंतर्गत चिन्हित वस्तुओं को

विपणन सहयोग देने के लिए समाहरणालय परिसर में प्रदर्शन सह बिक्री केंद्र का निर्माण कराया जाए। इन केंद्रों के माध्यम से इन सभी उत्पादों को राज्य, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी और स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहन मिलेगा। उद्योग विभाग के मंत्री नीतिश मिश्रा ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद पहल की देशव्यापी सफलता के बाद अब बिहार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य के प्रत्येक जिले में प्रदर्शन सह बिक्री केंद्र की स्थापना स्थानीय उद्यमिता और उत्पादों को बढ़ावा देने का अभिनव प्रयास है। यह न केवल कारीगरों और उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराएगा बल्कि बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इन केंद्रों के माध्यम से एक जिला एक उत्पाद और एक प्रखंड एक उत्पाद जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत चिन्हित वस्तुओं का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को स्थानीय उत्पादों तक सीधी पहुंच मिलेगी, वहीं उद्यमियों और कारीगरों को अपने उत्पादों के प्रचार, नामकरण और विपणन में सहयोग मिलेगा। साथ ही संबंधित जिले के उत्पादों को इन केंद्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इन प्रदर्शन सह बिक्री केंद्रों की स्थापना से बिहार के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर उद्यमिता और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अच्छा काम करने वाले पैक्सों को सहकारिता विभाग करेगा पुरस्कृत : डॉ प्रेम कुमार

5 सितम्बर तक करना होगा ऑनलाइन आवेदन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सहकारिता विभाग अच्छा काम करने वाले प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना 2025-26 के तहत पुरस्कृत करने जा रहा है। इसके लिए विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में किये गए कार्यों के आधार पर आवेदन आमंत्रित किया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू हो चुकी है और इसकी अंतिम तिथि 5 सितम्बर तय की गई है। सभी पैक्स ई-सहकारी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। सहकारिता विभाग के मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन योजना से लाभान्वित होने वाले पैक्सों की न सिर्फ कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पहल पैक्सों

को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित करेगी जिसका सीधा लाभ किसानों और स्थानीय ग्रामीणों को मिलेगा। विभाग का यह कदम पैक्सों को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और पैक्सों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा जिसका फायदा किसानों तक पहुंचेगा। योजना के तहत प्रत्येक जिले के तीन पैक्सों और राज्य स्तर पर तीन पैक्सों को पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार चयन के मानदंडों में 31 मार्च 2025 तक के अंकेक्षण के आधार पर वित्तीय एवं प्रबंधन की स्थिति, 31 अगस्त 2025 तक अंकेक्षण कार्य पूर्ण करने की स्थिति और विभिन्न कार्यकलापों में किया गया प्रदर्शन शामिल है। इन आधारों पर प्राप्तांक तैयार किए जाएंगे। राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 15 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 10 लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार 7 लाख रुपये का होगा। वहीं जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए 5 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के लिए 3 लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार के लिए 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। सहकारिता विभाग ने स्पष्ट किया है कि राज्य के सभी पैक्स ऑनलाइन आवेदन कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्यमंत्री के औद्योगिक आर्थिक पैकेज की बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग ने की सराहना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज के हालिया घोषणा की सराहना की है। आयोग के अध्यक्ष सुरेश रुंगटा ने कहा कि राज्य सरकार का विशेष आर्थिक पैकेज बिहार के उद्योग जगत के लिए एक नई ऊर्जा लेकर आएगा। यह निर्णय निश्चित रूप से उद्यमियों को प्रोत्साहित करेगा और नए उद्योगों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। राज्य सरकार की यह पहल उद्योग एवं स्वरोजगार को नई गति प्रदान करेगी जिससे बिहार आत्मनिर्भरता की ओर एक मजबूत कदम बढ़ा सकेगा। उन्होंने कहा कि सात निश्चय-2 के अंतर्गत 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराने का

लक्ष्य पूरा करना अपने आप में ऐतिहासिक उपलब्धि है। अब अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद कुमार निराला ने कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला युवाओं को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। यह कदम बिहार को औद्योगिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान दिलाने में सहायक होगा।

प्रमोद सिंह चंद्रवंशी दूसरी बार बने भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक, बधाई देने वालों का लगा तांता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा अति पिछड़ा प्रकोष्ठ बिहार के प्रदेश संयोजक के रूप में प्रमोद सिंह चंद्रवंशी को दूसरी बार जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पुनर्नियुक्ति के बाद पूरे बिहार से शुभचिंतकों और समर्थकों का उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जयसवाल तथा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उनकी सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए यह जिम्मेदारी एक बार फिर सौंपी है। इस अवसर पर चंद्रवंशी ने नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से इस दायित्व का निर्वहन करेंगे और अति पिछड़ा

समाज को भाजपा से जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अति पिछड़ा समाज के विकास के लिए किए गए कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। इसके लिए वे 1 सितंबर से नौ प्रमंडलों में जिला प्रवास पर निकलेंगे। चंद्रवंशी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर अति पिछड़ा समाज का गौरव बढ़ाया गया है। साथ ही एनडीए सरकार ने पंचायत और नगर निकाय चुनावों में 20 प्रतिशत आरक्षण देकर इस समाज को राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। प्रदेशभर से नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी। इनमें प्रमुख रूप से पटना से जिला परिषद अध्यक्ष स्तुति गुप्ता, अरवल से बीरेंद्र सिंह चंद्रवंशी, गया से उपेंद्र सिंह, शेखपुरा से संतोष पटेल, औरंगाबाद से अभय सिंह चंद्रवंशी, जहानाबाद से दीपक कुमार गुप्ता, मुंगेर से राकेश चौरसिया, नालंदा से मुकेश मंडल, नवादा से प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, अररिया से भानु प्रताप कामत, मुजफ्फरपुर से सुबोध तुरहा, खगड़िया से सुजीत राणा, बेतिया से संतोष चौहान, कैमूर से श्रवण चौहान, मधेपुरा से निर्मल देवी, भागलपुर से बद्री मंडल, जमुई से वाल्मीकि चंद्रवंशी, रोहतास से सुमन कुमार, आरा से हरेंद्र सिंह, बक्सर से दीपक कुमार चंद्रवंशी, कटिहार से मनोज कुमार, लखीसराय से दीपक सिंह चंद्रवंशी, पूर्णिया से अमन कुमार, वैशाली से पवन ठाकुर, बेगूसराय से शत्रुघ्न प्रसाद, सुपौल से बिस्मोहन चौधरी तथा मधुबनी से अनूप मंडल समेत सैकड़ों लोग शामिल रहे। सभी ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

राज्य में शीघ्र खुलेंगे नए स्वास्थ्य उपकेंद्र : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय की अध्यक्षता में पटना के ज्ञान भवन में राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनसुलभ बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने बैठक में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने के लिए तथा राज्य के 483 प्रखंडों में एक्स-रे सेवाओं को पूर्ण क्षमता से संचालित करने पर बधाई दी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में शीघ्र ही नए स्वास्थ्य उपकेंद्र खुलेंगे। साथ ही स्वास्थ्य उपकेंद्रों की सिविल सर्जन नियमित जांच करें एवं आवश्यक दवाईयों की उपलब्धता का ख्याल रखें। स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर एएनएम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए। वहीं राज्य के स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 4000 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सी.एच.ओ.) की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार नियमित टीकाकरण को और सुदृढ़ करने की जरुरत है। राज्य में औसतन 95 प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण हो रहा है जिनमें 22 ऐसे राज्य हैं जहां औसत से भी अधिक टीकाकरण किए जा रहे हैं।

15 दिनों में मानव व्यापार में फंसे 112 पीड़ित कराए गए मुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूरे राज्य में मानव तस्करी, अनैतिक देह व्यापार, ऑर्केस्ट्रा या थियेटर ग्रुप समेत ऐसे अन्य स्थानों में फंसे 112 नाबालिग लड़के या लड़कियों को मुक्त कराया गया है। इसके लिए पूरे राज्य में 31 जुलाई से 14 अगस्त तक विशेष अभियान ऑपरेशन नया सवेरा चलाया गया। इस दौरान मुक्त कराए गए 112 पीड़ितों में 41 नाबालिग लड़कियों, 7 महिलाओं और 64 नाबालिग लड़कें शामिल हैं। इस दौरान 28 पुरुष और 22 महिला समेत 50 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी एडीजी (कमजोर वर्ग) अमित कुमार जैन ने दी। पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में आयोजित इस प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि इस दौरान 24 एफआईआर दर्ज की गई है। एडीजी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानव व्यापार निरोध दिवस (30 जुलाई) के अवसर पर यह विशेष अभियान शुरू करके मानव व्यापार, बाल श्रम, अनैतिक देह व्यापार और ऑर्केस्ट्रा या थियेटर से पीड़ितों को मुक्त कराया गया है। इनके पुनर्वास के लिए यह अभियान चलाया गया है। इसके तहत पटना जिले से 2, किशनगंज से 7, पूर्णिया से 3, रोहतास से 3, मधुबनी से 1 और अररिया से 3 समेत कुल 19 ऑर्केस्ट्रा या थियेटर ग्रुप तथा मानव व्यापार के मामले में सारण जिला से 29 और बेतिया से 1 यानी कुल 30 को मुक्त कराया गया है। इसके साथ ही बाल श्रम मामले में पटना से 23, सीतामढ़ी से 21, वैशाली से 4, कटिहार से 3, बगहा से 1, मधुबनी से 3, नरकटियागंज रेलवे स्टेशन से 2 और सासाराम रेलवे स्टेशन से 6 यानी कुल 63 को बाल श्रम के चंगुल से मुक्त कराया गया है। मुक्त कराए गए पीड़ितों में नेपाल के 3, पश्चिम बंगाल के 13, उत्तरप्रदेश के 4, उड़ीसा एवं झारखंड के 1-1 पीड़ित शामिल हैं। एडीजी अमित कुमार जैन ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से अब तक सभी जिलों में मानव व्यापार से संबंधित विभिन्न मामलों में छापेमारी की गई। इसमें पुलिस के स्तर से 329 एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें 217 नाबालिग लड़कियों, 77 महिलाओं और 722 नाबालिग लड़कों समेत कुल 1016 पीड़ितों को शोषण से मुक्त कराया गया है। इस दौरान 250 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया जिसमें 197 पुरुष और 53 महिलाएं शामिल हैं। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामले दर्ज कराकर जेल भेजा गया है।

सारण को पहला और पटना को दूसरा स्थान मिला

ऑपरेशन नया सवेरा के अंतर्गत बेहतरीन कार्य करने के लिए सारण जिला को पहला और पटना को दूसरा पुरस्कार मिला है।

पद्मश्री प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय एम्स गुवाहाटी के अध्यक्ष नामित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. बी. के. एस. संजय को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गुवाहाटी का अध्यक्ष नामित किया है। एम्स संस्थान भारत में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगी देखभाल के लिए सर्वोच्च संस्थान माने जाते हैं। भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने भारत की तृतीयक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने और इन सेवाओं को बड़े शहरों से बाहर देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। वर्तमान में देशभर में 19 एम्स कार्यरत हैं जिनमें एम्स गुवाहाटी भी सम्मिलित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ये नए एम्स संस्थान 'विकसित भारत मिशन' के आधार स्तंभ सिद्ध होंगे। एम्स गुवाहाटी की आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 26 मई 2017 को रखी गई थी। इस संस्थान की

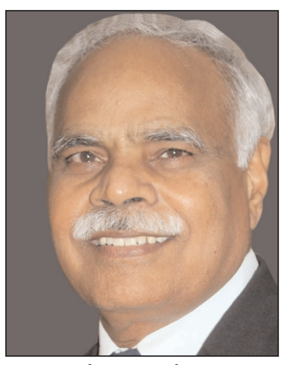

स्थापना पूर्वोत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान की उपलब्धता में क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने हेतु की गई थी। पूर्वोत्तर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास वर्तमान केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने डॉ. भूपेंद्र कुमार सिंह संजय को पूर्वोत्तर राज्यों में उत्कृष्ट रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को सशक्त बनाने हेतु अध्यक्ष पद पर नामित किया है।

हड़ताली सर्वे कर्मियों पर विभाग की सख्ती, 10,775 का लॉगिन ब्लॉक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने हड़ताल पर गये सर्वे कर्मियों पर कड़ा कदम उठाते हुए कुल 10,775 कर्मचारियों का लॉगिन ब्लॉक कर दिया है। इनमें 446 एएसओ, 656 कानूनगो, 8,759 अमीन और 914 लिपिक शामिल हैं। हड़ताली सभी कर्मियों को तत्काल संबद्ध अंचल कार्यालय में सभी सरकारी कागजात जमा करने का निर्देश दिया गया है। राजस्व मुख्यालय से सभी जिलों के अपर समाहर्ता (राजस्व) एवं बंदोबस्त अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर उपरोक्त निर्देश दिये गये। सभी जिलों के अधिकारियों से हड़ताल पर रहने वाले कर्मचारियों की अद्यतन सूची तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। मंगलवार तक ई मेल के माध्यम से कारण पृच्छा सभी हड़ताली कर्मियों को हस्तगत करा देने की कार्रवाई पूर्ण कर लेने का भी आदेश दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिलों से सूची आने के बाद हड़ताल पर न रहने वाले सर्वे कर्मियों का लॉगिन फिर से सक्रिय कर दिया जाएगा जबकि हड़ताल पर डटे कर्मचारियों के खिलाफ सेवा-मुक्ति की कार्रवाई बुधवार से शुरू की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि राजस्व महा-अभियान जैसी जनहितकारी गतिविधियां प्रभावित न हों और रैयतों की समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। राजस्व विभाग के अलावा इस महा अभियान हेतु ग्रामीण विकास विभाग, अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण विभाग तथा पंचायती राज विभाग के कर्मियों का सहयोग भी लिया जा रहा है। साथ ही अपर मुख्य सचिव द्वारा पत्र के माध्यम से शिक्षा विभाग तथा सामाजिक कल्याण विभाग से भी इस कार्य हेतु सहयोग मांगा गया है। शिक्षा विभाग के टोला सेवकों और तालीमी मरकज से सहयोग मांगा गया है ताकि वे वितरण और आवेदन प्रक्रिया में मदद कर सकें। समाज कल्याण विभाग से आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहयोगियों को जमाबंदी पंजी प्रति के वितरण में स्थानीय परिवारों में बेहतर पहचान के कारण शामिल करने का अनुरोध किया गया है। संबंधित अधिकारियों से आंगनबाड़ी सेविकाओं को नियुक्त कर जमाबंदी वितरण दल के साथ जोड़ने और समन्वय करने को कहा गया है। बताते चलें कि राजस्व महा-अभियान की शुरूआत 16 अगस्त से हुई है और 20 सितंबर तक चलने हैं। इस दौरान घर-घर में जमाबंदी पंजी की प्रति और आवेदन प्रपत्र पहुंचाया जाना है। इसी के साथ पंचायत स्तर पर दो शिविर लगाकर रैयतों का आवेदन जमा लेना है। सर्वेकर्मियों की हड़ताल को देखते हुए राजस्व विभाग ने अन्य विभागों के समरूप कर्मियों की सेवा लेने का निर्णय लेते हुए वैकल्पिक कार्ययोजना तैयार कर ली है।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम नृत्य नाद में शामिल हुई बॉलीवुड अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। नृत्य संस्थान नृत्यांगन द्वारा स्थानीय प्रेमचंद रंगशाला में आयोजित सोलहवें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री एवं प्रसिद्ध नृत्यांगना मीनाक्षी शेषाद्रि विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। साथ ही इस मौके पर पटना की मेयर सीता साहू, कर्नल राहुल शर्मा, रत्ना पुरकायस्थ, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. शालिनी सिंह, रवि राज विशिस्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर बच्चों एवं महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं जिसमें शास्त्रीय, लोक एवं आधुनिक नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों और महिलाओं के साथ मंच साझा करते हुए मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी अपनी अद्भुत नृत्य-शैली से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में संस्थान की निदेशिका मौसम शर्मा ने मीनाक्षी शेषाद्रि का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत है।

राज्य के सभी 38 जिलों के कुल 17,942 ग्रामीण पथों का कायाकल्प शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना (एमएमजीएसयूवाई) के अंतर्गत ग्रामीण पथ सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के लागू किए जाने से न केवल राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी संरचना को मजबूती मिल रही है, बल्कि इससे गांवों की तस्वीर भी तेजी से बदल रही है। अब यह योजना सिर्फ ग्रामीण सड़कों के संधारण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने और सामाजिक सशक्तिकरण का एक मजबूत आधार बन चुकी है। अब तक इस योजना के तहत राज्य के सभी 38 जिलों की कुल 17,942 ग्रामीण पथों की जिनकी लंबाई 30,627 किलोमीटर है, के पुनर्निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान मिल चुकी है। इन सड़कों से राज्य के हजारों गांवों को हर मौसम में (बारहमासी) निर्बाध संपर्क, बाजारों तक आसान पहुंच, स्कूलों और अस्पतालों तक आवागमन की सुगम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि बिहार सरकार ने राज्य में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम लागू कर रखा है। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना का एक महत्वपूर्ण अवयव है जिसे राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पिछले साल नवंबर में स्वीकृति मिल चुकी है। इसका उद्देश्य राज्य के ग्रामीण इलाकों में स्थित सड़कों का दीर्घकालिक सुदृढ़ीकरण और प्रभावी रख-रखाव करना है। ग्रामीण कार्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 17,942 स्वीकृत ग्रामीण सड़कों में से 11,985 सड़कें, जिसकी कुल लम्बाई 20,998 किलोमीटर सड़कों का कार्यारम्भ किया जा चुका है। सभी स्वीकृत सड़कों का प्रारंभिक सुधार का कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम भी लागू किया है। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सड़कों का दीर्घकालिक सुदृढ़ीकरण और प्रभावी रखरखाव करना है। इस कार्यक्रम के तहत पथों का दो बार कालीकरण किया जाएगा। ताकि उनकी सतह की मजबूती और सड़क की पर वाहनों के सुगम परिचालन लगातार बनी रहे। इस योजना का एक और अहम पहलू यह है कि सभी संवेदकों को रूरल रोड रिपेयर वाहन रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि का प्रतिक्रिया समय के अधीन समाधान किया जा सके और सड़क का उपयोग करने वालों को यात्रा के दौरान कोई असुविधा न हो। राज्य सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि हर वित्तीय वर्ष के बाद पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर हुए सड़कों का चयन कर उन्हें फिर से उन्नत किया जाएगा। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क की गुणवत्ता और स्थायित्व बनी रहे तथा इन्हें टूटने से बचाया जा सके। जिन जिलों की ग्रामीण सड़कों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है, उसमें सबसे अधिक मधुबनी और मुजफ्फरपुर की ग्रामीण सड़कें शामिल हैं। इन दोनों ही जिलों की 1001-1001 सड़कों के सुदृढ़ीकरण और प्रबंधन का कार्य जारी है जिसकी कुल लम्बाई क्रमशः 17,57.146 और 16,56.49 किलोमीटर है जबकि समस्तीपुर की 926 सड़कों की जिसकी कुल लम्बाई 1422.844 किमी है।

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाली अंजू कुमारी को होटल मौर्या ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। होटल मौर्या, पटना द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाली अंजू कुमारी को होटल मौर्या द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित होने पर अंजू कुमारी ने होटल मौर्या परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरे सफलता और इस राष्ट्रीय सम्मान के पीछे होटल मौर्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए होटल मौर्या के जनरल मैनेजर अपूर्व गौड़ ने कहा कि होटल मौर्या को अंजू कुमारी की प्रेरणादायक यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है। अंजू की यात्रा की शुरूआत होटल मौर्या और ग्रीनपीस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दूरदर्शी खाद्य कार्यक्रम से हुई जहां उन्होंने हमारे शेफ़्स के साथ मिलकर स्थानीय सामग्रियों और पारंपरिक पाककला तकनीकों पर प्रकाश डाला। उस क्षण ने स्थिरता और पाककला विरासत पर आधारित एक सार्थक साझेदारी की शुरूआत की।

अग्रसेन सेवा न्यास के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 115 लोगों की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा शक्तिधाम, बैंक रोड, पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मौके पर न्यास के अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को यह चिकित्सा शिविर आयोजित होता है। अग्रवाल ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर में कुल 115 से अधिक मरीजों ने अपनी जांच करवाई। अग्रवाल ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क चाय बिस्कुट

दिया गया। शिविर में डॉ बी के अग्रवाल द्वारा हेपेटाइटिस की जांच की गई। शिविर में इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी की जांच के लिए 20 मरीजों का खून लिया गया। मौके पर शिविर में 71 मरीजों के आंखों की जांच प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शशि मोहनका द्वारा किया गया। इनमें 12 मरीजों का मोतियाबिंद काफी बढ़ा हुआ था।

एचडीएफसी बैंक ने एएमबी को लेकर दिया स्पष्टीकरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम यह बताना चाहेंगे कि एचडीएफसी बैंक ग्राहकों की प्रोफाइल के अनुरूप कई प्रकार के बचत खाते उपलब्ध कराता है। प्रत्येक संस्करण में दी जाने वाली मूल्यवर्धित सेवाओं के आधार पर औसत मासिक शेष की अलग-अलग आवश्यकताएं होती हैं। बैंक के अनुसार नियमित बचत खाते के लिए एएमबी 10,000 रुपए और सेविंग्स मैक्स खाते के लिए एएमबी 25,000 रुपए पहले की तरह ही लागू रहेगा। किसी भी प्रकार के खाते के लिए औसत मासिक शेष (एएमबी) आवश्यकता में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। ग्राहक प्रोफाइल के आधार पर सभी प्रकार ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी, शहरी और मेट्रो शाखाओं में उपलब्ध हैं। मेट्रो क्षेत्रों में ग्राहकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बैंक मेट्रो शाखाओं में नए खाते खोलने वाले ग्राहकों को सेविंग मैक्स खाता प्रदान करने को प्राथमिकता देगा।

इनरव्हील क्लब के इंस्टालेशन में कई सामाजिक कार्यों का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इनरव्हील क्लब ऑफ पाटलिपुत्रा का 40वां इंस्टालेशन और डिस्ट्रिक्ट अध्यक्ष के विजिट का आयोजन होटल चाणक्य के उत्सव हॉल में हुआ। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट 325 की अध्यक्ष रश्मि गुप्ता विशेष रूप से शामिल हुईं और क्लब के सामाजिक कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान कई सामाजिक कार्यों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे आशियाना नगर स्थित उड्डयन वोकेशनल सेंटर से हुई जहां चल रही सिलाई क्लास की चेयरमैन ने सराहना की। इसके बाद पाटलिपुत्रा गोलंबर से नशा मुक्ति रैली निकाली गई। इसमें ऑटो रिक्शा चालकों ने भाग लिया। रैली के जरिए समाज को बीड़ी-सिगरेट और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इसी क्रम में एएन कॉलेज में क्रैडल केयर (शिशु देखभाल केंद्र) का शुभारंभ किया गया। साईं मंदिर में वाटर कूलर का उद्घाटन करते हुए अध्यक्ष रश्मि गुप्ता भावुक हो गईं और क्लब की प्रेसिडेंट व सदस्यों को इस नेक कार्य के लिए बधाई दी।

संपादकीय

चुनौतियां नई, संकल्प वही

टैरिफ से विदेशी व्यापार पर ज्यादा नहीं पड़ेगा असर भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते की बात करें, तो इसको लेकर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहां भी यही हठ पकड़े हुए हैं कि भारत कृषि और डेयरी क्षेत्र को भी व्यापार के लिए खोले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाने का फैसला द्विपक्षीय कारोबार में संतुलन बनाने के बजाय भू-राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति से प्रेरित लगता है। पहले अमेरिका ने यह तर्क देकर पच्चीस फीसद शुल्क लगाया कि भारत में उसके उत्पादों पर ज्यादा शुल्क वसूला जाता है। उसके बाद रूस से कच्चा तेल न खरीदने की धमकी दी। जब इसका कोई असर नहीं हुआ तो जुर्माने के तौर पर पच्चीस फीसद अतिरिक्त शुल्क लगाने का एलान कर दिया। ट्रंप के इस निर्णय पर भारत ने साफ कहा है कि इस तरह का शुल्क न्यायसंगत नहीं है और वह अपने राष्ट्रहित से किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा। भारत के इस रुख से स्पष्ट है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। अमेरिका भी शायद इस बात को समझ चुका है, यही वजह है कि ट्रंप ने अब भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर फिलहाल आगे नहीं बढ़ने का संकेत दिया है। ऐसे में सवाल है कि ट्रंप के शुल्क पर स्पष्ट रुख के बाद हठ और बातचीत के दरवाजे बंद कर देने से क्या सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा? डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि वे अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं। इस क्रम में उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को भी चेतावनी दी कि वे दूसरे देशों में अपनी विनिर्माण इकाइयों को वापस अमेरिका लाएं। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह नीति नियम-आधारित व्यापार प्रणाली के विपरीत है। इसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ना तय है। हालांकि, ट्रंप यह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका में इसका असर आयात कारोबारियों पर ही पड़ेगा, आम उपभोक्ताओं पर नहीं। मगर अर्थव्यवस्था के गणित की सच्चाई छिपी नहीं है। अमेरिका में एक बड़ा वर्ग भारत से निर्यात किए जाने वाले सस्ते सामान पर निर्भर है। अमेरिका ने कुछ अन्य देशों पर भी शुल्क लगाए हैं और जाहिर है कि भारत समेत इन सभी देशों की वस्तुओं के दाम अमेरिका में बढ़ेंगे, जिससे वहां महंगाई का ग्राफ भी बढ़ेगा। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते की बात करें, तो इसको लेकर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहां भी यही हठ पकड़े हुए हैं कि भारत कृषि और डेयरी क्षेत्र को भी व्यापार के लिए खोले। जबकि, भारत स्पष्ट कर चुका है कि देश के किसानों के हित के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। ट्रंप के शुल्क लगाने के फैसले को व्यापार वार्ता में भारत के इस रुख से जोड़कर भी देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति शुल्क का दबाव बनाकर भारत से अपनी मांगें मनवाने की रणनीति अपना रहे हैं। एक सवाल यह भी महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी शुल्क से निपटने के लिए भारत क्या कदम उठाएगा? व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को विदेशी व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं को एक अवसर के रूप में लेकर अन्य विदेशी बाजारों की तलाश पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि अमेरिका के साथ व्यापार नुकसान को

अप्रैल 1955 भारत को आजाद हुए आठ बरस बीच चुके थे। अंग्रेज भारत छोड़कर जा चुके थे। अब हम आजाद थे, अपने कानून बनाने के लिए, अपने तरह से जीने के लिए और आजाद हिंदुस्तान को मिलकर आगे ले जाने के लिए। अप्रैल के महीने की 18 तारीख को इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बांडुंग में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भारत समेत म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल होते हैं। इस बैठक को बांडुंग सम्मेलन कहा गया। उसी बांडुंग सम्मेलन में जब श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर जॉन कोटलेवाला ने इस ओर ध्यान दिलाया कि पोलैंड, हंगरी, बुल्गारिया और रोमानिया जैसे देश उसी तरह सोवियत संघ के उपनिवेश हैं जैसे एशिया और अफ्रीका के दूसरे उपनिवेश हैं। ये बात नेहरू जी को बहुत बुरी लगी।

आदर्शवाद से यथार्थवाद, कैसे बदली भारत की विदेश नीति?

(अभिनय आकाश)

स्वतंत्रता के दस्तावेज़ों पर स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि एक नई भू-राजनीतिक वास्तविकता शीत युद्ध के रूप में सामने आ गई। 20वीं सदी का निर्णायक वैचारिक संघर्ष वैश्विक परिदृश्य को दो विरोधी गुटों में विभाजित करते हुए नया रूप देने लगा था।

अप्रैल 1955 भारत को आजाद हुए आठ बरस बीच चुके थे। अंग्रेज भारत छोड़कर जा चुके थे। अब हम आजाद थे, अपने कानून बनाने के लिए, अपने तरह से जीने के लिए और आजाद हिंदुस्तान को मिलकर आगे ले जाने के लिए। अप्रैल के महीने की 18 तारीख को इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बांडुंग में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में भारत समेत म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इंडोनेशिया जैसे देश शामिल होते हैं। इस बैठक को बांडुंग सम्मेलन कहा गया। उसी बांडुंग सम्मेलन में जब श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री सर जॉन कोटलेवाला ने इस ओर ध्यान दिलाया कि पोलैंड, हंगरी, बुल्गारिया और रोमानिया जैसे देश उसी तरह सोवियत संघ के उपनिवेश हैं जैसे एशिया और अफ्रीका के दूसरे उपनिवेश हैं। ये बात नेहरू जी को बहुत बुरी लगी। वो उनके पास गए और आवाज ऊंची करके बोले, सर जॉन आपने ऐसा क्यों किया? अपना भाषण देने से पहले आपने उसे मुझे क्यों नहीं दिखाया? जॉन ने छूटते ही जवाब दिया कि मैं क्यों दिखाता अपना भाषण आपको? क्या आपने अपना भाषण देने से पहले मुझे दिखाते? इतना सुनते ही पंडित नेहरू क्रोध से भर उठे और छह वर्ष तक प्रधानमंत्री की सुरक्षा करने वाले पूर्व आईपीएस केएफ रूस्तमजी की मानें तो नेहरू जी ने अपना हाथ ऊपर उठा लिया था और ऐसा लगा कि जैसे वो कोटेलावाला को तमाचा न जड़ दें। लेकिन बीच में आईं इंदिरा गांधी ने पंडित नेहरू का हाथ पकड़ कर उनके कान में आहिस्ता से कहा- आप शांत हो जाइए। वहां मौजूद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चाऊ एनलाई ने अपनी टूटी-फूटी अंग्रेजी में दोनों को समझाने की कोशिश की। इस वाक्या का जिक्र करते हुए जॉन कोटलेवाला ने अपनी किताब 'एन एशियन प्राइम मिनिस्टर्स स्टोरी' में लिखा कि मैं और नेहरू हमेशा से बेहतरीन दोस्त रहे और मुझे विश्वास है कि नेहरू ने मेरी उस धृष्टता को भुला दिया होगा। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की अवधारणा शीत युद्ध की पृष्ठभूमि में इंडोनेशिया में आयोजित इसी बांडुंग सम्मेलन के दौरान रखी गई थी।

शीत युद्ध का दौड़- स्वतंत्रता के दस्तावेज़ों पर स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि एक नई भू-राजनीतिक वास्तविकता शीत युद्ध के रूप में सामने आ गई। 20वीं सदी का निर्णायक वैचारिक संघर्ष वैश्विक परिदृश्य को दो विरोधी गुटों में विभाजित करते हुए नया रूप देने लगा था*-

अमेरिका के नेतृत्व वाला पूंजीवादी गुट

सोवियत के नेतृत्व वाला कम्युनिस्ट गुट

महाद्वीपों के विभिन्न हिस्सों में सरकारें पक्ष चुन रही थीं। फिर भी भारत की प्रतिक्रिया स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी थी। निमंत्रण के लिए धन्यवाद, लेकिन हम इससे दूर रहेंगे। इस निर्णय से उस विचारधारा का जन्म हुआ जो आगे चलकर भारतीय कूटनीति यानी गुटनिरपेक्ष आंदोलन की आधारशिला बनी।

गुटनिरपेक्षता की जड़ें- गुटनिरपेक्षता के बीज आज़ादी से पहले ही बो दिए गए थे। मार्च 1947 में जवाहरलाल नेहरू ने नई दिल्ली में एशियाई संबंध सम्मेलन की मेज़बानी की। इसमें 28 एशियाई देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जो उत्तर-औपनिवेशिक एकजुटता के दृष्टिकोण से एकजुट थे। इस सम्मेलन का उद्देश्य महाद्वीपीय एकता को बढ़ावा देना और बाहरी शक्ति समूहों के दबाव का विरोध करना था। प्रधानमंत्री बनने के बाद, जवाहरलाल नेहरू ने इस नींव पर और मज़बूती से काम किया। एकता के साथ-साथ, उन्होंने एक और रणनीतिक स्तंभ तटस्थता को जोड़ा। उन्होंने

एक ऐसे एशिया की कल्पना की जो शीत युद्ध की उलझनों से दूर रहे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने इन देशों के लिये दोनों गुटों से अलग रहकर एक स्वतंत्र विदेशी नीति रखते हुए आपसी सहयोग बढ़ाने का एक मज़बूत आधार प्रदान किया। जिसकी स्थापना में भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसेफ ब्रॉज टीटो और मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर ने अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही इंडोनेशिया के अहमद सुकर्णो और घाना के प्रधानमंत्री वामे एनक्रूमा ने भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन को अपना समर्थन दिया। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन वर्ष 1961 में बेलग्रेड (यूगोस्लाविया) में आयोजित किया गया था, इस सम्मेलन में विश्व के 25 देशों ने हिस्सा लिया था। वर्तमान में विश्व के 120 देश इस समूह के सक्रिय सदस्य हैं।

आदर्शवाद – शुरू से ही, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आलोचकों ने इसे तटस्थ या यहाँ तक कि अलगाववादी भी कहा। लेकिन भारत का नेतृत्व दृढ़ रहा। वे शीत युद्ध के शतरंज के खेल में मोहरे नहीं, बल्कि खिलाड़ी बनना चाहते थे। 1950 के दशक में भारत की कूटनीति ठंडे रणनीतिक गणित के बजाय सिद्धांतों पर आधारित थी। इसने कोरियाई युद्ध के दौरान शांति स्थापित करने की कोशिश की, कम्युनिस्ट चीन की वैश्विक मान्यता की वकालत की और स्वेज संकट के दौरान मिस्र पर त्रिपक्षीय आक्रमण के खिलाफ आवाज उठाई। इन कार्यों ने भारत को नैतिक प्रतिष्ठा और न्याय की आवाज़ की छवि दिलाई। लेकिन एक कमजोरी भी व्यावहारिकता अक्सर गायब रहती थी।

1960 का दशक- 1960 का दशक तीखे सबक लेकर आया। भारत की पड़ोस नीति तब ध्वस्त हो गई जब दो पड़ोसियों 1962 में चीन और 1965 में पाकिस्तान ने हमला किया। चीन के साथ युद्ध की टीस आज तक नहीं गई है। पाकिस्तान के साथ युद्ध जीत के साथ समाप्त हुआ। लेकिन दोनों ही संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया- सिद्धांत प्रशंसा तो अर्जित कर सकते हैं, लेकिन सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। आर्थिक रूप से देश अभी भी औपनिवेशिक क्षति के बोझ तले संघर्ष कर रहा था। अर्थव्यवस्था का औद्योगीकरण समाप्त हो चुका था, कृषि की हालत खराब थी और देश सालाना 10-11 मिलियन टन गेहूँ के आयात पर निर्भर था। 1955 और 1965 के बीच भारत विदेशी सहायता पर अपनी निर्भरता के चरम पर पहुँच गया। स्वास्थ्य कार्यक्रमों, ग्रामीण शिक्षा और परिवार नियोजन के लिए लाखों डॉलर देश में प्रवाहित हुए। इस निर्भरता ने गुटनिरपेक्ष रुख को कमजोर कर दिया। वियतनाम युद्ध के दौरान, भारत ने अमेरिकी कार्रवाइयों की आलोचना की, लेकिन उसे अभी भी अमेरिकी सहायता की आवश्यकता थी। वाशिंगटन ने इसका लाभ उठाया और नई दिल्ली पर अपने विरोध को कम करने का दबाव डाला। इस दशक ने भारतीय कूटनीति को एक असहज सच्चाई का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया- केवल आदर्श ही विदेश नीति को संचालित नहीं कर सकते।

1970 में हुई यथार्थवाद की एंट्री- 1970 का दशक यथार्थवाद की ओर एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक था। घरेलू स्तर पर, हरित क्रांति ने कृषि को पूरी तरह बदल दिया। दशक के अंत तक, भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर हो गया, जिससे विदेशी खाद्य सहायता पर निर्भरता का युग समाप्त हो गया। कूटनीतिक मोर्चे पर 1971 में सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि पर हस्ताक्षर के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। यह केवल एक प्रतीकात्मक संकेत नहीं था। यह भू-राजनीतिक उथल-पुथल के प्रति एक सोची-समझी प्रतिक्रिया थी। अमेरिका चीन के करीब आ रहा था और पूर्वी पाकिस्तान में जातीय बंगालियों पर पाकिस्तान की कार्रवाई ने भारत में शरणार्थियों की भारी आमद को बढ़ावा दिया था। तटस्थता अब इन संकटों का समाधान नहीं कर सकती थी और यथार्थवाद ही आगे बढ़ने का व्यावहारिक रास्ता था। सोवियत गठबंधन रंग लाया। 1971 के युद्ध में, इसने रणनीतिक समर्थन प्रदान किया जिससे भारत को जीत हासिल करने और बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिली। पूरे दशक में, भारत-सोवियत संबंध प्रगाढ़ हुए व्यापार 1973 के 46 करोड़ डॉलर से लगभग दोगुना होकर 1975 में 83 करोड़ डॉलर हो गया, हथियारों की बिक्री का विस्तार हुआ और 1975 में सोवियत रॉकेट से भारत के पहले उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ सहयोग अंतरिक्ष अन्वेषण तक पहुँच गया।

2010 के दशक ने साबित कर दिया कि भारत वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकता है। इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात, जापान, दक्षिण कोरिया, उज़्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान सहित 14 देशों के साथ रणनीतिक साझेदारियाँ की गईं। इसी दौरान, चीन के साथ प्रतिद्वंद्विता और गहरी हुई। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में, चीन ने क्षेत्रीय प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप 2017 में डोकलाम गतिरोध हुआ, जहाँ भारतीय और चीनी सैनिक 70 दिनों से ज़्यादा समय तक आमने-सामने रहे। आज, भारत की विदेश नीति का दृष्टिकोण विश्वबंधु बनने का है - सभी का मित्र। देश गुटनिरपेक्षता से बहु-गठबंधन की ओर अग्रसर हो गया है। यह अमेरिका के साथ क्वाड में भाग लेता है, चीन के साथ ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य बना हुआ है, जी-7 शिखर सम्मेलनों में भाग लेता है और ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करता है। भारत ईरान में बंदरगाह बना सकता है, इज़राइल से हथियार खरीद सकता है, रूस से युद्धपोत हासिल कर सकता है और फिर भी शांति का आह्वान करने के लिए यूक्रेन का दौरा कर सकता है। यह नया दृष्टिकोण - हर कमरे में रहें, लेकिन अपने कोने में रहें - पिछले दशकों की तुलना में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

आदर्शवाद और यथार्थवाद का सही संतुलन- अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अक्सर आदर्शवाद एवं यथार्थवाद के बीच एक राह के चयन की दुविधा होती है। आदर्शवाद वस्तुत- नैतिक मूल्यों एवं नीतिपरक सिद्धांतों वाली राह है। आदर्शवाद में विश्वास करने वाले देश इसी राह पर चलकर वैश्विक शांति एवं समृद्धि के लिए मिल जुलकर काम करते हैं। दूसरी ओर, यथार्थवाद सिद्धांत से अधिक व्यावहारिक पक्ष पर जोर देता है। इसमें राष्ट्रीय हित, शक्ति संतुलन और अस्तित्व बचाने जैसे पहलू देशों के कार्य-व्यवहार को निर्धारित करते हैं। इस बदलाव के पीछे एक अहम कारक विदेशी निर्भरता में कमी है। 20वीं सदी में, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति आर्थिक कमज़ोरियों से बाधित थी। आज, स्थिति उलट है। भारत अब विदेशी सहायता पर निर्भर नहीं है; बल्कि, यह एक वैश्विक दाता है। 2000 से, इसने 65 देशों को 48 अरब डॉलर से ज़्यादा की सहायता प्रदान की है। कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने 160 देशों को टीके भेजकर 'दुनिया की फार्मेसी' की भूमिका निभाई। अपने पड़ोस में, भूकंप से लेकर सुनामी और समुद्री डाकुओं के हमलों तक, आपदाओं में यह सबसे पहले मदद करने वाला देश है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार है)।

मनुष्य और पशु-पक्षियां दोस्त या दुश्मन?

(अक्षय शुक्ला)

मनुष्य और पशु-पक्षियों के बीच द्वंद्व से जुड़े दो मामले इन दिनों सुर्खियों में हैं। एक स्ट्रे डॉग्स को लेकर तो दूसरा कबूतरों से जुड़ा। आवारा कुत्तों के आक्रामक होने की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा निर्देश दिया है कि दिल्ली एनसीआर में एक भी कुत्ता सड़क पर न दिखे, आठ हफ्तों में इन्हें शेल्टर होम शिफ्ट करें। रैबीज़ से कई लोगों की मौत को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने कहा कि बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए ऐसा करना ज़रूरी है।

उधर, मुंबई में बीएमसी ने ट्रैफिक और स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दादर के कबूतरखाने में दाना डालने पर रोक लगा दी। बीएमसी ने उस जगह बड़ी सी तिरपाल लगाकर ढक दिया, जहां दशकों से लोग कबूतरों को दाना डाल रहे थे। बीएमसी का तर्क है कि कबूतरों के उड़ने से ट्रैफिक बाधित होता है और स्वास्थ्य को भी खतरा है। कई लोग इसके समर्थन में आ गए और मांग की कि कबूतरखाने को आबादी से कहीं दूर शिफ्ट कर दिया जाए। लेकिन रोक के विरोध में एक वर्ग बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया, जिसने एक्सपर्ट कमिटी को मामला सौंप दिया, जो सेहत पर असर का आकलन करेगी। डॉक्टरों के मुताबिक कबूतर की बीट से घातक बैक्टिरिया सांसों के ज़रिए इंसानों के फेफड़ों तक पहुंच उसे और दिमाग पर बुरा असर डालते हैं।

दोनों ही मामलों में समाज दो वर्गों में बंट गया है। स्ट्रे डॉग्स को शिफ्ट करने के आदेश को एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट अव्यावहारिक बता रहे। उनका कहना है, दिल्ली एनसीआर में लाखों स्ट्रे डॉग्स हैं, जिनका कोई डेटा भी नहीं, इतनी जल्दी शेल्टर होम के लिए जगह तय कर उनका निर्माण आसान नहीं, देखभाल के लिए हज़ारों कर्मचारियों की ज़रूरत होगी, साथ ही खाने व टीके पर करोड़ों रुपये का इंतज़ाम कैसे होगा? उधर, स्ट्रे डॉग्स की आक्रामकता से परेशान और उनके काटने से जान गंवाने वालों के परिजन फैसले से खुश हैं। उन्हें लग रहा है कि अब सड़कों से सारे कुत्ते हट जाएंगे, लेकिन यह सब इतना आसान भी नहीं।

फिलहाल मामला बड़ी बेंच में है, जो इसमें अंतिम फैसला लेगी। लेकिन दोनों ही पक्षों को समझना होगा कि इस मसले के समाधान के लिए सड़क पर भिड़ने से कुछ नहीं होगा। एक पक्ष बोल रहा है कि कुत्तों की इतनी चिंता है तो अपने घर ले जाएं तो दूसरा कह रहा कि काट लिया तो क्या हुआ साबुन से धो लो रैबीज नहीं होगी। ऐसे संवेदनहीन बयानों से बात ही बिगड़ेगी। सबसे पहले तो यह मानना होगा कि समस्या वाकई है, जिसकी गवाही ये आंकड़े ही दे देते हैं। देश में हर रोज़ डॉग बाइट के 10 हज़ार से अधिक मामले आते हैं। 2024 में 37 लाख से अधिक डॉग बाइट के मामले दर्ज हुए थे, जिनमें 5 लाख से अधिक पीड़ित 15 साल से कम उम्र के थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक रैबीज़ से भारत में सबसे ज्यादा मौतें होती हैं।

एक्टिविस्ट 2023 के एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल की याद दिला रहे हैं, जो कहता है कि नसबंदी और रैबीज़ का टीका लगाने के बाद कुत्तों को वहीं छोड़ना होगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। लेकिन इस नियम में भी तर्क की गुंजाइश है कि आखिर हम इन्हें सड़क पर ही क्यों देखना चाहते हैं, जहां वे कठिन परिस्थितियों में रहते हुए किसी तरह खाना जुटाते हैं। उन्हें अच्छा आशियाना मिले और इज्जत की ज़िंदगी तो क्या परेशानी है।

पश्चिमी देशों को देख लें, जहां कुत्ते सड़कों पर नहीं दिखते क्योंकि नसबंदी व टीकाकरण के बाद उन्हें शेल्टर होम में रखने का नियम है। अगर किसी को पालने के लिए डॉग खरीदना है तो शेल्टर होम से ही मिलेगा। अब यह बात अलग है कि हमारे यहां सब विदेशी नस्ल के डॉग ही पालना चाहते हैं, तो बेचारे देसी कुत्तों को घर कैसे नसीब होगा। विदेश में तो पालतू कुत्ते को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुर्माना भी है। हमारे यहां तो काम के या दुधारू पशु जैसे ही किसी काम के नहीं बचते, उन्हें तुरंत उनके हाल पर सड़कों पर छोड़ दिया जाता है। सड़कों पर विचरते गाय और सांड इसी की सज़ा भुगत रहे हैं। इतनी गोशालाएं बनाने के बावजूद ये खुले में कैसे घूम रहे। यही समस्या तो हज़ारों नए डॉग शेल्टर बनाने के बाद भी आ सकती है।

सवाल कई हैं, लेकिन फिलहाल ज़िम्मेदारी सिर्फ सिविक एजेंसियों की है, जिन्होंने अपना फर्ज़ ठीक से निभाया होता तो आज मामले के इतना तूल पकड़ने की नौबत ही नहीं आती। और बरसों से साथ रह रहे, इंसान के सबसे अच्छे मित्र माने जाने वाले कुत्तों और मनुष्यों के बीच यह सवाल ही नहीं खड़ा होता कि ये हमारे दोस्त हैं या दुश्मन? ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

सड़क के कुत्तों को डॉग शेल्टर होम में रखने के सुप्रीम आदेश के व्यवहारिक मायने दिलचस्प

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं।

(कमलेश पांडे)

दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वत- संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गत सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों से सड़क के कुत्तों को पकड़ने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का निर्देश दिया है, उसके व्यवहारिक मायने दिलचस्प हैं, जबकि कतिपय नेताओं व पशु प्रेमियों ने इस सुप्रीम आदेश की सड़क छाप मुखालफत शुरू कर दी है। देखा जाए तो यह प्रेम या घृणा का मामला नहीं है, बल्कि वह सामाजिक न्यायिक पहल है जिससे सबका लोकतंत्र सुनिश्चित होता है। खासकर उन बच्चों-बुजुर्गों का जिन्हें इनसे सर्वाधिक खतरा रहता है। इसी भय से कई बार वे अकेले पार्क या पड़ोस में जाने से घबराते हैं।

दरअसल, कोर्ट ने ऐसा आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के खतरे के बढ़ने के मद्देनजर स्वत- संज्ञान लेते हुए उक्त आदेश दिया है। इसलिए वह आलोचना नहीं बल्कि बधाई का पात्र हैं। इससे मीडिया रिपोर्ट्स की गंभीरता और प्रासंगिकता भी परिपुष्ट हुई है। मेरी व्यक्तिगत राय है कि इसका दायरा बढ़ाकर इसमें बंदरों और उन जानलेवा आवारा जानवरों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

सच कहूं तो सभ्य समाज के लिए खतरा बनते जा रहे स्ट्रीट क्रिमिनल्स और स्ट्रीट बायस्ड पॉलिटिकल एक्टिविस्ट, जिनकी लोकल थानों व पुलिस चौकियों से सांठगांठ होती है, यदि इन जैसों के खिलाफ भी ऐसा ही सुप्रीम आदेश निर्गत हो जाए तो सभ्य समाज का भला हो जाएगा। क्योंकि कोई भी लोकतंत्र उन असभ्य लोगों को आजादी का अधिकार नहीं दे सकता, जो कि समाज के अन्य वर्गों के लिए खतरा बनते जा रहे हों। संभव है कि भविष्य में न्यायालय इन विडंबना भरे सामाजिक स्थितियों पर भी गौर करेगा और बेलगाम राजनीतिक व प्रशासनिक हुक्मरानों को समाज के प्रति उसी तरह से संवेदनशील बनाएगा, जैसा कि उसके ताजा निर्णयों से महसूस किया जाता है।

बताते चलें कि अपने आदेश में कोर्ट ने साफ कहा है कि सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को अगले 6-8 हफ्तों में शेल्टर रूम की शुरुआत करनी होगी, क्योंकि यहां स्थिति बेहद गंभीर है। लिहाजा, कुत्तों के काटने की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन को तुरंत एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है। लगे हाथ कोर्ट ने पशु प्रेमियों को यह दो टूक चेतावनी भी दे दी है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाकई, कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि किसी भी कीमत पर शिशु और छोटे बच्चे रेबीज के शिकार नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने स्पष्ट कहा है कि इस कार्रवाई से लोगों में यह भरोसा पैदा होना चाहिए कि वे बिना डर के स्वतंत्र रूप से घूम सकें, बिना इस भय के कि कोई सड़क का कुत्ता उन्हें काट लेगा। इस प्रकार देखा जाए तो कोर्ट के फैसले की कुछ अन्य अहम बातें इस प्रकार हैं-

पहला, कोर्ट ने सड़क के कुत्तों को गोद लेने की दलील खारिज करते हुए स्पष्ट कहा है कि सड़क के कुत्ते अचानक पालतू नहीं बन सकते। इसलिए इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती है। दूसरा, मानव जीवन और सुरक्षा सबसे पहले है। इसलिए तुरंत कदम उठाए जाने चाहिए। तीसरा, रोजाना पकड़े गए और शेल्टर में रखे गए कुत्तों का रेकॉर्ड बनाएं। चतुर्थ, एक सप्ताह के भीतर हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि कुत्ता-काटने के मामलों की रिपोर्ट हो सके।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से पूछा है कि, क्या एनिमल एक्टिविस्ट और कथित पशु प्रेमी उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। बता दें कि कोर्ट ने गत 28 जुलाई को स्वत- संज्ञान लेते हुए यह मामला उठाया था, जब एक रिपोर्ट में दिल्ली-एनसीआर में रेबीज के बढ़ते मामलों, बच्चों और बुजुर्गों की मौत पर चिंता जताई गई थी।

वहीं, दिल्ली-एनसीआर में सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने के आदेश के एक दिन बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक और नया सर्कुलर जारी किया। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में बचे खाने को खुले में न फेंकें। उसे सिर्फ ढक्कन लगे कूड़ेदान में डालें, जिससे कि जानवरों के काटने की घटनाओं से बचा जा सके। सर्कुलर में इस मामले में नोटिस लिया गया कि सुप्रीम कोर्ट परिसर में गलियारों और लिफ्ट के अंदर कुत्तों के घूमने की घटनाओं में काफी बढ़त देखी गई है।

वहीं, यह सबकुछ करते हुए भी कोर्ट की भाषा विनम्र है और उसने विजिटर से भी निर्देश लागू करने में सहयोग मांगा है। जारी सर्कुलर में आगे कहा गया कि बचा हुआ सारा खाना सिर्फ कूड़ेदान में डाला जाए। किसी भी परिस्थिति में खुली जगह या बिना ढक्कन वाले बर्तनों में खाना नहीं फेंका जाना चाहिए। यह कदम जरूरी है, जिससे कि जानवरों (सड़क के कुत्तों) को खाने की गंध से आकर्षित होकर इधर-उधर घूमने से रोका जा सके। कोर्ट ने माना कि इससे काटने की घटनाओं का खतरा कम होगा और परिसर में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। सभी आगंतुकों से इस निर्देश को लागू करने में सहयोग को कहा गया है।

बता दें कि यह सब एक स्वस्थ सामाजिक आचरण है, लेकिन जब शिक्षक व प्रशासकों ने अपनी जिम्मेदारी स्वतः न समझी और सामाजिक स्थिति बद से बदतर होती गई तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा।

उधर, कोर्ट के आदेश पर नेताओं का अलग-अलग नज़रिया सामने आया है। सड़क के कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के सुप्रीम आदेश के खिलाफ कई नेताओं, संगठनों और बॉलिवुड सितारों ने आवाज बुलंद की है। एक ओर जहां दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस फैसले पर साफ कहा है कि सरकार जल्द ही एक स्ट्रीट डॉग नीति लेकर आएगी और योजनाबद्ध तरीके से कोर्ट के आदेश को लागू करेगी, क्योंकि दिल्ली के लोग इससे तंग आ चुके हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, क्योंकि हम लोगों को राहत देना चाहते हैं। चूंकि सड़क के कुत्तों की समस्या विकराल रूप ले चुकी है, इसलिए हम एक नीति बनाएंगे और लोगों को राहत देंगे।

वहीं, दूसरी ओर पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसला की आलोचना करते हुए कहा कि, हमें तो पहले से ही ऐसी ही उम्मीद थी। अब, अगर इस आदेश का पालन किया जाता है, तो दिल्ली में तीन लाख कुत्तों को पकड़कर केंद्रों में रखना होगा। दिल्ली सरकार को 1,000-2,000 शेल्टर रूम बनाने होंगे, क्योंकि बहुत सारे कुत्ते आपस में लड़ेंगे। उन्हें रोकने के माकूल प्रबंध करने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले में तार्किक सोच अभाव है। बीजेपी सांसद गांधी ने इस मामले में पीएम से हस्तक्षेप की अपील की।

जबकि कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल और प्रियंका गांधी ने कहा कि इन्हें हटाना क्रूरता है। तृणमूल कांग्रेस ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर इस आदेश पर फिर से विचार की मांग की। वहीं, जॉन अब्राहम ने कहा कि ये कम्युनिटी का हिस्सा है, जिनसे कई लोग लगाव रखते हैं, खासकर दिल्ली के लोग...नसबंदी से इनकी आबादी पर काबू पा सकते है। उल्लेखनीय है कि डॉग लवर्स ने मंगलवार को कनॉट प्लेस पहुंचकर कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के फैसले पर नाराजगी जताई और इस सुप्रीम आदेश/फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। पुनः बता दें कि गत सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के सभी सड़क के कुत्तों को यथाशीघ्र स्थायी रूप से शेल्टर होम में ट्रांसफर किया जाए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गर्ल्स हॉस्टल में लगी आग

▸ धू-धूकर जला सामान ▸ बड़ा हादसा टला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। बारियातू प्रखंड मुख्यालय स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय बारियातू के छात्रावास में सौर सर्किट से आग लग गई। हालांकि बड़ा हादसा टल गया। छात्राओं ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार सुबह छह बजे वह सब अपने अपने रुम से हर दिन कि तरह पीटी करने के लिए निकली थीं।

कुछ ही देर में आवास रुम से आग की लपटें उठती नजर आईं। सभी ने शोर मचाया तो प्रहरी अंकित कुमार दौड़ कर आए और सभी छात्राओं को दूर भगाया, फिर अपने सूजबूझ से छात्राओं ने बाल्टी से पानी भर-भर कर किसी तरह आग को बुझाया।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते रुम का सभी बेड, पंखे और पुस्तक जलकर खाक हो गए। यदि यह घटना रात में होती तो सभी छात्राओं की मौत हो सकती थी।

छात्राओं ने बताया कि हम सभी को पशु के समान रखा जाता है। एक कमरे में 40 से 50 बेड हैं। हम सभी को गर्मी के दिनो में सांस लेने में भी दिक्कत होती है। जिस कमरे में हम सभी को रखा जाता है, उस कमरे में अधिकांश दस बेड लग सकते हैं, लेकिन नीचे उपर मिलाकर एक रूम में चालीस से पचास बेड लगाए गए हैं।

छात्राओं ने कहा कि हम सभी पशु के समान रहने को विवश हैं। हम सभी को देखने वाला कोई नहीं है। साथ ही रोते बिलखते हुए छात्राओं ने बताया कि यदि सोते समय आग लगती, तो हम सभी जल कर मर जाते।

वहीं विद्यालय की शिक्षिका मालती कुमारी ने बताया कि विद्यालय के छात्रावास में 225 छात्राओं को पांच कमरे में रखना पड़ता है, भवन भी जर्जर हो गया है। छत का प्लास्टर टूट कर गिरता रहता है। हमने इसकी जानकारी अनेकों बार विभाग को दी, लेकिन इस पर आज तक कोई सार्थक पहल नहीं की गई।

ज्ञात हो कि कस्तूरबा विद्यालय भवन बनाने के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपए की लागत से भवन निर्माण करवाया जा रहा है, लेकिन संवेदक की लापरवाही के कारण आज तक भवन अधूरा पड़ा हुआ है।

पांच वर्ष पहले से भवन निर्माण का कार्य संवेदक द्वारा करवाया जा रहा है, पर अब तक अधूरा पड़ा हुआ है। संवेदक कि लापरवाही के कारण आज दर्जनों छात्राओं कि जान जा सकती थी।

जिला परिषद सदस्य रमेश राम ने कहा कि जिला बैठक में कस्तूरबा विद्यालय की समस्या को कई बार रखा पर आज तक कोई सार्थक पहल नहीं की गई और न भवन बनाने वाले संवेदक पर कोई कार्रवाई की गई।

प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पासवान ने कहा कि संवेदक की घोर लापरवाही है, संवेदक पर कार्रवाई की जाएगी। विद्यालय की छात्राओं व ग्रामीणों ने भवन निर्माण करा रहे संवेदक ज्योति कंस्ट्रक्शन पर उपायुक्त से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

घटना कि सूचना मिलते ही बारियातू थाना एएसआई मिथलेश कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर घटना की जांच पड़ताल कर रहे थे।

लोगों को दी जा रही फाइलेरिया की दवा

खरसावां। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुचाई में एमडीए- आइडिए कार्यक्रम- 2025 का शुभारंभ छोटराय किस्कु खूंटी लोकसभा द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। ज्ञात हो कि यह कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 अगस्त से 25 अगस्त तक सूबे में चलाया जाना है।

10 अगस्त बूथ डे है तथा 11 अगस्त से 25 अगस्त तक डोर टू डोर कैंपेन चलाया जाना है। कार्यक्रम के तहत 2 वर्ष से ऊपर के सभी लोगों को फाइलेरिया से रोकथाम हेतु यह दवा खिलाई जानी है। इसमें तीन तरह की दवाई दी जा रही है। पहली दवा इवरमेंक्टिन, दूसरी दवा डीईसी तथा एल्बेंडाजोल की गोली दी जा रही है। इवरमेंक्टिन की दवा व्यक्ति की लंबाई के अनुसार और डीईसी तथा एल्बेंडाजोल की गोली उम्र के अनुसार दी जा रही है। यह दवा गंभीर रोग से पीड़ित, गर्भवती महिला, एक वर्ष से कम उम्र के बच्चे, खाली पेट वाले व्यक्ति तथा वे माताएं जिनका डिलीवरी होकर सात दिन पूरे न हुए हों, को नहीं देनी है। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु चरण देवगम, डॉ. सुशील कुमार महतो, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कोंदो कुम्हार आदि शामिल रहे।

भू धंसान से सहमे लोग, दहशत

वर्ष 2006 में भी गिरा था घर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद जिले के कतरास कोयलांचल में अवैध कोयला उत्खनन का काला धंधा अब पूरी तरह से बेखौफ हो चुका है।

सोमवार की सुबह एक ओर जहां सिजुआ क्षेत्र में अवैध उत्खनन के कारण हुए भू-धंसान से लोगों में दहशत है, वहीं दूसरी ओर बाघमारा में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के कार्यालय से महज कुछ ही दूरी पर यह अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। इन दोनों घटनाओं ने एक बार फिर प्रशासन की निष्क्रियता और माफिया के दुस्साहस को उजागर कर दिया है। जोगता थाना क्षेत्र के मोदीडीह कोलियरी अंतर्गत नया श्यामबाजार की शबरी बस्ती में सोमवार तड़के करीब तीन बजे जोरदार आवाज के साथ भू-धंसान हुआ। यह भू-धंसान अवैध खनन के कारण जमीन के खोखला होने से हुआ। इस घटना में दो घरों के साथ-साथ आसपास की जमीन में भी गहरी दरारें पड़ गईं, जिससे अरुण रजक और गोविंद भुइयां का घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में करीब 10 परिवार प्रभावित हुए हैं।

भू-धंसान के शिकार हुए अरुण रजक ने कांपते हुए बताया कि जब आवाज आई, तो लगा जैसे पूरी दुनिया खत्म हो गई हो। मैं परिवार के साथ किसी तरह बाहर भागा। मेरा घर तो 2006 में भी गिरा था, और अब फिर वही मंजर आज देखा। हमें कब तक ऐसे डर के साए में जीना पड़ेगा ?इसी तरह, गोविंद भुइयां ने भी अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा, ₹हमने अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर यह घर बनाया था, और एक झटके में सब मिट्टी में मिल गया। हमें अब कहीं भी सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है।₹ दबी जुबान में घटना स्थल पर राहुल द्वारा अवैध खनन कराये जाने की बात स्थानीय ग्रामीण कह रहें थे।

घटना की सूचना मिलने पर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने मौके का जायजा लिया और मोदीडीह कोलियरी प्रबंधन से प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने को कहा। यह घटना बार-बार यह दशार्ती है कि भूमिगत खनन से आवासीय क्षेत्रों में कितना बड़ा खतरा मंडरा रहा है। एक तरफ जहां सिजुआ के लोग भू-धंसान से सहमे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर बाघमारा अनुमंडल में अवैध खनन का काम बेरोकटोक जारी है। पिछले दिनों बाघमारा के केशरगढ़ स्थित जमुनिया नदी के पास हुए चाल धंसने की दुखद घटना की आग अभी शांत भी नहीं हुई थी कि अवैध कोयला कारोबारी फिर से सक्रिय हो गए हैं। अंगारपथरा ओपी क्षेत्र के कांटा पहाड़ी के पास अवैध मुहाना बनाकर खनन धड़ल्ले से जारी है। यह इलाका एसडीपीओ कार्यालय से बहुत करीब है, फिर भी पुलिस इस पर कोई कार्रवाई करती नजर नहीं आ रही है। यहां सैकड़ों मजदूर अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। जिस क्षेत्र में यह अवैध खनन चल रहा है, वह मां अम्बे आउटसोर्सिंग कंपनी का है। एक ओर जहां कंपनी को कोयले की निकासी के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है, वहीं दूसरी ओर ये अवैध कारोबारी बेधड़क अपना काम कर रहे हैं।

राधा-कृष्ण मंदिर बनकर तैयार

वृंदावन के पुजारी ने दी मंदिर बनाने की प्रेरणा : गया प्रसाद साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका शहर से करीब छह किलोमीटर दूर जामा प्रखंड के नोनीहथवारी के निकट कोल्हड़िया गांव में तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया राधा-कृष्ण मंदिर श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है।

इस मंदिर का निर्माण कार्य इसी वर्ष पूरा हुआ है। मंदिर में भगवान श्री कृष्ण और राधा की भव्य व आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमाएं राजस्थान के जयपुर से मंगवाई गई है।

कोल्हड़िया गांव में राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण प्रभु की कृपा व वृंदावन से आए एक पुजारी की प्रेरणा से कराया गया है। इस मंदिर के संचालन के लिए गठित राधा-कृष्ण मंदिर ट्रस्ट के गया प्रसाद साह कहते हैं कि वह राजकीय पॉलिटेक्निक दुमका के शिक्षकेत्तर कर्मचारी थे।

सेवानिवृत्ति के बाद वह कुछ धार्मिक कार्य करने की सोच रहे थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात वृंदावन से आए एक पुजारी से हुई। पुजारी ने उन्हें भगवान राधा-कृष्ण का मंदिर बनवाने की सलाह दी।

गया प्रसाद साह कहते हैं कि पुजारी की प्रेरणा व प्रभु की कृपा से इस मंदिर का निर्माण कराया है। गया प्रसाद साह कहते हैं कि पुजारी प्रेरणा देकर कहां चले गए इसका पता उन्हें आज तक नहीं चल सका है।

जबकि वह पुजारी की खोज में उनके ठहराव स्थल कुमड़ाबाद गांव भी गये थे पर वहां भी उनका कोई अता-पता नहीं चल सका। पुजारी के द्वारा दिये गये मोबाइल नंबर से भी संपर्क नहीं हो सका।

मंदिर निर्माण का कार्य कराने के लिए महाराष्ट्र के कारीगरों को खास तौर पर बुलाया गया था। राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट कोल्हड़िया के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार साह के मुताबिक मंदिर के निर्माण कार्य में अब तक तकरीबन डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हो चुका है।

इस राशि का वहन अध्यक्ष गया प्रसाद साह के स्तर से किया गया है। मंदिर निर्माण कार्य के लिए किसी से किसी भी प्रकार का आर्थिक सहयोग नहीं लिया गया है।

राधा कृष्ण मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार साह ने कहा कि यह मंदिर सार्वजनिक है। मंदिर में कोई भी श्रद्धालु भगवान की पूजा-अर्चना व दर्शन के लिए आ सकते हैं। कहा कि मंदिर का पट प्रतिदिन सुबह पांच बजे खुल जाता है।

मंदिर में प्रतिदिन सुबह सात बजे प्रातःकालीन और शाम में सात बजे संध्या आरती होती है। शाम में भजन-कीर्तन के बाद रात के नौ बजे मंदिर का पट बंद किया जाता है। कहा कि मंदिर में प्रत्येक माह 10 से 15 दिन तक भजन-कीर्तन होता है।

उन्होंने बताया कि पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में नित्यानंद झा को मंदिर का पुजारी बनाया गया है जो प्रतिदिन मंदिर में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना व आरती करते हैं। नित्यानंद झा जामताड़ा जिले के नाला प्रखंड के निवासी हैं।

दुमका शहर के लोग डंगालपाड़ा शिव मंदिर से मोरटंगा की ओर से जाने वाली सड़क से कोल्हड़िया में नवनिर्मित राधा-कृष्ण मंदिर आसानी से पहुंच सकते हैं।

नवनिर्मित मंदिर में स्थापित राधा-कृष्ण की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान पांच जून 2025 को विधि-विधान से कराए जाने के बाद प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है।

इस वर्ष पहली बार यहां जन्माष्टमी का उत्सव भी भव्य तरीके से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर में शनिवार को पूजा-अर्चना के बाद देर रात तक भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया था और रविवार को भंडारा व प्रसाद वितरण अनुष्ठान संपन्न कराया गया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की 40 छात्राओं की तबियत बिगड़ी

अभिभावकों में आक्रोश और कार्रवाई की उठ रही मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के पलामू जिले के तरहसी प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से सोमवार को बड़ा मामला सामने आया।

नाश्ते में पूरी-सब्जी खाने के बाद लगभग 40 छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उल्टी और पेट दर्द की शिकायत पर विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी बीमार छात्राओं को तरहसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इनमें से पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेदिनीनगर रेफर कर दिया गया।

स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल में छात्राओं का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही कई अभिभावक अस्पताल पहुंचे और विद्यालय प्रबंधन पर जमकर भड़के। परिजनों का आरोप है कि उन्हें घटना की सूचना समय पर नहीं दी गई, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई।

विद्यालय की वार्डन ने कहा कि छात्राएं जन्माष्टमी के उपवास के कारण बीमार हुई हैं। हालांकि ग्रामीणों और स्वास्थ्यकर्मियों ने इस दावे को खारिज कर दिया। उनका कहना है कि घटना जन्माष्टमी के दो दिन बाद हुई है, ऐसे में बीमारी का कारण केवल भोजन में गड़बड़ी ही हो सकता है।

ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि कई बीमार छात्राओं को बिना मेडिकल रजिस्टर में दर्ज किए ही घर भेज दिया गया। इससे न केवल वास्तविक आंकड़ा छिपाने की कोशिश हुई, बल्कि बच्चों की जिंदगी भी खतरे में पड़ी।

घटना से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए बनाए गए आवासीय विद्यालयों में बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं। खासकर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से विद्यालय प्रबंधन की भूमिका की गहन जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उधर, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्रता सेनानियों ने दी आजादी की सौगात

हम सभी आने वाली पीढ़ी को दें बेहतर पर्यावरणः डा कौशल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिले के छतरपुर अनुमंडल के ग्राम पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर में पंचायत सचिवालय में विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर पार्क परिसर में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल व विपीएसए संस्था के प्रधान सचिव सह ग्राम पंचायत डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया। मुखिया पूनम ने वीर सपूतों को नमन करते हुए स्वतंत्रता दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दी ।

पर्यावरण धर्म गुरू डॉ कौशल ने अपने संबोधन में कहा कि देश के कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी कुबार्नी दे कर हमें आजादी की सौगात दी। उसी प्रकार हम सभी को आने वाली पीढ़ी के लिए पौधा लगाकर उन्हें जीवन रक्षक के रूप में वरदान देने का काम करना चाहिए। अभी 2 अगस्त को जापान के डायरेक्टर ने ट्री मेन आफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया। जो नौ इंटरनेशनल अवार्ड समेत जीवन का 74 वां अवार्ड था। उन्होंने कहा कि दुनिया का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क प्रांगण में कराया गया है। जिस में दर्जनों विलुप्त प्रजाति के विदेशी पौधे लगे हैं। समारोह में ग्राम सेवक सूरुज देव विश्वकर्मा, उप मुखिया नगीना खातून, पत्रकार जमुना यादव, रामप्रवेश यादव,पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, पंचायत समिति सदस्य शहाबुद्दीन अंसारी, जुबेर अंसारी, विजय सिंह, नईमुद्दीन अंसारी, विनोद राम,धर्मदेव यादव, सुमित कुमार जायसवाल, शमीम अंसारी, शिवनाथ राम, अरविंद यादव, उमेश यादव, समीर सिंह, अनिल यादव, शहरूम साइ, नगाड़ा अंसारी, फुलवा देवी, राजपतिया कुंवर, दौलती देवी, संतोष जायसवाल उपस्थित थे।

हाईवा से टकरायी मोटरसाइकिल, जीजा की मौत, साला जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला थाना क्षेत्र के तितिरबिला पुलिया के समीप सड़क किनारे खड़ी हाईवा के पीछे से बाइक सवार तेज रफ्तार में टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटनास्थल पर ही उत्तमडीह निवासी शंभू महतो की मौत हो गई, जबकि उसका साला जीतू महतो गंभीर रुप से घायल हो गया।

घटना सोमवार की है। स्थानीय लोगों की मदद से उसे सदर अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टर ने शंभू महतो को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद सड़क किनारे खड़ा वाहन को लेकर चालक मौके से फरार हो गया।

जब तक मौके पर पुलिस पहुंचती वहां कोई वाहन नहीं था। जानकारी के अनुसार शंभू महतो ससुराल कालापाथर गांव गया था।

अपना साला जीतू महतो के साथ बाइक पर सरायकेला बाजार आए थे। वापस लौटने के दौरान तितिरबिला पुलिया के समीप खड़ी हाइवा से टकरा गए।

घायल को प्राथमिक उपचार के बाद एमजीएम रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के स्वजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया है।

यहां बता दें कि सड़क किनारे खड़े बड़े वाहनों से टकरा कर लगातार लोगों की मौत हो रही हैं। सरायकेला से कांड्रा तक सड़क पर ही वाहनों को खड़ा कर दिया जा रहा है। जिसके कारण अक्सर हादसे हो रहे हैं। 2025 जुलाई माह तक 157 सड़क हादसे हुए जिसमें 135 लोगों की मौत हो चुकी है।

कहीं बस से बस टकरा रही है तो कहीं बाइक से बाइक टकरा रही है। लेकिन इस बेलगाम वाहन सवारों को न ही ट्रैफिक पुलिस रोक लगा पा रही है और जिला पुलिस ही इन वाहन सवारों को नियंत्रित कर पा रही है, जिससे आए दिन खून से सड़के लाल हो रही है।

सड़क किनारे अवैध रुप से खड़े वाहन हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं। नियमों को ताक पर रखकर सड़क किनारे बड़े वाहनों को पार्क किया जा रहा है, पर अधिकारियों का ध्यान इस तरफ नहीं जाता। हालांकि बैठकों में दावे बड़े बड़े होते हैं, जबकि जमीनी स्तर पर सिर्फ वाहनों के कागजातों व हेलमेट जांच कर टारगेट पूरा करने तक सीमित हो कर रह गया है।

पीएलएफआई के चार सदस्य हथियार के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के खूँटी जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें माओवादी ओझा पाहन भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि इनका सरकारी ठेकेदारों से वसूली करने और वाहनों में आग लगाने का प्रयास नाकाम कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, उनके पास से हथियार और माओवादी साहित्य बरामद किया गया है।

खूँटी एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि रविवार देर रात तोरपा के एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रानीया थाना क्षेत्र के जिबिलोंग तांगरी इलाके में छापेमारी कर ओझा पाहन और तीन अन्य को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार माओवादी ओझा पाहन पहले भी वाहनों में आग लगाने के मामले में जेल जा चुका है और उस पर खूँटी, रांची और गुमला के कई थानों में करीब 10 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अन्य तीन सदस्यों में जेवियर कोंगाड़ी (29), संतोष कोंगाड़ी (27) और जिबुनुस ऐंद (31) शामिल हैं। इनमें से ओझा पाहन गुमला जिले का रहने वाला है जबकि बाकी तीनों खूँटी जिले के निवासी हैं। पुलिस ने उनके पास से दो हथियार, कारतूस, समर्थित साहित्य और एक मोबाइल फोन जब्त किया, जिसका उपयोग ठेकेदारों और कारोबारियों को धमकाने के लिए किया जाता था। इसके अलावा एक प्लास्टिक की बोतल भी बरामद की गई जिसमें पेट्रोल था, जिसे निर्माण कार्य में लगे वाहनों को जलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था।

डायन बिसाही के संदेह में महिला के साथ मारपीट

जमशेदपुर। मानगो थाना क्षेत्र जवाहरनगर रोड नंबर 15 में डायन-बिसाही के संदेह में एक महिला के साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई।

घटना 15 अगस्त की है। महिला सुषमा कुमारी ने मानगो थाना में संदीप शर्मा, गुड़िया कुमारी, रिंकी कुमारी, पिंकी कुमारी, अर्चना कुमारी और संगीता कुमारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस को बताया आरोपित उसके घर पर आए। गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे, तब जाकर मामला शांत हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं, दूसरी ओर सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने भुइयांडीह दुर्गा पूजा मैदान के पास से एलईडी की चोरी कर लिए जाने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों में भुइयांडीह हयूमपाइप नगर निवासी शिवा भुइयां उर्फ छोटा और बिरसानगर निवासी गुलशन कर्मकार को गिरफ्तार किया है। चोरी मामले में उलीडीह शंकोसाई निवासी शिव शंकर गोराई ने अज्ञात दो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कार्यशाला आयोजित

सिमडेगा। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा राजकीय पालिटेक्निक कालेज, सिमडेगा में भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें न केवल योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, बल्कि इसका लाभ कैसे लिया जाए, कौन- कौन से दस्तावेज की जरूरत है, कब कौन सी प्रक्रिया पूरी करनी है, पूरी जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को भारत सरकार की प्रमुख जन-कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना एवं उन्हें लाभ उठाने हेतु प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा.संदीप कुमार शर्मा, प्राचार्य, राजकीय पालिटेक्निक कालेज, सिमडेगा उपस्थित रहें। कार्यक्रम में कालेज के लगभग दो सौ बच्चों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ युवा प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात रोशन कुमार, जिला युवा अधिकारी, सिमडेगा द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य अतिथि डा. संदीप कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं न केवल युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रही हैं, बल्कि देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं।

निरंजन अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2025-27 के लिए रविवार को आयोजित चुनाव में निरंजन अग्रवाल ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष पद अपने नाम कर लिया। खिरवाल बैंक्वेट हाल में आयोजित इस चुनाव में कुल 336 मतदाताओं में से 308 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निरंजन अग्रवाल को 172 मत, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कमल लाठ को 135 मत प्राप्त हुए। इस तरह निरंजन ने 37 मतों के अंतर से जीत हासिल की। उपाध्यक्ष पद के दो स्थानों के लिए हुए चुनाव में गौरव मुंधड़ा (221 मत) और छोटेलाल तामसोय (175 मत) विजयी रहे, जबकि मुदस्सर इमाम खान उर्फ जैकी को 142 मत मिले और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सचिव पद पर आयुष दोदराजका ने जीत दर्ज करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी पवन अग्रवाल को 74 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। आयुष को 190, वहीं पवन को 116 मत प्राप्त हुए। सह-सचिव पद के लिए मोहित सुल्तानिया (202 मत) और प्रमोद खिरवाल (188 मत) विजयी घोषित हुए।

थम नहीं रहा आवारा कुत्तों का आतंक

खेल रहे ढाई वर्षीय बच्चे को आवारा कुत्ते ने नोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। दुमका और इसके आसपास जिले में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को देवघर जिले के पालोजोरी थाना के महुआडाबर गांव में गली में खेल रहे ढाई साल के शकीबुल हसन पर आवारा कुत्ता ने हमला कर दिया।

कुत्ते ने बालक के चेहरे पर कई बार काटा। किसी तरह से मां ने पत्थर मारकर बेटे की जान बचाई। बालक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मां खुशबू बीबी ने बताया कि दोपहर को बेटा गली में खेल रहा था। करीब दस मिनट के बाद बेटे के शोर मचाने की आवाज सुनकर दौड़ी आई तो देखा कि एक कुत्ता बेटे को नोंच रहा है। बेटा जितना शोर मचा रहा था, कुत्ता उतना ही उसे नोंच रहा था।

पहले कुत्ता को खाली हाथ से डराकर भगाने का प्रयास किया, लेकिन उसने बेटे को नहीं छोड़ा। किसी तरह से हिम्मत कर पत्थर मारा तो वह बेटे को छोड़कर भाग गया।

वहीं, चाचा इस्माइल हसन ने बताया कि इस समय पालोजोरी में आवारा कुत्तों का आतंक है। रविवार से सोमवार की दोपहर तक आवारा कुत्ते 33 लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। सभी का पालोजोरी में इलाज किया गया। भतीजा को कई जगह पर काटा था, इसलिए डॉक्टर की सलाह पर दुमका लेकर आए। उन्होंने बताया कि पालोजोरी में तो आवारा कुत्तों की वजह से लोगों ने अपने बच्चों का घर से निकलना बंद कर दिया है। कुत्ते झुंड में बैठे रहते हैं और छोटे बच्चे को देखकर हमला कर देते हैं। गनीमत थी कि भतीजे पर एक की कुत्ता ने हमला किया, अगर संख्या अधिक होती तो कुछ भी अनहोनी हो सकती थी।

दुमका शहर में भी इन दिनों कुत्तों का आतंक है।

शहर की ऐसी कोई गली नहीं है, जहां कुत्तों का जमघट नहीं लगा रहता हो। कुत्ते कब किसी पर हमला कर दें, यह कोई नहीं जानता है। कुत्तों से बचने के लिए लोगों ने सुबह की सैर का समय बदल दिया है। शहर में रोज तीन लोग आवारा कुत्तों का शिकार बनने के बाद अपना इलाज करा रहे हैं।

भू रैयतों और ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। कट ऑफ डेट, मुआवजा और रोजगार की मांग को लेकर सोमवार को युवा विस्थापित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले भू रैयतों और ग्रामीणों ने उग्र प्रदर्शन किया।

बड़कागांव 13 माइल समेत कई स्थानों पर ग्रामीणों ने कंपनी की ट्रांसपोर्टिंग रोक दिया। इतना ही नहीं, कंपनियों में काम करने जा रहे कर्मचारियों को भी रोक कर उन्हें पैदल जाने पर मजबूर कर दिया।

अचानक हुए आंदोलन से माहौल तनावपूर्ण हो गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण और रैयत जुट गए।

दूसरी ओर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

हजारीबाग एसडीएम, पुलिस एसडीपीओ, बड़कागांव थाना अंचल निरीक्षक और बड़कागांव बीडीओ के नेतृत्व में प्रशासन ने मोर्चा संभाला। दोनों पक्षों के बीच गहमागहमी का माहौल रहा, लेकिन अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद धीरे-धीरे स्थिति शांत हो सकी।

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनियां लगातार उनकी उपेक्षा कर रही हैं और विस्थापितों को रोजगार देने का वादा पूरा नहीं हुआ है। साथ ही कट ऑफ डेट और मुआवजा को लेकर भी लटकते मामलों ने असंतोष बढ़ा दिया है। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

भारत के लिए वरदान बना ट्रंप का टैरिफ!

कुल एक्सपोर्ट की तुलना में अमेरिका को 7 गुना बढ़ गया निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसका असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। लेकिन अप्रैल-जुलाई के दौरान भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट देश के कुल निर्यात की तुलना में सात गुना बढ़ गया। कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जुलाई के दौरान अमेरिका को गुड्स का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 33.5 अरब हो गया जबकि इस दौरान देश का कुल निर्यात 3 प्रतिशत बढ़कर 149.2 अरब रहा। भारत के कुल निर्यात का 22 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को जाता है जिस पर 50 प्रतिशत टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है।

इसमें 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ और 25 प्रतिशत रूसी तेल की खरीद पर अतिरिक्त टैरिफ है। यह 27 अगस्त से लागू होगा। हालांकि अमेरिका को एक्सपोर्ट में तेजी ने निर्यातकों को कुछ राहत दी है। अब वे 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगने की स्थिति में अमेरिकी खरीदारों को कुछ छूट दे सकते हैं। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा, हमने पिछले एक हफ्ते के दौरान खरीदारों से बात की है। पुराने खरीदारों के मामले में हम ट्रेड को बनाए रखने के लिए कुछ अतिरिक्त छूट देने पर विचार कर रहे हैं।

नौकरियां जाने का खतरा

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ के अध्यक्ष आर.सी. राल्हन ने निर्यात संवर्धन परिषदों की सोमवार को एक बैठक बुलाई है। इसमें सरकार से समर्थन के लिए एक संयुक्त याचिका तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर निर्यात ऑर्डर कैंसिल हो जाते हैं, तो खासतर एमएसएमई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नौकरियां जाएंगी। हालांकि, अभी तक सब ठीक चल रहा है। वास्तव में जुलाई के निर्यात आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिका को शिपमेंट में तेजी आई है।

नुकसान के साथ व्यापार

सेखरी ने कहा कि अमेरिका के साथ 25 अगस्त से शुरू होने वाली बातचीत स्थगित हो गई है, लेकिन हमें आने वाले हफ्तों में कुछ सफलता मिलने की उम्मीद है। अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया है। निर्यातकों ने मिलकर इसका बोझ उठाया और ट्रेड को बनाए रखा। कुछ लोग तो डेडलाइन से पहले माल भेजने की जल्दी में हैं। अगले दौर के लिए कुछ अनुबंधों में यह शर्त है कि अगर रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता है, तो दी जा रही छूट लागू नहीं होगी। इंडस्ट्री के ज्यादातर लोगों का कहना है कि 50 प्रतिशत टैरिफ के साथ ट्रेड करना संभव नहीं है।

वोल्टास से ब्लू स्टार तक, जीएसटी राहत की आस में शेयरों ने मारी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। एसी-कूलर कंपनियों के शेयर आज गरम हैं। वोल्टास लिमिटेड, ब्लू स्टार लिमिटेड, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड और एम्बर एंटरप्राइजेज लिमिटेड जैसी कंपनियों के शेयरों में सोमवार, 18 अगस्त को 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। यह उछाल उम्मीदों की वजह से आया कि अब घरेलू उपकरणों (जैसे एसी, टीवी) पर जीएसटी की दरें घटाई जा सकती हैं।

जीएसटी में बदलाव की उठी बयार- शुक्रवार, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली से पहले अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का वादा किया था। इन सुधारों का मकसद आम लोगों

और छोटे व्यवसायों पर टैक्स का बोझ कम करना है। फिलहाल, एसी और 32 इंच से बड़े टीवी पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि फ्रिज, वॉशिंग मशीन और छोटे टीवी पर 18 प्रतिशत टैक्स है।

एनालिस्ट क्या कहते हैं?

सीएनबीसी-टीवी18 के मुताबिक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज और सीएलएसए का मानना है कि एसी पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो सकता है। सीएलएसए के अनुसार, यह बदलाव एसी की मांग को बढ़ाएगा, खासकर जब हाल में इस सेक्टर में कमजोरी दिखी थी। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी का कहना है कि जीएसटी दरों में संतुलन से करीब 2.4 लाख करोड़ का फायदा होगा, जिससे ऑटो और घरेलू उपकरण कंपनियों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा।

स्विगी ने ऑर्डर बढ़ने पर प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाई, शेयर 3 प्रतिशत चढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विगी के शेयरों ने आज बीएसई पर 3 प्रतिशत की छलांग लगाई और दिन का उच्चतम स्तर 410.65 तक पहुंच गए। यह उछाल ऐसे समय में आया, जब कंपनी ने बढ़ते ऑर्डर को देखते हुए अपना प्लेटफॉर्म फीस बढ़ाने का फैसला किया। स्विगी ने अपने खाना डिलीवरी के कारोबार में प्लेटफॉर्म शुल्क कुछ खास इलाकों में (जहां ऑर्डर की संख्या ज्यादा है) 12 से बढ़ाकर अब 14 कर दिया है। यह कदम कंपनी के बढ़ते नुकसान और खाना डिलीवरी बाजार में तेज होती प्रतिस्पर्धा के बीच आया है।

कैसी है कंपनी की वित्तीय हालत?

अप्रैल-जून की तिमाही में स्विगी को सालाना आधार पर दोगुना नुकसान हुआ, जो बढ़कर 1,197 करोड़ हो गया। कंपनी के पास नकदी का बहिर्वाह भी 1,053 करोड़ रहा। हालांकि, एक अच्छी खबर यह है कि कंपनी का परिचालन राजस्व मजबूत ऑर्डर संख्या और उसकी क्विक-कॉमर्स सेवा इंस्टामार्ट में निवेश के चलते 54 प्रतिशत बढ़कर 4,961 करोड़ हो गया।

शुल्क बढ़ाने का क्या फायदा होगा?- द इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक माना जा रहा है कि यह बढ़ा हुआ शुल्क कंपनी को खर्चे पूरे करने और अपना मुनाफा बनाए रखने में मदद करेगा।

भ्रष्टाचार का दानव प्राइवेट सेक्टर में भी बैठा है

हर विभाग में बैठें हैं रिश्वतखोरः सुमंत रमन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में जब भ्रष्टाचार या रिश्वतखोरी की बात सामने आती है तो लोगों के जेहन में सरकारी बाबू ही आते हैं। लेकिन, इसमें

देश का प्राइवेट सेक्टर भी कोई पीछे नहीं है।

प्राइवेट सेक्टर के हर विभाग में रिश्वतखोरी!- सुमंत रमन का कहना है कि प्राइवेट कंपनियों के हर डिपार्टमेंट में रिश्वतखोरी और गलत काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा, प्राइवेट सेक्टर, खासकर कॉर्पोरेट इंडिया में इतना भ्रष्टाचार है कि सरकारी बाबू भी शर्मा जाएं। ...और इस बारे में बातें भी बहुत कम होती हैं। उनका कहना है कि प्राइवेट कंपनियों में भ्रष्टाचार सिर्फ कंपनियों द्वारा सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने तक ही सीमित नहीं है। वह

ये डिपार्टमेंट भ्रष्टाचार में डूबे हुए

सुमंत रमन ने प्राइवेट सेक्टर में खास कर मानव संसाधन विभाग या ।क्र खरीद करने वाला विभाग या प्रोक्योरमेंट , ढ्ढ्र और सामान्य प्रशासन यानी एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे देश के चरित्र को दिखाता है। उन्होंने आखिर में दुखद कहा।

ये भी सहमत हैं

पूर्व कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव गौतम सरकार भी रमन की बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा, मैं सहमत हूं, भ्रष्टाचार हर जगह फैला हुआ है। उन्होंने बिजनेस में गलत तरीकों की तुलना हेल्थकेयर से की है। वह लिखते हैं सोचिए, डॉक्टर लैब टेस्ट/इमेजिंग के लिए रेफर करते हैं, वो भी कमीशन के लिए।

सूरत, जयपुर, मुंबई...

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से 1.5 लाख नौकरियों पर संकट!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का रत्न और आभूषण उद्योग इस मुश्किल दौर से गुजर रहा है। यह इंडस्टी देश की इकॉनमी के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इससे लाखों लोगों की रोजी-रोटी चलती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेम्स एंड जूलरी पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे इस उद्योग को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। भारत अपने हीरे के निर्यात का एक तिहाई और जड़े हुए गहनों का लगभग आधा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। सूरत, जयपुर, मुंबई और इनके आसपास के इलाकों में इसका असर दिखने लगा है। इन जगहों पर व्यापार कम हो रहा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में लगभग 1 लाख लोग बेरोजगार हो गए हैं। इनमें भावनगर, अमरेली और जूनागढ़ के छोटे कारखानों में काम करने वाले लोग शामिल हैं।

इंडस्ट्री की डिमांड

इंडस्ट्री के लीडर्स अब सरकार से ट्रेड को लेकर बातचीत तेज करने और इस उद्योग को सहारा देने के लिए कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन किरीट भंसाली ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका को होने वाला निर्यात 9.23 अरब डॉलर से घटकर सिर्फ 2.3 अरब डॉलर रह सकता है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान पॉलिश किए हुए हीरे और जड़े हुए सोने के गहनों को होगा। भंसाली ने कहा कि सूरत में हीरे, महाराष्ट्र में जड़े हुए गहने और जयपुर में रंगीन रत्नों के कारोबार में काम करने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। अभी ठीक से बताना मुश्किल है लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि 1.5 लाख नौकरियां जा सकती हैं।

छोटी कार पर बड़ा उपहार...

जानें कितने रुपये का होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार मिडिल क्लास को बड़ी राहत देने जा रही है। दिवाली से पहले सरकार आम आदमी को बड़ा उपहार दे सकती है। यह उपहार जीएसटी की दर में देखने को मिलेगा। दरअसल, सरकार जीएसटी में कुछ बदलाव करने की सोच रही है। इससे छोटी कारों के बाजार में थोड़ी रौनक आ सकती है। आजकल लोग बड़ी गाड़ियां, जैसे एसयूवी, ज्यादा पसंद कर रहे हैं, इसलिए छोटी कारों की बिक्री कम हो रही है।

अभी कारों पर कितना है जीएसटी?

छोटी कारें मतलब 4 मीटर से कम लंबी और 1200 सीसी तक के इंजन वाली पेट्रोल, सीएनजी और एलपीजी गाड़ियां। इन पर कारों अभी 28 प्रतिशत जीएसटी और 1 प्रतिशत सेस लगता है। बड़ी कारों और एसयूवी पर 40 प्रतिशत तक टैक्स लगने की बात हो रही है। अभी इन गाड़ियों पर जीएसटी और सेस मिलाकर 43 से 50 प्रतिशत तक टैक्स लगता है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर जीएसटी की दर में कोई बदलाव नहीं होगा। इन पर अभी 5 प्रतिशत टैक्स लगता है।

कितना होगा नया जीएसटी?

छोटी कारों पर अब 18 प्रतिशत टैक्स लगने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जीएसटी में 11 प्रतिशत की कमी होती है, तो छोटी कारों की कीमत 12 से 12.5 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अवेंटियम एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर वीजी रामकृष्णन का कहना है कि अगर कारों की कीमत 20,000 से 25,000 रुपये तक भी कम होती है, तो भी लोगों को अच्छा लगेगा और वे ज्यादा कारें खरीदेंगे। यानी सस्ती कारों की मांग बढ़ सकती है।

किस चीज पर कितना जीएसटी?

जीएसटी काउंसिल ने एक ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स बनाया है। इस ग्रुप को एक प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि रोजमर्रा की चीजों पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। वहीं, मध्यम वर्ग के लोगों के लिए और उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगने की संभावना है। प्रस्ताव पर जल्द ही विचार करेगा। जीएसटी काउंसिल सितंबर के तीसरे हफ्ते में इस पर आखिरी फैसला ले सकती है। फ्रिज और बड़े टीवी जैसे सामानों पर भी टैक्स 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जा सकता है। इससे इनकी मांग बढ़ सकती है।

दिवाली से पहले मिडिल क्लास को मिलेगी राहत

पीएम ने किया था ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी में बदलाव की बात कही थी। उन्होंने कहा था, हम अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ला रहे हैं। इससे पूरे देश में टैक्स का बोझ कम होगा। यह दिवाली से पहले एक उपहार होगा। सरकार जीएसटी को आसान बनाने के लिए दो तरह के टैक्स स्लैब रखने की सोच रही है। इसमें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के टैक्स शामिल होंगे। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वाले टैक्स हटा दिए जाएंगे। कुछ खास चीजों पर 40 प्रतिशत का स्पेशल टैक्स लगाया जा सकता है। इनमें सिन गुड्स जैसे तंबाकू प्रोडक्ट आदि शामिल हैं।

छात्र यात्रा बीमा: विदेश में पढ़ाई के दौरान आपका साथी और सुरक्षा कवच

मेडिकल इमरजेंसी पर भी मिलता है कवर

मुंबई। देश में पढ़ाई करना जीवन बदल देने वाला अनुभव होता है, जो शिक्षा, करियर ग्रोथ और व्यक्तिगत प्रगति में बड़े फायदे देता है। किसी नए देश में कदम रखना, वहां की अलग-अलग संस्कृतियों को जानना, विभिन्न तरह के खाने का स्वाद लेना और एक वैश्विक नेटवर्क बनाना

बेहद रोमांचक होता है। लेकिन, इस पूरे सफर के बीच एक ऐसा सुरक्षा कवच होना जरूरी है, जो आपको अनचाही मुश्किलों से बचा सके। विदेश में पढ़ाई के दौरान छात्र यात्रा बीमा आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है।

यह मेडिकल इमरजेंसी, सामान खोने, यात्रा रद्द होने और अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में आर्थिक सुरक्षा देता है। चाहे आप अकादमिक उद्देश्य से या घूमने के लिए यात्रा कर रहे हों, सही बीमा होने से आपका तनाव कम होता है और आप पढ़ाई एवं विदेश के अनुभवों पर ध्यान दे पाते हैं।

जीएसटी रिफॉर्म लागू होने के बाद सस्ता हो जाएगा पेट्रोल-डीजल?

सिगेरट और शराब होगी महंगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली या उसके बाद आपको जीएसटी में बड़े रिफॉर्म देखने को मिल सकते हैं। पीएम मोदी ने इसका ऐलान पहले ही कर दिया है।

उन्होंने लाल किले से कहा था कि आने वाले समय में जीएसटी में बड़े बदलाव किए जाएंगे। जिसके बाद जरूरत के सामान सस्ते हो जाएंगे। अब सवाल उठ रहा है कि क्या पेट्रोल और डीजल भी जीएसटी के दायरे में आएगा? अगर आया तो किस स्लैब में इसे रखा जाएगा?

एक अधिकारी ने साफ किया पेट्रोलियम प्रोडक्ट को जीएसटी के दायरे में लाने में अभी समय लगेगा। यानी जीएसटी 2.0 के लागू होने के बाद भी आपका पेट्रोल-डीजल बिल कम नहीं होगा।

तम्बाकू और शराब पर लग सकता है 40 प्रतिशत जीएसटी- वित्त मंत्रालय ने अभी स्पेशल रेट्स के साथ-साथ दो जीएसटी स्लैब का प्रस्ताव ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स को भेजा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सिगरेट, तम्बाकू, शराब को 40 प्रतिशत के जीएसटी स्लैब में डाला जा सकता है।

जीएसटी कटौती की आहट से ऑटो स्टॉक पर टूट पड़े निवेशक

8 प्रतिशत से अधिक उछला शेयर, 36 एक्सपर्ट्स ने दी बाय रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले समय में कुछ गाड़ियों के सेगमेंट पर जीएसटी कटौती हो सकती है। इस चर्चा के बाद आज सोमवार को ऑटो कंपनियों के शेयरों में तगड़ी उछाल देखने को मिली है। लेकिन इसमें भी एक कंपनी ने सभी को पछाड़ा है।

हम बात कर रहे हैं मारुति सुजुकी की। आज इस कंपनी का शेयर 8 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। मारुति सुजुकी के शेयरों में बीते 5 साल के दौरान किसी एक दिन में यह सबसे बड़ी उछाल है।

- **किस बात की चर्चा से निवेशक हुए गदगद-** सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार 1200 सीसी से कम के इंजन वाली गाड़ियों पर लगने वाले 28 प्रतिशत जीएसटी को घटाकर 18 प्रतिशत किया जा सकता है। वहीं, 4एम से 1200 सीसी पेट्रोल इंजन और 1500 सीसी के डीजल इंजन हाइब्रिड पैसेंजर व्हीकल्स पर भी जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत लगाया जा सकता है। मौजूदा समय में छोड़ी गाड़ियों पर 28 प्रतिशत का जीएसटी लगता है। साथ ही 1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत छोटा सेस भी लगाया जाता है। बता दें, भारत में ज्यादातर बिकने वाले पैसेंजर कार का इंजन 1200 सीसी के नीचे होता है। वहीं, मारुति के 1200 सीसी से अधिक क्षमता के इंजन हाइब्रिड कैटगरी में आते हैं।

52 वीक हाई पर मारुति के शेयर

बीएसई में सोमवार को मारुति सुजुकी के शेयर 12920.45 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन ताबड़तोड़ खरीदारी के बाद यह ऑटो स्टॉक 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ 13986.85 रुपये के 52 वीक हाई पर पहुंच गए। बता दें, मारुति सुजुकी का 52 वीक लो लेवल 10,725 रुपये है।

2008 हो सकता है रिपीट

ऑटो सेगमेंट पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर ऐसा फैसला होता है तो 2008 रिपीट हो सकता है। तब ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। ब्रोकरेज हाउस नोमुरा का मानना है कि मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा को इस फैसले का सबसे अधिक फायदा हो सकता है। उनका मानना है कि जीएसटी में कटौती से ऑटोमोबाइल सेगमेंट में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। मारुति के शेयरों नजर रखने वाले 46 एक्सपर्ट्स में 36 ने इसे खरीदने की सलाह दी है। वहीं, 8 ने होल्ड करने और 2 ने बेचने की बात कही है।

रामायण में अपने किरदार पर सनी देओल ने कही ये बात, रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल इन दिनों फिल्म बॉर्डर 2 और रामायण को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म बॉर्डर 2 का पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें सनी देओल गुस्से में नजर आ रहे हैं। सनी देओल ने अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण के बारे में कई खुलासे किए हैं। वह इस फिल्म में हनुमान का किरदार निभाएंगे। सनी देओल ने फिल्म में अपने साथी कलाकार रणबीर कपूर की काफी तारीफ की है।

अपने रोल पर बोले सनी देओल

फिल्म रामायण के लिए सनी देओल ने अभी शूटिंग शुरू नहीं की है। इस पर उन्होंने कहा है कि इसकी शूटिंग बहुत जल्दी शुरू होगी। जूम के साथ बातचीत में सनी देओल ने फिल्म में अपने रोल के बारे में कहा यह बहुत मजेदार रोल है। मेरा किरदार महान होगा। किसी भी किरदार को निभाने से पहले घबराहट या डर, ये तो होता ही है। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है, क्योंकि आपको अपने अंदर यह समझना होगा कि आप चुनौती को कैसे स्वीकार करेंगे और उस पर कैसे खरा उतरेंगे। हमें अभिनय करने का मौका मिल रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि निर्माता अमित, इस पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल के मुताबिक यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म से आगे जाएगी। उन्होंने कहा फिल्म में निर्माता बहुत अच्छी चीजें करने जा रहे हैं। यह फिल्म किसी भी तरह से हॉलीवुड से कम नहीं होगी। सनी देओल ने साथी कलाकार रणबीर कपूर के बारे में बात करते हुए कहा यह फिल्म महान होगी क्योंकि इसमें बहुत अच्छा कलाकार काम कर रहा है, वह (रणबीर कपूर) अपने प्रोजेक्ट को जीते हैं। पिछले महीने इंडिया टुडे ने जानकारी दी थी कि फिल्म में सनी देओल का स्क्रीन टाइम आधे घंटे का होगा।

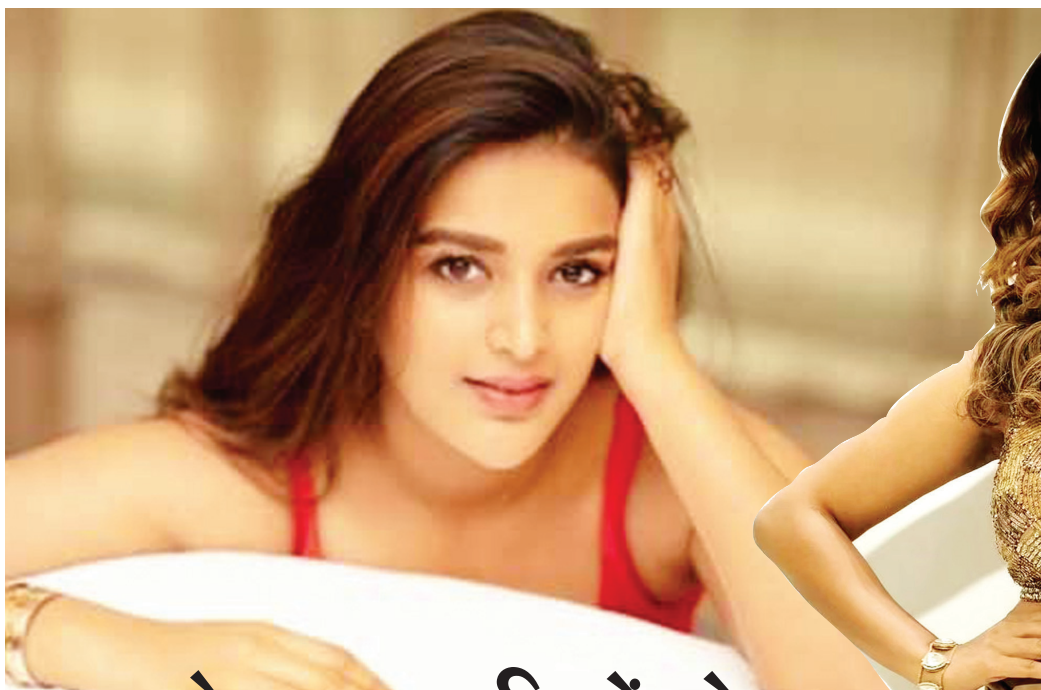

300 से ज्यादा लड़कियों को पछाड़ निधि अग्रवाल बनीं थी टाइगर श्रॉफ की हीरोइन

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की चमक-दमक भरी दुनिया में हर साल हजारों नए चेहरों की भरमार होती है, पर इनमें से सिर्फ कुछ ही लोग अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना पाते हैं। इन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री निधि अग्रवाल, जिनका सफर एक छोटे शहर की लड़की से बड़े स्क्रीन की चमकदार हीरोइन बनने तक बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने 2017 में रिलीज हुई फिल्म मुन्ना माइकल के जरिए फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, लेकिन इस डेब्यू के पीछे की कहानी जितनी फिल्मी लगती है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है, क्योंकि निधि को इस रोल के लिए 300 से ज्यादा लड़कियों के बीच से चुना गया था। फिल्मी दुनिया में कदम रखना आसान नहीं होता। निधि के लिए भी ऐसा था। लेकिन जब 2016 में निर्देशक सब्बीर खान और निर्माता विक्की राजानी ने फिल्म मुन्ना माइकल के लिए हीरोइन की तलाश शुरू की, तो देशभर से 300 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया। हर लड़की में कुछ खास था, पर निधि की चमक अलग थी। उनकी आत्मविश्वास भरी आंखें, डांस की सहजता और अभिनय की क्षमता ने उन्हें सबमें सबसे अलग और खास बना दिया। कहा जाता है कि वह फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ की भी पसंद थीं। 2017 में वह मुन्ना माइकल में टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाती हुई नजर आईं। यह फिल्म जब रिलीज हुई, तो निधि ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार भी हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू के बीच भी निधि की एक्टिंग और डांस ने लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस बेहतरीन डेब्यू के लिए जी सिने अवॉर्ड में उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यूटेंट का अवॉर्ड भी मिला, जिसने उनके करियर की शुरुआत को और भी मजबूत बनाया।

मुन्ना माइकल के बाद निधि ने साउथ इंडियन फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। 2018 में सव्यसाची से उन्होंने तेलुगु सिनेमा में एंट्री की। इस फिल्म के लिए उन्हें साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। बाद में आईस्मार्ट शंकर और कलगा थलाइवन जैसी फिल्मों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता और बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता मिली। निधि का टैलेंट सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। 2019 में उन्होंने ज्योतिका तंगरी के गाने उंगलीच रिंग डाल दे और बादशाह के अहो! मित्रा दी यस है में अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया। 2021 में सोनू सूद के साथ अल्ताफ राजा के गाने साथ क्या निभाओगे में भी उनकी केमिस्ट्री ने खूब तारीफें बटोरीं। उनकी एक और खास बात यह है कि निधि अपने ब्रांड एंडोर्समेंट्स में भी ईमानदार रही। 2019 में एक फेयरनेस क्रीम का विज्ञापन करने का ऑफर उन्होंने इसलिए ठुकरा दिया कि वह इसे अपने आत्मसम्मान और सिद्धांतों के खिलाफ मानती थीं।

मैं, मेरा सच, और बिना झिझक... अक्षरा सिंह का आत्मविश्वास भरा पोस्ट

भोजपुरी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह हमेशा से ही अपने ग्लैमरस अंदाज और अनोखे स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। उनकी फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में किए गए पोस्ट के चलते वह फैंस के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया है। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह मल्टीकलर लहंगे में नजर आ रही हैं, जो उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना रहा है। हर तस्वीर में अक्षरा अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने बेबाकी से वही बात कही है जिसके लिए वो जानी जाती हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ लिखा, मैं, मेरा सच, और बिना झिझक के जो मैं हूं। फैंस इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे है। ज्यादातर लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ कर रहे हैं।

यशराज के स्पाई यूनिवर्स में हुई बॉबी देओल की एंट्री

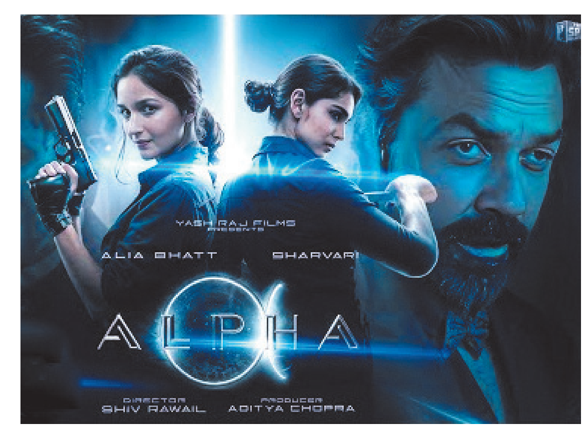

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को लेकर भी नई जानकारी सामने आ रही है। वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। हालांकि ये कोई मामूली झलक नहीं बल्कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट रहा।

अल्फा में हुई बॉबी देओल की एंट्री

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन का एक सीन वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल की शक्ल साफ तौर पर देखी जा रही है। इस सीन में बॉबी देओल एक लड़की के हाथ पर एंजेसी का स्टैंप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जब लड़की उनसे पूछती हैं कि ये क्या है तो वो अल्फा का नाम लेते हैं।

'अल्फा' के बारे में

यश राज फिल्म्स की अल्फा फिल्म का निर्माण शिव रावैल निर्देशित कर रहे हैं और यह क्रिसमस 2025 यानी 25 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म स्पाय वर्स में पहली महिला-नेतृत्व वाली कड़ी होगी, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य एजेंट की भूमिका में हैं। बॉबी देओल का किरदार उन्हें चुनौती देने वाला खलनायक होगा। अनिल कपूर और ऋतिक रोशन की कैमियो उपस्थिति भी इस फिल्म को और आकर्षक बनाएगी। फिल्म की शूटिंग मुम्बई, कश्मीर, पोलैंड और स्कॉटलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर की जा रही है। यहां तक कि ऋतिक रोशन का कैमियो भी अल्फा में शामिल किया गया है, जो वॉर 2 से इस अपकमिंग फिल्म को जोड़ेगा।

शरवरी का रिएक्शन

शरवरी वाघ ने सोशल मीडिया पर इस सीन को शेयर करते हुए अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने लिखा है, आप बॉबी देओल सर!! आपका स्क्रीन प्रेजेंस क्या जबरदस्त इंट्रोडक्शन था! वहीं, यह भी स्पष्ट हो गया है कि टाइगर या पठान जैसी बड़ी फिल्में वॉर 2 में शामिल नहीं होंगी।

बहुत सारा प्यार और थोड़ा सा वार लेकर आ रहे आर्यन खान, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के बड़े बेटे आर्यन खान भी अब ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, आर्यन पिता की तरह एक्टिंग में नहीं बल्कि निर्देशक के तौर पर बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। आर्यन अपना डेब्यू ओटीटी से कर रहे हैं। आज उनके डेब्यू शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक सामने आ गई है।

एक्शन और रोमांस से भरपूर होगा शो

1 मिनट 26 सेकंड के इस वीडियो में आर्यन खान सबसे पहले नजर आते हैं। वो अपने इस शो के बारे में बताते हैं। आर्यन अपने पिता शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' का सुपरहिट डायलॉग 'एक लड़की थी दीवानी सीज' बोलते हैं। इसी दौरान उनके शो की झलक भी देखने को मिलती है। जिसमें 'किल' फेम लक्ष्य लालवानी और आन्या सिंह नजर आते हैं। दोनों के बीच एक लव स्टोरी दिखाई जाती है। फिर टिपिकल बॉलीवुड फिल्म की तरह एक्शन और ड्रामा भी नजर आता है। जिससे जाहिर होता है कि आर्यन खान की यह वेब सीरीज एक फुल टिपिकल बॉलीवुड फिल्मों का मसाला होने वाली है। क्योंकि ये कहानी है बॉलीवुड की।

शाहरुख का होगा कैमियो

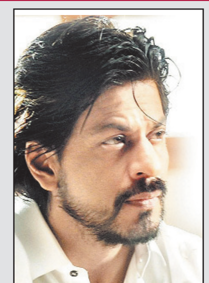

एक दिन पहले एक्स पर आस्क एसआरके सेशन में कई लोगों ने शाहरुख से आर्यन के पहले शो के बारे में पूछा था। इसी सेशन के दौरान जब लोगों ने सीरीज की कास्ट के बारे में पूछा तो शाहरुख ने बताया था कि आर्यन की सीरीज में इंडस्ट्री के कई प्यारे दोस्तों ने हिस्सा लिया है। वो इसके लिए उन सभी के आभारी हैं। साथ ही शाहरुख ने अपने कैमियो को भी कंफर्म किया था।

आर्यन कहते हैं पिक्चर तो कई साल से बाकी है, लेकिन शो अब शुरू होगा। आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को न सिर्फ डायरेक्ट किया है बल्कि लिखा भी है। अब 20 अगस्त को 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रिव्यू सामने आएगा, जिसमें शो के बारे में और भी जानकारी पता लग सकती है।

नेटफ्लिक्स पर आएगी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

आर्यन 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से इंडस्ट्री में अपने कदम रख रहे हैं। आर्यन इस शो से बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इसकी घोषणा के बाद से ही फैंस इसके लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

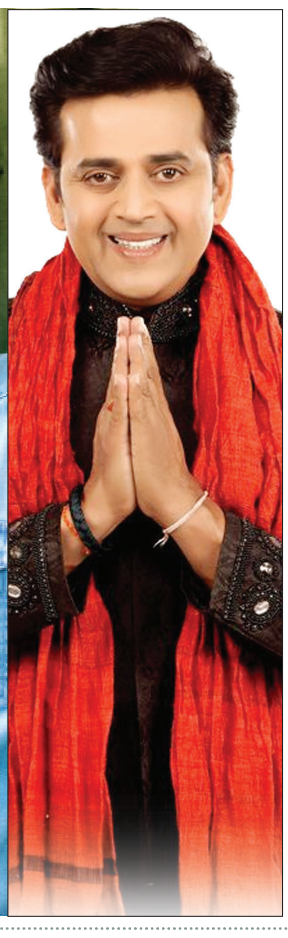

रवि किशन और जितेंद्र होंगे फिल्म मिर्जापुर का हिस्सा?

फिल्म मिर्जापुर पर जोर-शोर से काम चल रहा है। खबरों के मुताबिक इसमें रवि किशन और जितेंद्र कुमार होंगे। फैंस को उम्मीद है कि इस फिल्म में अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येन्दु शर्मा भी होंगे। हालांकि निर्माताओं ने अभी तक इस फिल्म की कास्ट को लेकर अधिकारिक तौर पर एलान नहीं किया है।

मुहूर्त पूजा में रवि और जितेंद्र नजर आए एक सूत्र के हवाले से एचटी ने लिखा है जितेंद्र कुमार और रवि किशन फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। दोनों के किरदारों को फैंस के लिए एक सरप्राइज के तौर पर रखा गया है। सूत्र ने आगे बताया फिल्म को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। कलाकारों के लुक टेस्ट और रीडिंग सेशन शुरू हो चुके हैं। यह सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। जितेंद्र और रवि भी प्री-प्रोडक्शन के काम में जुट गए हैं। फिल्म अगले महीने फ्लोर पर जाएगी।

2024 में हुआ था फिल्म का एलान

इस फिल्म का एलान 2024 में किया गया था। इसमें अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु के अलावा श्वेता त्रिपाठी भी नजर आ सकती हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं वहीं इसके निर्माता पुनीत कृष्णा हैं। बताया जाता है कि फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उसके बाद इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज किया जाएगा।

मिर्जापुर नाम से बन चुकी वेब सीरीज

मिर्जापुर के नाम से पहले एक वेब सीरीज बन चुकी है। वेब सीरीज मिर्जापुर भारत के सबसे पसंदीदा क्राइम ड्रामा में से एक है। यह सीरीज साल 2018 में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसकी कहानी गैंगवार, राजनीति, अपराध और पारिवारिक कलह को दिखाती है। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु ने बेहतरीन अदाकारी की थी।

कोर्टरूम ड्रामा में नजर आएंगे परेश रावल, द ताज स्टोरी का टीजर रिलीज

परेश रावल की आगामी फिल्म द ताज स्टोरी का टीजर आज गुरुवार को रिलीज हुआ है। इस फिल्म में मशहूर अभिनेता परेश रावल मुख्य भूमिका में हैं। टीजर में परेश एक अदालत में खड़े होकर बौद्धिक आतंकवाद के मुद्दे पर जोरदार बहस करते दिखाई दिए।

द ताज स्टोरी का टीजर हुआ रिलीज

द ताज स्टोरी एक सामाजिक ड्रामा है, जो सवाल उठाती है कि क्या आजादी के 79 साल बाद भी हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? यह फिल्म ताजमहल के निर्माण को लेकर भी सवाल खड़े करती है, जैसे कि क्या इसे वाकई शाहजहां ने बनवाया था? फिल्म द ताज स्टोरी में परेश रावल के अलावा जाकिर, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि विकास राधेशम क्रिएटिव प्रोड्यूसर और रोहित शर्मा संगीतकार हैं। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले निर्माताओं (स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज और सीए सुरेश झा) ने टीजर के साथ फिल्म की घोषणा की, जो दर्शकों में उत्साह और चर्चा पैदा कर रहा है। यह फिल्म 31 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

डायमंड लीगः

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, इस दिन होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

हालांकि, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

डूरंड कपः

डूरंड कप में ईस्ट बंगाल की मोहन बागान पर 2-1 से जीत

सेमीफाइनल में डायमंड हार्बर एफसी की चुनौती

कोलकाता/जमशेदपुर, एजेंसी। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी। ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया।

यूनान के स्ट्राइकर और स्थानापन्न खिलाड़ी दिमित्रियोस डायमांताकोस के दो गोल की मदद से ईस्ट बंगाल टीम ने रविवार को 134वें डूरंड कप फुटबाल के रोमांचक कोलकाता डर्बी में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान को 2-1 से हराकर चौंका दिया। 18वें मिनट में मैदान पर आए डायमांताकोस ने 38वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से गोल किया और फिर दूसरे हाफ के सातवें मिनट बाद ही अपने दूसरे गोल के साथ ईस्ट बंगाल की बढ़त को दोगुना कर दिया। मोहन बागान ने अनिरुद्ध थापा के 68वें मिनट में किए गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन ईस्ट बंगाल ने मजबूत रक्षण से अपनी पकड़ बनाए रखी। ईस्ट बंगाल का सेमीफाइनल में 20 अगस्त को डायमंड हार्बर एफसी से मुकाबला होगा जिसने पदार्पण वर्ष में जमशेदपुर को 2-0 से हराया। सैरुआटकिमा ने मैच के तीसरे और 41वें मिनट में गोल किए।

पूर्व चयनकर्ता का बड़ा बयान, प्रसिद्ध कृष्णा से पहले इस खिलाड़ी को मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य क्रिस श्रीकांत ने आगामी टी20 एशिया कप 2025 के लिए मोहम्मद सिराज का समर्थन किया। श्रीकांत को लगता है कि 31 वर्षीय सिराज को तेज गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते है। श्रीकांत ने कहा, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह का चयन तय है। मेरा मानना है कि सिराज को प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह दी जाएगी। उनमें लड़ने के गुण है। प्रसिद्ध ने आईपीएल में बहुत अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन अतिरिक्त मध्यम तेज गेंदबाज के रूप में सिराज को चुना जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, सच कहूं तो, प्रसिद्ध और सिराज दोनो ने गुजरात टाइटन्स के लिए अच्छी गेंदबाजी की। लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, सिराज में लय के साथ-साथ गति भी है। मैं सिराज के साथ खेलना जारी रखूंगा। श्रीकांत को यकीन नही है कि कुलदीप यादव टीम में जगह बना पाएंगे या नही। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर का समर्थन किया। कुलदीप यादव को जगह मिलती है या नहीं, यह तो देखना होगा। वह 15 खिलाड़ियो में शामिल हो सकते है, लेकिन मुझे नही लगता कि अगर वाशिंगटन सुंदर खेल रहे है तो वह अंतिम एकादश में होंगे। मैं वाशिंगटन सुंदर को चुनूंगा।

ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर, आकाश दीप को आराम की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन दलीप ट्रॉफी के पूर्वी क्षेत्र के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह वर्तमान में यूके में नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी क्रिकेट के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं। 28 नवंबर से शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए किशन की जगह पूर्वी क्षेत्र की टीम में ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। किशन को चोट के कारण कई टांके लगाने पड़े, यही वजह है कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले ऋषभ पंत की जगह नहीं चुना गया था, क्योंकि सुपरस्टार बल्लेबाज पैर की चोट के कारण बाहर हो गए थे। आखिरकार, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में तमिलनाडु के नारायण जगदीशन को उनकी जगह लिया गया।

किशन की चोट गंभीर नहीं है क्योंकि पूर्वी क्षेत्र के लिए अभियान के पहले मैच में न खेल पाना एहतियाती कदम है क्योंकि वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो चार दिवसीय मैच खेलने वाली भारत ए टीम में शामिल होने के लिए दौड़ में हो सकते हैं। किशन बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी रिकवरी और मूल्यांकन जारी रखेंगे। कुमार कुशाग्र उनकी जगह पहली पसंद के विकेटकीपर के रूप में खेल सकते हैं। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र को तेज गेंदबाज आकाश दीप की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी क्योंकि उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। उनकी चोट या अन्य परेशानी को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर जहां वह पीठ दर्द के कारण चौथे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 13 विकेट लिए थे, जिसमें बर्मिंघम में 10 विकेट भी शामिल है और उन्होंने ओवल में अंतिम टेस्ट मैच में एक शानदार अर्धशतक भी बनाया था। असम के मुख्तार हुसैन ने अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली टीम में उनकी जगह ली है। ईस्ट जोन अपने अभियान की शुरुआत शुभमन गिल की अगुवाई वाले नॉर्थ जोन के खिलाफ स्टेडियम में करेगा। रियान पराग, ईश्वरन को उप-कप्तान के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। टीम में मोहम्मद शमी भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले दो सालों में सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है और मुकेश कुमार भी।

दलीप ट्रॉफी के पहले मैच के लिए ईस्ट जोन की टीमः

अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), आशीर्वाद स्वैन (विकेट कीपर), संदीप पटनायक, विराट सिंह, दानिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), रियान पराग (उप-कप्तान), उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन और मोहम्मद शमी।

करियर की सबसे बुरी हार से टूटे नेमार, फूट-फूटकर रोए; सैंटोस के भड़के फैंस ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के सुपरस्टार नेमार रविवार (18 अगस्त) को अपने पेशेवर क्लब करियर की सबसे बुरी हार से टूट गए। वह फूट-फूटकर रोते दिखे। सैंटोस को ब्राजीलियन सेरी ए मैच में वास्को दा गामा के हाथों 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे हाफ में छह में से पांच गोल दागे जाने के बाद सदमे में डूबे नेमार फुल टाइम के बाद रोते दिखे। इस जीत के साथ 16वें स्थान पर काबिज वास्को दा गामा का सैंटोस से दो अंक पीछे 19 अंक रह गया। दोनों क्लब चार टीमों वाले रीलीगेशन जोन से बस थोड़ा आगे थे। लुकास पिटोन के शुरुआती गोल के बाद लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड कॉटिन्हो ने दूसरे हाफ में वास्को के लिए दो गोल दागे। डेविड कोरेया डी फोंसेका, रेयान और डैनिलो नेवेस के गोलों ने शानदार स्कोरलाइन को और मजबूत किया।

प्रशंसकों ने विरोध किया, कोच को बर्खास्त किया गया – नेमार को सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य और वास्को दा गामा के मुख्य कोच फर्नांडो डिनिज ने सांत्वना दी जब वह ड्रेसिंग रूम की ओर वापस लौट रहे थे। सैंटोस ने परिणाम पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और मैदान की ओर पीठ करके विरोध जताया। इस अपमानजनक हार के परिणामस्वरूप मुख्य कोच क्लेबर जेवियर को तत्काल बर्खास्त कर दिया गया।

प्रशंसकों को विरोध करने का पूरा अधिकार – जून में अपने बचपन के क्लब के साथ एक नया अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले नेमार ने कहा, मुझे शर्म आ रही है। मैं हमारे प्रदर्शन से पूरी तरह निराश हूं। प्रशंसकों को विरोध करने का पूरा अधिकार है, जाहिर है बिना हिंसा केज लेकिन अगर वे गाली देना और अपमान करना चाहते हैं तो उन्हें पूरा हक है। नया कोच आते ही सुनील छेत्री पर गिरी गाज, नेशंस कप के लिए भारत के 35 संभावित खिलाड़ियों में नाम नहीं

सीपीएल 2025ः

मुनरो का तूफानी शतक, पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा

शाहरुख खान की टीम ने जीत की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉलिन मुनरो की 57 गेंदों में 120 रनों की ऐतिहासिक पारी से ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 12 रनों से हरा दिया। 38 साल के न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी ने 14 चौके और छह छक्के लगाए। इस पारी के साथ वह शाहरुख खान की टीम ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने निकोलस पूरन का रिकॉर्ड तोड़ा। वह सीपीएल में संयुक्त रूप से तीसरे सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर वाले खिलाड़ी बन गए। मुनरो ने एलेक्स हेल्स (27 गेंदों पर 47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 114 रन जोड़े। इससे ट्रिबागो नाइट राइडर्स का स्कोर 231/5 हो गया। यह टूर्नामेंट के इतिहास का सातवां सर्वोच्च स्कोर था। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए काइल मेयर्स (32) और आंद्रे फ्लेचर (41) ने पहले विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी की, लेकिन यह जोड़ी पांच गेंद के अंदर स्पिनर उस्मान तारिक और अकील होसेन का शिकार बन गई।

- **नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंची** – कप्तान होल्डर ने 22 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम 7 विकेट पर 219 ही बना पाई। अपने पहले मैच में जीत से नाइट राइडर्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पैट्रियट्स तीन मैचों में एक जीत के साथ एक स्थान गिरकर तीसरे नंबर पर आ गई। मुनरो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन दुनिया भर की टी20 लीग में अपनी धाक जमाए हुए हैं। उन्होंने चार साल बाद अपना पहला टी20 शतक लगाया। इससे पहले वह सीपीएल में दो साल पहले सेंट लूसिया किंग्स के लिए खेले थे।
- **ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी** – ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ पारी कोलिन मुनरो के नाम हो गई। इस टीम के लिए उन्होंने दूसरा शतक लगाया। इससे पहले सर्वश्रेष्ठ पारी निकोलस पूरन के नाम था। पूरन ने बारबडोस रॉयल्स के खिलाफ 2023 में नाबाद 102 रन बनाए। इसके अलावा वह 101 रन की पारी के साथ तीसरे नंबर पर भी काबिज हैं।

भारतीय क्रिकेट में आई सुमित नाम की सनसनी, 19 रन देकर निपटाई आधी टीम, ऐसा करने वाला तीसरा गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। 2018 में बुमराह को आते देखा. 2020 में सिराज का उदय हुआ. तो क्या 2025 सुमित का होगा? भारत में स्टेट लेवल पर क्रिकेट लीग क्या शुरू हुई, उससे नए-नए खिलाड़ी भी सामने आने लगे हैं. सुमित कुमार बेनीवाल एक ऐसा ही नाम है, जो कि DPL 2025 में अपनी छाप छोड़कर चमका है. इस चमकते सितारे को बुमराह-सिराज वाली कतार में खड़ा होने में भले ही अभी वक्त हो लेकिन उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में जो किया है, वो कमाल है और बेमिसाल भी. 26 साल के सुमित बेनीवाल इस लीग में वैसा करने वाले तीसरे गेंदबाज हैं. सुमित कुमार बेनीवाल बॉलिंग ऑलराउंडर हैं, जो एक दाएं हाथ के खिलाड़ी हैं. DPL 2025 में सुमित साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज का हिस्सा हैं. 17 अगस्त को पुरानी दिल्ली के खिलाफ खेले मुकाबले में सुमित बेनीवाल ने सिर्फ 19 रन देकर आधी टीम निपटा दी. उन्होंने ये कमाल अपने कोटे के 4 ओवर में किए. सुमित अपनी पहली गेंद से ही पुरानी दिल्ली के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटने लगे.

ऐसे लिए मैच में एक-एक कर 5 विकेट – मैच में अपना पहला ओवर लेकर आए सुमित ने पहली गेंद पर पुरानी दिल्ली के समर्थ सेठ को आउट किया. फिर दूसरी गेंद पर प्रणव पंत को. अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेने वाले सुमित को तीसरा विकेट अपने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर मिला. इस बार उन्होंने वंश वेदी को चलता किया. इसके बाद जब वो अपना तीसरा ओवर लेकर आए तो उसकी आखिरी गेंद पर ललित यादव को आउट किया. जबकि अपने आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर उन्होंने अपना 5वां शिकार किया. इस तरह उन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 5 विकेट लिए.

सुमित की इस घातक गेंदबाजी का असर ये हुआ कि पुरानी दिल्ली की टीम 20 ओवर में सिर्फ 138 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. वो 46 रन से मुकाबला हार गई. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की थी और 20 ओवर में 184 रन बनाए थे. सुमित कुमार बेनीवाल DPL 2025 में 5 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं. उनसे पहले उधव मोहन और कुलदीप यादव कारनामा कर चुके हैं.

एशिया कप के लिए भारतीय टीम चयन

गिल की पहेली को सुलझाना सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय चयन समिति संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए मंगलवार को जब 15 सदस्यीय टीम का चयन करेगी तो उसके सामने एक मजबूत टी20 ढांचे में शुभमन गिल जैसे शानदार बल्लेबाज को फिट करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

इंग्लैंड दौरे ने अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले गिल के लिए 9 से 28 सितंबर तक होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेलने वाली टीम में जगह बनाना मुश्किल नजर आ रहा है। अजीत अगरकर और उनके सहयोगियों के लिए यह सबसे बड़ी पहेली होगी, लेकिन भारतीय क्रिकेट इस समय टी-20 प्रतिभाओं का कारखाना है, जिसमें कम से कम 30 खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में आने के लिए तैयार हैं और एक स्थान के लिए तीन से चार विकल्प उपलब्ध हैं। बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष तीन स्थानों के लिए समान योग्यता रखने वाले छह क्रिकेटर उपलब्ध हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने पिछले सत्र में राष्ट्रीय टीम की तरफ से शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन गिल, यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन को भी उनसे कम करके नहीं आंका जा सकता। गेंदबाजी में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के बीच एक स्थान के लिए संघर्ष है। इन सबमें सबसे चतुर खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को लंबे समय से नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। लेकिन चयनकर्ता केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं और टी-20 टीम के निर्णय लेने वाले पदों पर बैठे लोगों का दृष्टिकोण दिलचस्प है। टीम प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण सदस्य का मानना है कि पिछले सत्र में नियमित रूप से अंतिम एकादश में शामिल रहे किसी भी खिलाड़ी को किसी बड़े स्टार को जगह देने के लिए टीम से बाहर करना सही नहीं होगा।

दूसरी विचारधारा यह है कि भारतीय क्रिकेट सभी प्रारूपों में खेलने वाले एक कप्तान के साथ सही दिशा में आगे बढ़ता है जो उसका सबसे बड़ा मार्केटिंग ब्रांड भी बन जाता है। इस मामले में गिल सभी हितधारकों के लिए एक स्पष्ट विकल्प हैं। सूर्यकुमार यादव के कुशल नेतृत्व में भारतीय टी20 टीम का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत का है और उसने अपने पिछले 20 मैचों में से 17 में जीत हासिल की है। इनमें से किसी भी मैच में गिल और जायसवाल शामिल नहीं थे।

पिछले एक साल में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने से पहले गिल और जायसवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे और उन्होंने IPL में भी अच्छा प्रदर्शन किया। गिल दरअसल सूर्य कुमार के साथ उप कप्तान थे लेकिन उन्हें टेस्ट मैचों के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हटना पड़ा। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया था। चयनकर्ता अगर गिल को 15 खिलाड़ियों में चुनते हैं तो उन्हें फिर अंतिम एकादश में भी रखना होगा, जिसका मतलब है कि संजू, अभिषेक या तिलक में से किसी एक को अपने बल्लेबाजी स्थान से समझौता करना होगा। शुभमन को टीम में शामिल करने का मतलब रिंकू सिंह को बाहर करना भी हो सकता है। इस बड़े हिटर ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के दौर में कोलकाता नाइट राइडर्स या भारत के लिए कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। अगर तेज गेंदबाजी विभाग की बात करें तो हार्दिक पंड्या एक बेहतरीन फ्रंटलाइन तेज गेंदबाज हैं और जसप्रीत बुमराह तथा अर्शदीप सिंह का टीम में होना स्वाभाविक है, ऐसे में रिजर्व तेज गेंदबाज के स्थान के लिए तीन विकल्प हैं। इस स्थान के लिए हर्षित राणा पसंदीदा दिख रहे हैं क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज दोनों को लाल गेंद का विशेषज्ञ माना जा रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला दो अक्टूबर से शुरू होगी इसलिए समझा जा रहा है कि अपेक्षाकृत कमजोर मेहमान टीम के खिलाफ बुमराह की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि प्रसिद्ध और सिराज तरोताजा और खेलने के लिए तैयार होंगे। स्पिन विभाग में अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव पहली तीन पसंद हैं।

गौतम गंभीर ऑलराउंडर को प्राथमिकता देते हैं और ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है। नितीश कुमार रेड्डी और ऋषभ पंत अभी चोटों से उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में शिवम दुबे का टीम में चयन निश्चित है। दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिए जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल के बीच मुकाबला है। जितेश शर्मा फिनिशर की भूमिका भी अच्छी तरह से निभा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

फाजिलपुरिया, सिद्धू मूसेवाला, एल्विश यादव; स्टार्स पर फायरिंग के पीछे हैं तीन वजहें

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंगर्स, सिलेब्रिटी और इन्फ्लुएंसर्स पर हाल के दिनों में लगातार फायरिंग और हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। चंडीगढ़ से लेकर कनाडा तक महज कुछ महीनों में कई कलाकारों और उनके रेस्तरां को निशाना बनाया गया है। इन हमलों के पीछे महज रुपयों (रंगदारी) की नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता, गैंग की ब्रैंडिंग और टेरर फंडिंग का भी बड़ा खेल है। पुलिस और खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इसके पीछे 'क्रिमिनल-नारको नेक्सेस' काम कर रहा है जो देश के युवाओं को साथ जोड़कर इन हमलों को अंजाम दे रहा है। पूर्व जॉइंट सीपी स्पेशल सेल और पूर्व ईडी निदेशक करनैल सिंह ने बताया कि जैसे पहले मुंबई की चमक-दमक में गैंगस्टर्स की एंट्री हुई थी, वैसे ही अब पंजाब में दिखाई दे रही है। कनाडा अब गैंगस्टर्स के लिए सेफ हेवन बन चुका है। वे यहीं से अपने नेटवर्क को कंट्रोल कर रहे हैं और युवाओं को एक्सटोर्शन के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इन पैसों का इस्तेमाल अब टेरर फंडिंग में भी हो रहा है। अगर हमें इस चेन को तोड़ना है तो सबसे पहले इन गैंगस्टर्स के कम्युनिकेशन को तोड़ना होगा। एक रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी ने बताया कि बिहार के भोजपुरी कलाकार भी समय-समय पर धमकियों और रंगदारी की शिकायत करते रहे हैं। कुछ मामलों में शो आयोजित करने वाले आयोजकों से भी रंगदारी मांगी गई। पंजाब और हरियाणा में गैंग कल्चर ज्यादा खुलकर सोशल मीडिया पर एक्टिव है। बिहार,यूपी में धमकी ज्यादातर रंगदारी और लोकल लेवल पर शो या इवेंट से जुड़ी होती हैं। एआईजी, एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब पुलिस के गुरमीत सिंह चौहान के मुताबिक, 'सिद्धू मूसेवाला का मामला पूरी तरह पर्सनल था, लेकिन बाकी ज्यादातर हमले नाम बनाए रखने की जंग का हिस्सा हैं। विदेशों में बैठे मास्टरमाइंड पकड़े बिना यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। यह एक तरह का वायरस बन चुका है, जो कई देशों में भी फैल चुका है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में बैठे गैंगस्टर्स, पंजाब और हरियाणा के युवाओं को सोशल मीडिया और पैसों के लालच में फंसा रहे हैं।

दिल्ली में 41 राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू, किन-किन पार्टियों को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव में अपने उम्मीदवार न उतारने वाले 41 राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिनका 27 अगस्त तक जवाब देना है। जिन पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें आम आदमी मुक्ति मोर्चा, आदर्श राजनीतिक दल, बहुजन समाजवादी पार्टी (बाबा साहेब), जन कल्याण पार्टी और भारतीय व्यापार पार्टी शामिल हैं। 12 अगस्त की तारीख वाले सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि सीईओ कार्यालय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए और संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत कार्रवाई कर रहा है। उसने पाया कि इन पार्टियों ने न तो लोकसभा और न दिल्ली विधानसभा या कोई उपचुनाव लड़ा है। अन्य पार्टियों में अग्र जन पार्टी, अखंड भारत समाज पार्टी, लेबर पार्टी ऑफ इंडिया, लोक निर्माण दल, प्रजा कांग्रेस पार्टी, राष्ट्रीय विकास मोर्चा, समता संघर्ष पार्टी और स्वराज जनता पार्टी आदि शामिल हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी दलों से 27 अगस्त तक अध्यक्ष या महासचिव को हलफनामा पेश करने को कहा है। 22 अगस्त को व्यक्तिगत सुनवाई निर्धारित की गई है। ने 2019 में हुए किसी भी चुनाव, चाहे वह लोकसभा हो या किसी राज्य विधानसभा या उपचुनाव, में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। इससे यह स्वतः स्पष्ट है कि उक्त दलों ने उपरोक्त धारा 29ए के प्रयोजनों के लिए राजनीतिक दल के रूप में कार्य करना बंद कर दिया है। नोटिस में कहा गया है कि आयोग, भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन राजनीतिक दलों को सूची से हटाने का प्रस्ताव करता है।

दिल्ली को डरा रही यमुना, हथिनीकुंड बैराज के सभी 18 गेट खोले गए

नई दिल्ली, एजेंसी।
लगतार बारिश के चलते उफान पर आई यमुना के कारण दिल्ली में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज के सभी 18 गेट खोल दिए गए हैं। इस मौसम में यह पहली बार था जब बैराज के सभी गेट खोले गए हैं। भारत में गंगा सहित कई नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार तक 206 मीटर पर पहुंच सकता है।

सिंचाई विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विजय गर्ग ने बताया कि भारी बारिश के कारण नदी में 1.78 लाख क्यूसेक पानी आ गया है, जिससे जलस्तर बढ़ गया है। गर्ग ने कहा, हाल ही में हुई बारिश के बाद नदी में 1.78 लाख क्यूसेक पानी आ गया है। यह इस मौसम का सबसे अधिक जलस्तर है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से रविवार को जारी एक एडवाइजरी में कहा गया है कि दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 19 अगस्त तक 206 मीटर तक पहुंचने की आशंका है, जो 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार कर जाएगा। रविवार शाम करीब 7 बजे यमुना नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार करते हुए पुराने रेलवे पुल पर 204.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था। दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का स्तर 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाती है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ जोखिमों की निगरानी के लिए एक प्रमुख निरीक्षण पॉइंट के रूप में काम करता है। एडवाइजरी में कहा गया है, आज 17

अगस्त को हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और ऊपरी यमुना क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए, यह सूचित किया जाता है कि दिल्ली रेलवे पुल पर जल स्तर 19 अगस्त 2025 को देर रात लगभग दो बजे 206.00 मीटर को पार कर सकता है। सीडब्ल्यूसी ने कहा कि सभी संबंधित एजेंसियों से बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, ''जल स्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है।'' बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से इस सीजन में सबसे अधिक मात्रा में लगभग 1,27,030 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

बिजली का लोड कम कराने को मकान मालिक', दिल्ली हाईकोर्ट ने किरायेदार के हक में सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने वाला एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई किरायेदार अपने बिजली मीटर का लोड कम कराना चाहता है तो इसके लिए उसे मकान मालिक से अनापत्ति पत्र (एनओसी) की आवश्यकता नहीं है। वह स्वयं आवेदन देकर यह काम करवा सकता है।

जस्टिस मिनी पुष्करणा की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि यहां मामला सीधे-सीधे बिजली उपयोग से जुड़ा है। बिजली का वास्तविक उपभोक्ता किरायेदार है, इसलिए उसे यह अधिकार होगा कि वह अपनी आवश्यकता के अनुसार बिजली लोड कम करा सके। मकान मालिक का किराये से मिलने वाला लाभ प्रभावित नहीं होता, इसलिए इस प्रक्रिया में उसकी अनुमति लेना जरूरी नहीं है। बेंच ने कहा कि किरायेदार को वास्तविक खपत से ज्यादा बिल चुकाने के लिए मजबूर करना न्यायसंगत नहीं है। कई बार संपत्ति विवादों के चलते किरायेदारों को अनावश्यक बोझ उठाना पड़ता है। हाईकोर्ट ने इस मामले में किरायेदार की याचिका को स्वीकार करते हुए बिजली कंपनी बीएसईएस को निर्देश दिया कि वह संबंधित किरायेदार का मीटर लोड 16 केवीए से घटाकर उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार करे। अदालत ने कहा कि इस आदेश का असर चल रहे संपत्ति विवादों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल किरायेदार के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है। साथ ही, अदालत ने बिजली कंपनी को निर्देश दिया कि आवेदन प्राप्त होने के चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई की जाए।

मामला अंसल टॉवर स्थित एक महंगे फ्लैट का है, जहां किरायेदार वर्षों से रह रहा था। फ्लैट की मालिक महिला का निधन हो चुका था और उनकी वसीयत के अनुसार संपत्ति बड़े बेटे की पत्नी के नाम ट्रांसफर होनी थी, लेकिन भाइयों के बीच विवाद के चलते संपत्ति का ट्रांसफर नहीं हो पाया। नतीजतन, डेढ़ दशक पुराना बिजली लोड जस का तस बना रहा। किरायेदार का कहना था कि उसकी खपत काफी कम है, लेकिन मीटर का लोड अधिक होने के कारण बिल भी भारी आ रहा था। राहत की उम्मीद में उसने बिजली कंपनी से लोड घटाने का आवेदन किया।

2 स्पेनिश युवकों ने बनाए थे दिल्ली मेट्रो यार्ड में आपत्तिजनक चित्र, आधी रात को कर गए कांड

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली मेट्रो के यमुना बैंक यार्ड के अंदर की दीवारों और मेट्रो ट्रेन पर आपत्तिजनक चित्र और संदेश लिखने मामला सामने आया है। मेट्रो पुलिस की जांच के अनुसार स्पेन से आए दो युवाओं ने यह हरकत की थी। इसके बाद वे 25 जुलाई को वापस अपने देश लौट गए। मेट्रो पुलिस इन युवाओं की एलओसी (लुकआउट सर्कुलर) खुलवाने की तैयारी कर रही है। ऐसे में मेट्रो की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के बाद मेट्रो सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियां भी उजागर हुई हैं।

जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई की सुबह जब कर्मचारी डिपो पहुंचे तो दीवारों और कोचों पर रंगीन स्प्रे पेंट से बने चित्र और संदेश देखकर हैरान रह गए। यमुना बैंक मेट्रो थाने में तत्काल मामला दर्ज किया गया। डीसीपी मेट्रो कुशल पाल सिंह के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई और जांच शुरू हुई। शुरुआती पड़ताल में सामने आया कि डिपो के कई सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े थे, जिसकी वजह से जांच में विलंब हुआ।

जांच में यह भी पता चला कि दोनों युवक 23 जुलाई की रात करीब 12:15 बजे जंगल के रास्ते आए और 15 फीट ऊंची दीवार रस्सी के सहारे फांदकर डिपो के अंदर पहुंचे। 5 घंटे तक दोनों ने मेट्रो कोचों और दीवारों पर पेंटिंग की और सुबह करीब 5 बजे वापस निकल गए। इसके बाद वे ऑटो से पहाड़गंज स्थित अपने होटल लौटे। अगले दिन दोनों आईजीआई एयरपोर्ट से फ्लाइट पकड़कर स्पेन रवाना हो गए। पुलिस द्वारा देर रात डिपो इलाके में सक्रिय मोबाइल नंबरों की सीडीआर और आईपीडीआर खंगाली गई। जांच में दो भारतीय और दो विदेशी नंबर सक्रिय मिले। सभी नंबरों की लोकेशन एक ही रूट पर पाई गई। इसके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। यह भी सामने आया कि घटना के बाद दोनों विदेशी युवक गोल मार्केट भी गए थे। हजारों कर्मचारियों और यात्रियों की रोजाना आवाजाही वाले संवेदनशील डिपो में इस तरह विदेशी युवकों का घुसकर कई घंटे तक गतिविधियां करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

दिल्ली के स्कूलों में 8 लाख छात्रों की दक्षता परखेगी सरकार, निपुण भारत प्रोग्राम से होगा आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लगभग 8 लाख छात्रों का निपुण भारत कार्यक्रम के तहत विषयवार आकलन किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस पहल के तहत छात्रों में पढ़ने की क्षमता की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करेगी। शिक्षा विभाग इसी माह से छात्रों का आकलन शुरू करने की तैयारी में है। क्लास एक से लेकर आठवीं तक के छात्रों का इस योजना के तहत आकलन होगा। इस योजना के तहत जो स्कूल निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे, उन्हें निपुण विद्यालय घोषित किया जाएगा।

सरकार का लक्ष्य 2026-27 तक कक्षा आठवीं तक पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) प्राप्त कराना है। निपुण आकलन छात्रों की भाषा और गणित की दक्षता का मूल्यांकन करेगा। यही नहीं, छात्रों की प्रगति की सतत जानकारी भी विभाग को मिलती रहेगी। इससे पढ़ाई की गुणवत्ता का विश्लेषण और सुधार संभव हो सकेगा। इसमें छात्रों के लिए

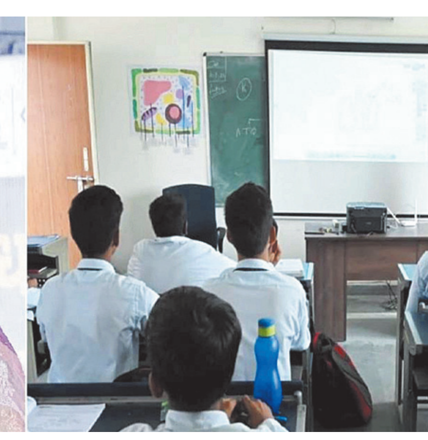

विषयवार प्रश्न बैंक तैयार किया गया है। इसमें उनकी समझ और सीखने की क्षमता जांचने के लिए तात्कालीक आधार पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

परीक्षा आयोजित होगी : छात्रों का आकलन अलग-अलग चरण में किया जाएगा। मौजूदा समय में सरकारी स्कूलों में लगभग 16.6 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनमें आठवीं तक के छात्रों की संख्या करीब आठ लाख है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि छात्रों के सीखने के स्तर को मापने के लिए परीक्षा भी कराई जाएगी। इस कार्यक्रम के लिए एससीईआरटी में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। वेदिता रेड्डी, निदेशक, शिक्षा निदेशालय, निपुण बेस असेसमेंट से छात्रों में असल समझ का पता चलेगा। इसका परिणाम आने के बाद नई रणनीति बनाई जाएगी।

आतंकी पन्नू ने वाशिंगटन में करवाया रेफरेंडम

वाशिंगटन , एजेंसी।
खालिस्तानी समर्थक व सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में रेफरेंडम करवाया है। पन्नू ने इस रेफरेंडम का वीडियो भी जारी किया है। जिसमें दावा कर रहा है कि वे हिंदुस्तान के टुकड़े करने के लिए बम तैयार कर रहा है। लेकिन इसके साथ ही एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें एक पंडाल में खाली कुर्सियां नजर आ रही हैं।

पन्नू वीडियो में दावा कर रहा है- ये हिंदुस्तान में टुकड़े करने के लिए बम तैयार किए हैं। जितने भी बम बने हैं, वे अपने झंडे खड़े करें- जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल। हर एक बम में रेफरेंडम का बारूद है। हिंदुस्तान को तहस-नहस किया जाएगा। खालिस्तान जिंदाबाद। इसके साथ ही वॉशिंगटन डीसी में खालिस्तान समर्थक दिल्ली बनेगा खालिस्तान और हरियाणा बनेगा खालिस्तान के भी नारे लगाते वीडियो में दिखे।

पन्नू की तरफ से जो वीडियो जारी की गई है, वे 1 मिनट 28 सेकेंड की है। जिस तरह की कोशिश वे भारत को नीचा दिखाने की वे

कर रहा है, वे विफल होती दिख रही है। दरअसल, उसने इस वीडियो को बनाने के लिए फोकस कुछ लोगों तक ही सीमित रखा, ताकि वे रेफरेंडम के फेल होने की हकीकत को छिपा सके। पन्नू का दावा है कि वाशिंगटन डीसी में तकरीबन 16 हजार वोट डली है। लेकिन हकीकत इससे काफी परे है। दरअसल, जिस तरह का शोर पन्नू डाल रहा था, ना तो वाशिंगटन डीसी में भीड़ इकट्?ठी हुई और ना ही उतने लोग पहुंचे। पन्नू की तरफ से जो रेफरेंडम करवाया गया, उसका सच जाहिर करते हुए एक तस्वीर जनतक हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल इस तस्वीर ने पन्नू का दावा पूरी तरह से खारिज कर दिया। दरअसल, इस तस्वीर में 50 फीसदी से अधिक कुर्सियां ही खाली नजर आ रही हैं। जो लो बैठे हैं, वे भी आपस में बातें करते ही दिख रहे हैं।जिस तरह का दावा पन्नू कर रहा था, कि लोग आकर भारत के खिलाफ वोट डाल रहे हैं, वे पूरी तरह से झूठा होता दिखा।

अमेजन अपने कर्मचारियों को टेक्नोलॉजी में अपस्किल कर रही

वाशिंगटन , एजेंसी।
तकनीक की दुनिया में बड़ा सवाल है कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के दौर में रोबोट्स का भविष्य क्या होगा। इसी सवाल का जवाब तलाशने भास्कर पहुंचा टोक्यो, जहां अमेजन ने अपने सालाना इवेंट 'डिलिवरिंग द फ्यूचर' का आयोजन किया। टेक्नोलॉजी के लिए मशहूर जापान में हुए इस कार्यक्रम में अमेजन ने अपना 10 लाख वां रोबोट तैनात किया।

आज अमेजन के दुनियाभर के फुलफिलमेंट सेंटर्स में 10 लाख से अधिक रोबोट सक्रिय हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल रोबोट बेड़ा बनाते हैं। मोबाइल रोबोटिक्स के क्षेत्र में अमेजन दुनिया की सबसे बड़ी निर्माता और ऑपरेटर है। रोबोट्स का भविष्य कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स में कंपनी के चीफ टेक्नॉलॉजिस्ट टाई ब्रैडी कहते हैं कि रोबोट्स का भविष्य कोलैब्रेटिव रोबोटिक्स में है, यानी ऐसे रोबोट्स जो इंसानों को रिप्लेस करने के बजाय उनकी क्षमताओं को बढ़ाएं और उन्हें सुरक्षित माहौल में काम करने में मदद करें। अमेजन ने भविष्य की नौकरियों और चुनौतियों के लिए खासकर एआई और रोबोटिक्स के क्षेत्र में 7 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को ट्रेनिंग से अपस्किल किया है। अमेजन ने जनरेटिव एआई मॉडल डीप फ्लीट शुरू किया है। यह तकनीक फुलफिलमेंट सेंटर्स में रोबोट्स को कोऑर्डिनेट करेगा। इससे रोबोट्स के काम करने का समय 10त्न कम हो गया है। इससे ग्राहकों को जल्दी और कम लागत पर ऑर्डर मिलेगा। 2. एआई से पता कर रहे ग्राहकों की जरूरत एआई युक्त फोरकास्ट मॉडल से कंपनी पता करती है कि किस क्षेत्र में कब, कहां, किस उत्पाद की ग्राहकों को जरूरत है। पहले अमेजन सहित अधिकांश कंपनियों में यह सेल्स की हिस्ट्री यानी ग्राहकों के पिछले ऑर्डर ट्रेंड को देखकर यह किया जाता था। कंपनी इसे अमेरिका, कैनेडा, मैक्सिको और ब्राजील में शुरू कर चुकी है और ये जल्द दूसरी जगह भी शुरू होगा।

पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही, पूरे के पूरे गांव बर्बाद; 1000 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। बाढ़ की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रधानमंत्री के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) मामलों के सूचना समन्वयक इख्तियार वली खान ने हालात पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि खैबर पख्तूनख्वा में हाल ही में आई अचानक आई बाढ़ में लगभग 1,000 लोगों की मौत होने की आशंका है।

वली ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया है। बड़े पैमाने पर तबाही देखी है। उन्होंने कहा, पूरे गांव बर्बाद हो गए हैं। बुनेर के चघरजी इलाके में भारी तबाही हुई है। बशोनी गांव पूरी तरह से नक्शे से गायब हो गया है। बाढ़ के पानी में बहकर आए कुछ पत्थर ट्रकों से भी बड़े थे। नदी किनारे बसे घर गायब हैं। पूरे के पूरे परिवार बह गए हैं। किसी की कोई खोज खबर नहीं है।

आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित: उन्होंने खुलासा किया कि आधिकारिक आंकड़े केवल अस्पतालों में लाए गए शवों पर आधारित हैं। अब तक लगभग 600 से ज्यादा शव

बरामद हुए हैं। हालांकि, कई और हताहतों की सूचना अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने आंशका जताई कि अकेले दीर में ही मौतों की संख्या 1,000 से ज्यादा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, 26 जून से अब तक पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में 392 पुरुषों सहित कम से कम 657 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 929 अन्य घायल हुए हैं। कुल मृतकों में 171 बच्चे और 94 महिलाएं थीं। घायलों में 437 पुरुष, 256 बच्चे और 236 महिलाएं हैं। एनडीएमए ने बताया कि मौतें मूसलाधार मानसूनी बारिश, अचानक आई बाढ़ और संबंधित आपदाओं के कारण हुईं। उसने यह भी कहा कि वह सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, जहां 390 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 288 पुरुष, 59 बच्चे और 43 महिलाएं शामिल हैं। केपी में 245 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें 161 पुरुष, 45 बच्चे और 39 महिलाएं शामिल हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बाढ़ के कारण हुई दुखद मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया है। महासचिव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता जताई। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र की टीमें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सरकारों के साथ हैं।

चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

बीजिंग, एजेंसी। भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया। यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था।

भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती

भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।

वज्रपात से बचाव के लिए सतर्कता जरूरी : उपायुक्त

उपायुक्त ने वज्रपात सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला अंतर्गत गोमिया, कसमार, चास एवं चंदनकियारी के कुछ पंचायतों में 'वज्रपात से बचाव' विषय पर जागरूकता रथ को उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय परिसर से झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त एलईडी वैन एवं जागरूकता टीम द्वारा जिले के चार प्रखंडों के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र में किया जा रहा है, जो विद्यालय, ग्रामीण हाट/बाजार, स्वास्थ्य केंद्र, प्रमुख चौक-चौराहे, पंचायत कार्यालय आदि कुल 56 स्थानों पर निर्धारित है। मौके पर अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार उपस्थित थे। वज्रपात सुरक्षा रथ में लगे एलईडी स्क्रीन पर वीडियो के जरिए ग्रामीणों को वज्रपात से बचाव के लिए सतर्कता का संदेश देगा। यह जागरूकता भान आज यानी 18 अगस्त से आगामी 03 सितंबर, 2025 तक लोगों को जागरूक किया जाएगा। वज्रपात जिले की सबसे प्रमुख आपदाओं में से एक है, जिससे जान माल की व्यापक क्षति होती है। जिला प्रशासन त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए प्रभावित व्यक्तियों के आश्रितों को सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान की राशि चार लाख रुपये उपलब्ध कराती है।

जिले के 56 स्थानों पर पंचायतों में वज्रपात जागरूकता रथ घूमेगा–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिला के लोगों को वज्रपात से बचाने के लिए जन जागरूकता मुहिम चलाने का फैसला लिया है। इसी निर्णय के अंतर्गत जिले के सभी चार प्रखंडों के विद्यालय, ग्रामीण हाट/बाजार, स्वास्थ्य केंद्र, प्रमुख चौक-चौराहे, पंचायत कार्यालय आदि कुल 56 स्थानों पर पंचायतों में वज्रपात जागरूकता रथ घूमेगा और वहां के ग्रामीणों तथा वहां रह रहे निवासियों को आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों को एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बताया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि हर साल तड़ित से कई लोग असमय समय चले जाते हैं। लोगों के असामयिक निधन से परिवार के साथ राज्य को अपूरणीय क्षति होती है। प्राकृतिक आपदा रूपी विद्युतपात की आशंका जिन क्षेत्रों में ज्यादा महसूस की जाती है, वहां प्राथमिकता के तौर पर इस रथ को घुमाया जाएगा और जागरूकता फैलाई जाएगी।

कपड़ा सुखाने के लिए तार की जगह जूट या सूत की रस्सी का करें प्रयोग–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने संदेश देते हुए कहा कि तड़ित की संभावना को देखते हुए इससे बचाव के लिए जब घर के भीतर रहें तब बिजली संचालित उपकरण से खुद को दूर रखें। तार वाले टेलीफोन के उपयोग से बचें। कपड़ा सुखाने के लिए तार की जगह जूट या सूत की रस्सी का प्रयोग करें। घर के बाहर हों तो वृक्ष के नीचे पनाह न लें। ऊंचे इमारत वाले क्षेत्रों में भी जाने से बचें। उपायुक्त ने जागरूकता रथ से दी जा रही जानकारी को गंभीरता से लिए जाने का आग्रह करते हुए कहा कि खुद सतर्क रहें और दूसरों को भी सजग और सचेत रहने के लिए प्रेरित करें।

दामिनी ऐप का करें प्रयोग –

आकाश से गिरने वाली बिजली हर साल सैकड़ों लोगों की जान लेती है। पर, अगर कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो खुले आसमान के नीचे रहकर भी आसमान से गिरने वाली बिजली से अपनी जान बचाई जा सकती है। इसके लिए संभावित मौत को रोकने के लिए दामिनी ऐप विकसित किया गया है। इस ऐप को मौसम विभाग की तरफ से तैयार किया गया। यह ऐप हमें करीब 20 किलोमीटर की रेंज में बिजली गिरने की जानकारी प्रदान करता है। बिजली गिरना रोका तो नहीं जा सकता है, लेकिन इससे बचाव किया जा सकता है।

'बधाई हो बेटी हुई है' जैसे कार्यक्रमों को जन आंदोलन बनाएं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। मौके पर उप

विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी पीयूष कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता झा उपस्थित थी। उपायुक्त अजय नाथ झा ने समीक्षा के क्रम में कहा कि वैसे सभी लाभुकों के बैंक खाते जो आधार से अब तक लिंक नहीं हुए उन्हें विशेष कार्य योजना बनाकर आधार से लिंक करें। साथ ही ओल्ड एज पेंशन प्राप्त करने वालों का एक निश्चित समय तक जीवन प्रमाण पत्र लेना सुनिश्चित करें ताकि मृत लाभुकों के खाते में राशि नहीं जाए।

प्रत्येक गांव में सामाजिक चेतना समिति का करें गठन–

उपायुक्त अजय नाथ झा ने बाल संरक्षण विभाग की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को निदेशित किया कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करें। इस कार्य के लिए समाज के प्रबुद्ध एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त करें। उन्होंने सामाजिक बुराइयों को समाज से मिटाने के लिए प्रत्येक गांव में सामाजिक चेतना की समिति के गठन के लिए बाल संरक्षण पदाधिकारी को भी निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों का समूल नाश करने के लिए सामाजिक चेतना आवश्यक है। जब तक जन चेतना से नहीं जोड़ेंगे तब तक इस चेतना का समूल नाश नहीं होगा। उन्होंने बाल विवाह निषेध को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए " बधाई हो, बेटी हुई है " जैसे अभियानों को वृहद रूप से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

उपायुक्त ने की समाज कल्याण विभाग की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र भवन की स्थिति, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की आधारभूत संरचना, आंगनबाड़ी केंद्र भवन में विद्युत/ पेयजल/शौचालय की उपलब्धता, आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण वाटिका निर्माण, सेविका/सहायिका के पदों की नियुक्ति एवं मानदेय, पोषण ट्रैकर, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सेविका सहायिका के आयुष्मान कार्ड निर्माण, एमटिसी में बच्चों को भर्ती कराने तथा उन्हें पोषण आहार देने समेत विभिन्न कार्यों के प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति की जानकारी प्राप्त की एवं उन्होंने कहा कि जो भी नए आंगनबाड़ी केंद्र बन चुके हैं पर शिफ्टिंग का कार्य नहीं किया गया है वहां जल्द से जल्द नए आंगनबाड़ी केंद्र में शिफ्ट किए जाएं। साथ हीं जहां भूमि विवाद या भूमि नही होने के कारण आंगनबाड़ी केंद्र के भवन का निर्माण कार्य नही हो पा रहा है वैसे स्थानों को चिन्हित करते हुए रिपोर्ट देने हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने कहा की इस रिपोर्ट को अंचलवार सभी अंचलाधिकारी को भेज कर निर्माण कार्य सुनिश्चित कराया जाएगा। वहीं बैठक में आंगनवाड़ी सेविका सहायिका के आयुष्मान कार्ड बनाने, उनका मानदेय भुगतान करने हेतु सभी महिला पर्यवेक्षिका एवं सडीपीओ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा एमटीसी में बच्चों को भर्ती कराने तथा उनका फॉलोअप करने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उक्त बैठक के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ माह में विभागीय गाईड लाईन के अनुरूप सेविका एवं सहायिका जहां भी पद रिक्त है वहां नियुक्ति की प्रक्रिया की गई है कई रिक्तियां को भरा भी गया है वहीं कई रिक्तियां अभी भी खाली है। उपायुक्त ने जल्द से जल्द शेष बचे रिक्तियों को ग्रामसभा कराकर पारदर्शी एवं निष्पक्ष रुप से चयन प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उक्त बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप, सभी सीडीपीओ, डीएमएफटी टीम सभी महिला पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

हिन्दी साहित्य विकास परिषद के स्थापना दिवस पर राम कथा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हिन्दी साहित्य विकास परिषद् अपने 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर "पुरूषोत्तम" एकदिवसीय भव्य राम-कथा का आयोजन करने जा रही है। इस राम-कथा का वाचन सुप्रसिद्ध साहित्यकार प्रेरणादायी वक्ता एवं लोकप्रिय कथावाचक चिराग जैन करेंगे। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श जीवन चरित्र का प्रेरणादायी श्रवण साहित्य, समाज और संस्कृति का अनूठा संगम एवं स्थानीय साहित्यकारों व समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं स्थापना दिवस पर परिषद् की साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण। प्रवेश संबंधी सूचना : कार्यक्रम में प्रवेश पत्र के माध्यम से कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकता है। प्रवेश पत्र निःशुल्क है और इन्हें हिन्दी साहित्य विकास परिषद् ट्रस्ट के किसी भी सदस्य से प्राप्त किया जा सकता है।

बीएसएल के विस्तारीकरण की मांग को ले जारी महाहस्ताक्षर अभियान की हुई समीक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के प्रस्तावित विस्तारीकरण और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने हेतु जारी महाहस्ताक्षर के प्रगति कीसमीक्षा बैठक वरिष्ठ विस्थापित नेता श्री दिनेश झा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बोकारो के दस हजार लोगों के द्वारा इन माँगों को लेकर प्रधानमंत्री को भेजे जाने वाले पोस्टकार्ड और दो लाख हस्ताक्षर की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक में इस अभियान को और गति देने का निर्णय लिया गया। कुमार अमित ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि विस्तारीकरण बोकारो के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। इसे प्रारंभ होने से बोकारो के हर वर्ग के विकास को गति मिलेगी। समाजसेवी धन्जय चौबे ने कहा कि बीजीएच यहाँ का लाइफ लाइन है। इसे सुपरस्पेशलिटी बनने से यहाँ के लोगों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होगा। विस्थापित संघर्ष मोर्चा के महासचिव श्री अब्दुल रब अख़्तर एवं वरिष्ठ विस्थापित नेता शिव प्रसाद ने कहा कि

विस्तारीकरण से विस्थापित युवाओं के समक्ष रोजगार का अवसर मिलेगा। इसलिए अभियान को हमें बोकारो के हर वर्ग तक पहुँचाना चाहिए। बैठक का संचालन समाजसेवी योगेन्द्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी संघ के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष राकेश राम ने किया।

मंत्री का उपायुक्त एवं एसएसपी ने किया स्वागत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मंत्री, योगेन्द्र प्रसाद, पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, झारखण्ड सरकार के धनबाद आगमन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने परिसदन भवन में पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री, योगेन्द्र प्रसाद के द्वारा उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग से संबंधित धनबाद जिला में हो रहे कार्यों पर चर्चा की गई ।

संक्षिप्त समाचार

नशे के दो कारोबारी गिरफ्तार, लाखों का गांजा जप्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस को नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा और शराब जब्त की है। एसपी हरविंदर सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बेरमो अनुमंडल पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में देर रात छापेमारी अभियान चलाया।

छापेमारी के दौरान जरीडीह थाना क्षेत्र के कुम्हारडीह से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनके बयान के आधार पर गोमिया और पेटरवार थाना क्षेत्र में भी छापेमारी की गई, जहाँ से करीब 153 किलो गांजा और 164 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। पकड़े गए गांजा और शराब की अनुमानित कीमत 20 से 25 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान कुम्हारडीह निवासी सुभाष कुमार साव और बिहार छपरा निवासी सोनु कुमार राय के रूप में हुई है। वहीं, जिन मकानों से गांजा और शराब बरामद की गई है, उनके मालिकों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

दादीजी का 50वां भादो अमावस्या महोत्सव

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास नगर में श्री राणी सती दादी जी का 50वां भादो अमावस्या महोत्सव मारवाड़ी पंचायत द्वारा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में 21, 22 और 23 अगस्त को बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। 21 अगस्त को दादीजी का मंगल पाठ प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें भक्तगण द्वारा 111 मीटर की चुनरी दादी जी को समर्पित की जाएगी। 22 अगस्त को भव्य कीर्तन का आयोजन होगा। 23 अगस्त को प्रातःकाल से दादी जी की धोक प्रारंभ होगी। धोक लेने के पश्चात सभी भक्तजन खीरपुरा, छप्पन भोग एवं सवामणि आदि प्रसाद ग्रहण करेंगे। 50वें महोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए मारवाड़ी पंचायत द्वारा मनोज अग्रवाल, लाला पोद्दार, सुशील गर्ग एवं मनोज मानकासिया को महोत्सव का संयोजक नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में समस्त समाज बंधु एवं दादी भक्तजन पूर्ण समर्पण भाव से महोत्सव को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार स्व रामजी यादव को नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि

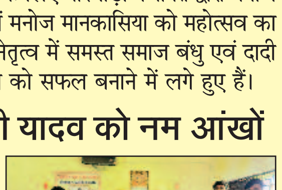

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टुंडी स्थित लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम में वरिष्ठ पत्रकार स्व राम जी यादव की 11वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आपको बता दें कि स्वर्गीय राम जी यादव के 11वीं पुण्यतिथि के मौके पर उनके पुत्र रोहित आर्यन भाई सुरेंद्र यादव विजय सिन्हा, दीपक प्रामाणिक, अकास तिवारी आश्रम के अध्यक्ष नौशाद गद्दी कार्यकारिणी अध्यक्ष सुधीर वर्णवाल, कोषाध्यक्ष प्रशांत वर्मा सहित आश्रम में निवास करने वाले माता-पिता तुल बुजुर्ग लोगों ने उनके प्रतिमा पर माला पहनाकर एव फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं उनके बताए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी वही आपको बता दें कि रामजी यादव लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। रामजी यादव का सपना था धनबाद जिला में एक वृद्ध आश्रम का स्थापना किया जाए रामजी यादव की देखरेख में लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम का स्थापना किया गया था। पुण्यतिथि के मौके पर आश्रम के कार्यकारिणी अध्यक्ष सुधीर वर्णवाल ने स्व रामजी यादव की जीवनी पर प्रकाश डाला। वही आश्रम के मीडिया प्रभारी विजय सिन्हा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज आश्रम के संस्थापक स्वर्गीय राम जी यादव की 11वीं पुण्यतिथि हर साल की तरह इस साल भी हम लोग लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम में मना रहे हैं और जो उनके अधूरे कार्य रह गए हैं उसे पूरा करने का संकल्प लिया।

पंचायत सचिव के निधन पर शोक सभा का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नावाडीह प्रखंड के पंचायत सचिव रामविलास रविदास का आज प्रातः आकस्मिक निधन हो जाने के कारण उनके आत्म की शांति एवं परिवार गण को इस दुख की घड़ी मे सांत्वना हेतु उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर में जिला स्तर पर शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपायुक्त सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि पंचायत सचिव कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके निधन से पंचायत विभाग को अपूरणीय क्षति हुई है।

एनबीसीसी का कार्य संतोषजनक नहीं है, बीएसएल प्रबंधन बेफिक्र : प्रेम कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ के नव निर्वाचित कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक सेक्टर 4जी स्थित संघ के प्रधान कार्यालय मे हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एन के सिंह और संचालन संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र महतो ने किया। संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि संघ कर्मचारियों के स्थानीय स्तर के मुद्दे के लिए संघर्ष करेगी और समाधान निकालेगी। बताया कि आवास मरम्मत का काम एन बी सी सी (नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी) को दिया गया है। इनका काम करने का तरीका ही विचित्र है। काम पूरा कब होगा, पता नहीं। हमारे कर्मचारी साथी आवास मरम्मत को लेकर परेशान है। साल साल भर हो गए। आवास मरम्मती बका कार्य पूरा नहीं हुआ। जो काम हुआ भी है, वो दो महीने मे अपने पूर्व अवस्था मे आ जा रहा है। सड़क का काम भी अधूरा छोड़ दिया जाता है। बोकारो इस्पात नगर का मुख्य मार्ग भी टूटा हुआ है। समान्य अनुरक्षण का काम हो ही नहीं रहा है। सेक्टर 12 के आवास को अछूत मान कर बैठे है। नगर सेवा के मुख्य महाप्रबंधक भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ ने पूर्व मे भी बीएसएल प्रबंधन से मांग की थी और आज फिर से मांग है कि यदि किसी भी कर्मचारी को नया आवास आवंटित होता है तो उस कर्मचारी को आवास मरम्ती के लिए इ टाइप के लिए 40 हजार, डी टाइप के लिए 60 हजार और सी टाइप के लिए 80 हजार रुपया उनके खाते मे दे दिया जाए ताकि समय से आवास को मरम्मत करा सके ' बैठक मे मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष शम्भु कुमार, कमलेश कुमार, संयुक्त महामंत्री मुकेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सत्यनारायण ठाकुर, कोषाध्यक्ष राम कुमार श्रीवास्तव, सहायक कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह, अधिशासी सदस्य घनश्याम, दिलीप कुमार, शैलेन्द्र कुमार अनील कुमार, मंतोष कुमार,और बाबु धन राम उपस्थित रहे।

ठेका श्रमिक के आश्रित को बीएसएल समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये की बीमा राशि का भुगतान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में विभिन्न ठेकेदारों के अधीन कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए लागू की गई समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत पहला दावा का सेटलमेंट करते हुए स्व. अशोक पंडित की पत्नी श्रीमती परमिला देवी को 10 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक 18 अगस्त को प्रदान किया गया। इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री ए.के. शरण सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित रहे। इस योजना के अंतर्गत बजाज एलियांज बीमा कंपनी द्वारा पहला दावा का सेटलमेंट श्रीमती परमिला देवी के पक्ष में किया गया है। स्व. अशोक पंडित का 24 अप्रैल 2025 को बेगूसराय, बिहार में एक सड़क दुर्घटना हुआ था और कुछ दिनों बाद इलाज के दौरान उनका निधन हो गया था।

उल्लेखनीय है कि बीएसएल ने अपने ठेका श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा और कल्याण को सुदृढ़ करने की दिशा में नवंबर 2024 में समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना की शुरूआत की थी।

यह योजना बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट, जो बीएसएल के पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा गठित निकाय है के माध्यम से संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पंजीकृत ठेका श्रमिक को दुर्घटनावश मृत्यु की स्थिति में 10 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जाता है। बीएसएल प्रबंधन और बोकारो वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान के तहत लागू यह योजना ठेका श्रमिकों एवं उनके परिजनों को ऐसी कठिन परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा और संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस्पात भवन के नवीकृत कैंटीन का उद्घाटन

इस्पात कर्मियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की कड़ी में इस्पात भवन स्थित कैंटीन का नवीनीकरण कर उसे एक नया लुक दिया गया है, साथ ही कुछ नई सुविधाएं भी जोड़ी गई है.18 अगस्त को बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री बी के तिवारी ने नवीकृत कैंटीन टेस्टी बाइट्स का उद्घाटन किया.

इस अवसर पर बीएसएल के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनिता तिवारी, महिला समिति की उपाध्यक्षगण, अन्य वरीय अधिकारी तथा एच आर डिविजन के अधिकारी उपस्थित थे. अधिशासी निदेशक (एच आर) सुश्री राजश्री बनर्जी ने कैंटीन के नवीनीकरण की पृष्ठभूमि पर जानकारी दी, साथ ही नवीनीकरण का कार्य तय समय में पूरा करने पर नगर प्रशासन के सिविल एवं इलेक्ट्रिकल अनुभागों की सराहना की. निदेशक प्रभारी ने नवीकृत कैंटीन टेस्टी बाइट्स के उदघाटन के मौके पर एच आर डिवीजन और इस कार्य से जुड़े टीम को बधाई दी और विश्वास जताया कि इस्पातकर्मी इस नई सुविधा का भरपूर लाभ उठाएंगे. महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती अनिता तिवारी ने भी कैंटीन को दिए गए नए लुक और सुविधाओं के लिए सभी को बधाई दी. कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (एच आर) डॉ नंदा प्रियदर्शिनी ने किया. अंत में धन्यवाद ज्ञापन मुख्य महाप्रबंधक (एच आर) श्री ए के शरण ने किया

युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे : उपायुक्त

बैंक ऑफ इंडिया ने किया उद्यमी विकास महोत्सव का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बैंक ऑफ इंडिया बोकारो जोन द्वारा " उद्यमी विकास महोत्सव " की आज बड़े ही उत्साहपूर्वक माहौल में शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मौके पर महाप्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया शुवेंदु बेहरा, जोनल मैनेजर अश्वनी मित्तल एवं उप जोनल मैनेजर निकुंज जैन, मुख्य प्रबंधक रणविजय सिन्हा, वरिष्ठ प्रबंधक रितेश आनंद उपस्थित थे। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए बैंक की इस पहल की सराहना की। उद्यमी विकास महोत्सव का उद्देश्य युवाओं एवं स्थानीय उद्यमियों को स्वरोजगार, वित्तीय सहयोग तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर कुल 35 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, जिससे अनेक उद्यमियों एवं ग्राहकों को वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही विभिन्न योजनाओं पर परामर्श, ऋण सुविधा की जानकारी तथा सफल उद्यमियों के द्वारा अनुभव भी साझा किया गया।

युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे-

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा जिले के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इस पर बैंक ऑफ इंडिया, बोकारो जोन ने इस अवसर पर आश्वस्त किया कि बैंक भविष्य में भी उद्यमियों, कृषकों एवं आम ग्राहकों के सामाजिक-आर्थिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

वहीं कार्यक्रम में जोनल मैनेजर अश्वनी मित्तल एवं उप जोनल मैनेजर श्री निकुंज जैन ने उपस्थित उद्यमियों, ग्राहकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न एम एस एम ई उत्पादों एवं योजनाओं का विस्तार से परिचय दिया। साथ ही इस आयोजन में जिले के लगभग 20 शाखा प्रबंधक, 100 से अधिक ग्राहक तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही वित्तीय सेवाओं एवं उद्यमियों के लिए विशेष योजनाओं की सराहना की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com

CMYK